हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

रणजी ट्रॉफी के लिए सौराष्ट्र की टीम में शामिल हुए रवींद्र जडेजा

www.naisochlive.com | पटना, शनिवार, 10 अक्टूबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 226, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

विधानसभा की 5 सीटों के उपचुनाव में राजग तीन पर विजयी, टीवीके एक जीती

असम के नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार की निर्णायक बढ़त

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के तीन राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में एक लोकसभा तथा पांच विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और क्षेत्रीय दलों को सफलता मिली है। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजिनगर विधानसभा सीटों पर भाजपा ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की। तमिलनाडु के धारापुरम विधानसभा क्षेत्र में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की उम्मीदवार सत्यभामा.पी विजयी हुईं, जबकि मधुरांतकम सीट पर टीवीके के के. मरागथम कुमारवेल मतगणना के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार आगे चल रहे हैं। पुडुचेरी के तट्टांचावडी में भाजपा-नीत राजग के घटक दल सत्तारूढ़ एनआर कांग्रेस के उम्मीदवार अशोक आनंद ने जीत दर्ज की। वहीं, असम के नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा के देवाशीष शर्मा ने 1.66 लाख से अधिक मतों की निर्णायक बढ़त बना रखी है। चुनाव आयोग के मुताबिक पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार हासिरानी रथ ने 1,22,753 मतों के अंतर से जीत

हासिल की। मतगणना के 15 राउंड के बाद आए परिणाम में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया। रेजिनगर विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार शाखारव सरकार ने 75,748 मतों से जीत दर्ज की। नंदीग्राम में हासिरानी रथ की जीत इसलिए भी चर्चा में रही, क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पिछले चुनावी जीत के अंतर को पीछे छोड़ दिया। वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में 81,230 मतों से जीत दर्ज की थी। वर्ष 2021 में भाजपा उम्मीदवार के तौर पर उनकी जीत का अंतर 1,956 मत रहा था, जबकि 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने 9,665 मतों से जीत हासिल की थी। हासिरानी रथ दिवंगत चंद्रनाथ रथ की मां हैं। चंद्रनाथ रथ शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव थे। मतगणना के शुरुआती दौर से ही नंदीग्राम में भाजपा उम्मीदवार ने बढ़त बना रखी थी। 11वें राउंड के बाद हासिरानी रथ 90,203 मतों से आगे थीं। 13वें राउंड में उनकी बढ़त बढ़कर 1,05,854 मत हो गई। अंतिम परिणाम में जीत का अंतर 1,22,753 मत दर्ज किया गया। रेजिनगर में भी भाजपा उम्मीदवार शाखारव सरकार ने मतगणना के दौरान लगातार बढ़त बनाए रखी। पोस्टल बैलेट की गिनती से शुरू हुई उनकी बढ़त 12वें राउंड तक 70 हजार मतों के पार पहुंच गई। अंतिम परिणाम में उन्होंने 75,748 मतों से जीत हासिल की। दोनों सीटों पर भाजपा की जीत के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इसे राष्ट्रवादी शक्तियों की सफलता बताया। उन्होंने पहले ही दावा किया था कि तृणमूल कांग्रेस और वामदल इन दोनों सीटों पर प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। रेजिनगर में मुस्लिम आबादी की बहुलता वाले क्षेत्र में भाजपा को मिले समर्थन की व्याख्या करते हुए मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि महिलाओं को बिना किसी धार्मिक भेदभाव के 'अन्नपूर्णा योजना' का लाभ मिला है और इसी वजह से उन्होंने भाजपा के पक्ष में मतदान किया। विपक्ष की ओर से चुनाव आयोग की भूमिका और कथित धांधली को लेकर उठाए गए सवालों पर उन्होंने कहा कि पूरी चुनावी प्रक्रिया उच्चतम न्यायालय की निगरानी में संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर और नंदीग्राम, दोनों सीटों से चुनाव लड़ा था। दोनों जगह जीतने के बाद उन्होंने भवानीपुर सीट अपने पास रखी और नंदीग्राम से इस्तीफा दे दिया था। भवानीपुर में उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराया था। इसी तरह, आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने नाओदा और रेजिनगर दोनों सीटों से चुनाव जीता था। बाद में उन्होंने रेजिनगर सीट छोड़ दी। इन रिक्तियों के कारण छह अक्टूबर को दोनों विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव कराए गए। तमिलनाडु के धारापुरम विधानसभा क्षेत्र में तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) की उम्मीदवार सत्यभामा.पी ने 66,841 मत हासिल कर जीत दर्ज की।

उपचुनावों में भाजपा-राजग की जीत सुशासन के प्रति जनता के समर्थन का प्रमाण: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम के नगांव लोकसभा क्षेत्र और पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम तथा रेजीनगर विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों में जीत के लिए भाजपा उम्मीदवारों को बधाई देते हुए शुक्रवार को कहा कि इन नतीजों से भाजपा-राजग के सुशासन के एजेंडे के प्रति जनता का जुड़ाव एक बार फिर जाहिर हुआ है। मोदी ने पुडुचेरी के थट्टानचावडी विधानसभा क्षेत्र में जीत के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दल ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) को भी बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच

'एक्स' पर एक पोस्ट में जनता के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह जनादेश जनता के कल्याण और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के प्रयासों को और मजबूती देगा। मोदी ने कहा कि भाजपा-राजग लोगों के उज्ज्वल और अधिक समृद्ध भविष्य के लिए लगातार काम करता रहेगा।

भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता : सिंधिया

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता। उन्होंने कहा कि तीन कंपनियों को सैटेलाइट संचार सेवाओं के लिए लाइसेंस मिल चुके हैं। ये कंपनियां सुरक्षा संबंधी आवश्यकताएं और निर्धारित मानक को पूरा करने के बाद अपनी सेवाएं शुरू कर सकती हैं। नई दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 के 10वें संस्करण में प्रेस वार्ता के दौरान सिंधिया ने अमेरिका के उद्योगपति ऐलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक की सेवाओं को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि एक 'खास' कंपनी की काफी चर्चा हो रही है, लेकिन वास्तविकता यह है कि तीन कंपनियों को उपग्रह संचार (सैटकॉम) लाइसेंस मिल चुके हैं और वे सुरक्षा संबंधी शर्तों तथा निर्धारित लक्ष्यों को अलग-अलग पूरा करने के बाद परिचालन शुरू कर सकती हैं। सिंधिया ने बताया कि मस्क की स्टारलिंक, रिलायंस जियो की उपग्रह सेवा इकाई जियो सैटकॉम और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब को लाइसेंस मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेजन की

कुइपर ने इस क्षेत्र में रुचि दिखाई है, उसे भी निर्धारित प्रक्रिया से गुजरना होगा। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है। तीन कंपनियों को लाइसेंस मिले हैं। सरकार जब राजस्व आधारित शुल्क व्यवस्था तय कर देगी, तब उन्हें स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाएगा। इसके बाद जब वे अलग-अलग सुरक्षा शर्तों को पूरा कर लेंगी, तब परिचालन शुरू कर सकती हैं। संचार मंत्री ने कहा कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) और दूरसंचार विभाग 'सैटकॉम स्पेक्ट्रम' की मूल्य निर्धारण व्यवस्था पर अंतिम निर्णय के करीब हैं। राहुल गांधी और ऐलन मस्क के बीच 'एक्स' पर हुई बातचीत की पृष्ठभूमि में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा कहा कि कांग्रेस को शुरुआत में एक खास व्यक्ति को लाइसेंस मिलने पर आपत्ति थी और अब उसे इस बात पर आपत्ति है। अब वे उसी व्यक्ति के साथ मिलकर सवाल उठा रहे हैं कि उसे लाइसेंस क्यों नहीं मिल रहा। सिंधिया ने कहा कि इसलिए मुझे नहीं पता कि कांग्रेस को खुद में स्पष्टता है या नहीं कि वह किस दिशा में जा रही है, लेकिन कांग्रेस के साथ ऐसा होना अपेक्षित है। दरअसल, मस्क ने दावा किया है कि कुछ प्रभावशाली कारोबारी समूह उनकी कंपनी स्टारलिंक की उपग्रह संचार सेवाओं को शुरू होने से रोक रहे हैं। मस्क ने यह आरोप लगाया था कि ये समूह 'भारतीय लोगों पर अपना एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं।' इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विभाग के लिए हम प्रौद्योगिकी के मामले में तटस्थ हैं। हमारा काम हर ग्राहक को सेवाओं के व्यापक विकल्प उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि खुले बाजार में ग्राहक को यह चयन करना होगा कि वह कौन-सी सेवा पसंद करता है और उन विकल्पों में से किस कंपनी की सेवा लेना चाहता है। इस मुद्दे पर गुरुवार को भारत सरकार और मस्क के बीच तीखी बयानबाजी भी हुई थी। दूरसंचार विभाग ने उन आरोपों को खारिज कर दिया था कि घरेलू कारोबारी हितों के कारण स्टारलिंक की उपग्रह इंटरनेट सेवाओं को शुरू होने से रोका जा रहा है। इसके बाद प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अरबपति कारोबारी मस्क ने सवाल किया था कि क्या ''अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के कदम साझा लक्ष्यों को आगे नहीं बढ़ाते, उपराष्ट्रपति की टिप्पणी भी अनुचित: भारत

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिकी श्रम विभाग की ओर से कुछ कंपनियों के लिए स्थायी श्रम प्रमाणन

(पीईआरएम) कार्यक्रम से संबंधित निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका के इस कदम से दोनों देशों की साझा आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में मदद नहीं मिलेगी। भारत ने कहा कि प्रतिभाओं की आवाजाही दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी है। इस संदर्भ में अमेरिकी उपराष्ट्रपति की टिप्पणियां भी अनुचित हैं। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पीईआरएम कार्यक्रम एच-1बी वीजा कार्यक्रम से अलग है। पीईआरएम आवेदनों पर रोक लगाने से मौजूदा एच-1बी वीजा की वैधता या वीजा धारकों और उनके आश्रितों की स्थिति पर अपने आप कोई असर नहीं पड़ता। हालांकि, प्रभावित कंपनियों के पात्र कर्मचारियों की स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) प्रक्रिया पर इसका कुछ प्रभाव पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रतिभाओं की आवाजाही भारतीय पेशेवरों के लिए अवसर पैदा करने के साथ-साथ अमेरिकी कंपनियों को भी लाभ पहुंचाती है। इससे अत्याधुनिक कौशल, नवाचार, अनुसंधान, उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलता है। इसके अतिरिक्त, इससे अमेरिका में शेयरधारकों की संपत्ति में भी वृद्धि होती है। भारत ने इसे दोनों देशों के लिए परस्पर लाभ का महत्वपूर्ण क्षेत्र बताते हुए उम्मीद जताई कि इस प्रक्रिया से जुड़े सभी पक्ष इस तथ्य को समझेंगे।

डिजिटल स्वास्थ्य संसाधनों से मजबूत होगी भारत की शोध संस्कृतिः स्वास्थ्य सचिव

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य संसाधन भारत में शोध की संस्कृति विकसित करने और चिकित्सा शिक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। देश में अपनी शोध क्षमताओं को विकसित करने के लिए शोध के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मौलिक अनुसंधान को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय (एनएमएल) के नेटवर्क का विस्तार 93 मेडिकल कॉलेजों तक हो चुका है। अब इसे देश के सभी मेडिकल कॉलेजों तक पहुंचाने की दिशा में काम करना चाहिए, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां संसाधनों की कमी है। श्रीवास्तव शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय में आयोजित ईआरएमईडी कंसोर्टियम के पांचवें एक दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण-सह-सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अंतर्गत आयोजित इस सम्मेलन का विषय 'डिजिटल हेल्थ रिसोर्सेजः लाइब्रेरीज के माध्यम से पहुंच को नए सिरे से परिभाषित करना' था। इसका उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पद्धति में डिजिटल ज्ञान संसाधनों की भूमिका को मजबूत करना था। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर सीखना और पेशेवर कौशल का विकास बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य सेवाओं का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। नई बीमारियों की पहचान हो रही है, उपचार के नए तरीके विकसित हो रहे हैं और चिकित्सा पद्धतियों में लगातार बदलाव आ रहे हैं। ऐसे में सुसज्जित पुस्तकालयों और आसानी से उपलब्ध डिजिटल संसाधनों से डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को नवीनतम जानकारी मिल सकेगी, जिससे मरीजों को बेहतर उपचार देने में मदद मिलेगी।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की राष्ट्रीय महामंत्रियों के साथ बैठक, संगठन और चुनावी रणनीति पर मंथन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय में नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्रियों के साथ बैठक की। जिसमें संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजनाओं और विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में पार्टी संगठन को और मजबूत बनाने, विभिन्न राज्यों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा बूथस्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने जैसे विषयों पर मंथन किया गया। इसके साथ ही पार्टी की पहुंच को व्यापक बनाने और संगठनात्मक कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। बैठक के बाद पार्टी अध्यक्ष ने फोटो साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय महामंत्रियों के साथ बैठक कर विभिन्न संगठनात्मक विषयों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। कई राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर संगठन की तैयारियों को धार देने और पार्टी की रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मिसाइल हों, लेकिन मन में मर्यादा न हो, तो शक्ति अधूरी है: राजनाथ सिंह

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि जब हम पितृपक्ष में तर्पण करते हैं, तो हमें केवल अपने पूर्वजों का ही स्मरण नहीं करना चाहिए। हमें उन बलिदानियों का भी स्मरण करना चाहिए, जिन्होंने हमारी रक्षा के लिए अपने प्राण त्याग दिए। जो राष्ट्र अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है, वह कभी नहीं गिरता। जो राष्ट्र अपने बलिदानियों को स्मरण करता है, वह सदैव आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा, "हमारे पास मिसाइल हों, लेकिन मन में मर्यादा न हो, तो शक्ति अधूरी है। हमारे पास एआई हो लेकिन राष्ट्रीय चेतना न हो, तो विकास अधूरा है। यही हमारी विशेषता है। यही भारत की शक्ति है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को दिल्ली में स्थित राष्ट्र मंदिर विश्व रामायण आश्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने लोगों संवाद करते हुए अध्यात्म पर अपने विचार रखे। उन्होंने राष्ट्र मंदिर विश्व रामायण आश्रम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधन भी दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि बड़ा मनुष्य कभी केवल अपने लिए नहीं जीता। वह अपने जीवन को समाज के लिए समर्पित करता है, दूसरों के सुख-दुख को अपना मानता है और सबके लिए जीता है। हमारे धर्मशास्त्रों, पुराणों से लेकर आज तक, हमारे संविधान, हमारी भारतीय न्याय संहिता, ये सब हमारे समाज के मानस की शुद्धि का कार्य

करते हैं। ये हमें बताते हैं कि क्या उचित है, क्या अनुचित है। ये हमें दिशा देते हैं। ये हमें सभ्य बनाए रखते हैं। रक्षा मंत्री का कहना था कि यह मन का कलुष ही होता है, जो आए दिन राष्ट्र-विरोधी नारे लगाता है, और यह मानस की शुद्धि ही होती है जो राष्ट्र को अपना सर्वस्व मान बैठता है। बड़प्पन केवल शक्ति और सामर्थ्य में नहीं, बल्कि सहनशीलता, उदारता और सबको साथ लेकर चलने की क्षमता में भी होता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि महान व्यक्तित्वों की विशेषता यही होती है, कि वे परिस्थितियों को समझते हुए भी अपने उदार भाव को नहीं छोड़ते। उन्हें यह भी ज्ञात होता है, कि कौन उनके स्नेह का लाभ उठा रहा है, कौन उनके धैर्य की परीक्षा ले रहा है। फिर भी वे अपने स्नेह का द्वार बंद नहीं करते। यह मन का कलुष ही होता है, जो अपने स्वार्थ के लिए समाज को बांटता है और यह मानस की शुद्धि ही होती है, जो अपने सुख से ऊपर उठकर समाज को जोड़ने का काम करती है। उन्होंने कहा कि हम अपने प्रयासों से केवल मन की शुद्धि ही नहीं कर रहे हैं। हम अपने राष्ट्र को हर क्षेत्र में आगे भी बढ़ा रहे हैं। हम अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत कर रहे हैं। हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नए आयाम छू रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, "हमारी सरकार ने और भी कई प्रयासों से अपनी संस्कृति को संरक्षित और संवर्धित करने का प्रयास किया है।

भारतीयों को हमेशा वह पहचान नहीं मिलती थी जो उन्हें आज मिलती है : अनुपम खेर

वॉशिंगटन। एक्टर अनुपम खेर ने भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को बदलने का श्रेय पीएम मोदी को दिया है। उन्होंने

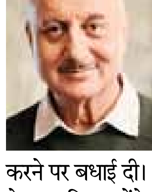

कहा कि अब विदेशों में भारतीयों का सम्मान बढ़ा है और पीएम मोदी के नेतृत्व में देश का कद बढ़ने के साथ-साथ भारतीयों की पहचान भी बेहतर हुई है। अपने नॉर्थ अमेरिकन थिएटर टूर के दौरान अनुपम खेर ने पीएम मोदी को सार्वजनिक जीवन में 25 साल पूरे करने पर बधाई दी। अमेरिका के दौरे पर चल रहे अनुपम खेर ने कहा कि उन्होंने खुद देखा है कि विदेशों में भारतीयों को किस नजरिए से देखा जाता है। लोग भारतीयों का बहुत ज्यादा सम्मान करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी अमेरिका की अपनी पिछली यात्राओं को याद करते हुए खेर ने कहा कि भारतीयों को हमेशा वह पहचान नहीं मिलती थी जो उन्हें आज मिलती है। उन्होंने कहा कि अब लोग कहते हैं- अरे, आप मोदी के देश से आए हैं, जो कि बहुत बढ़िया बात है। उन्होंने पीएम मोदी को एक ऐसे खास राजनेता के तौर पर बताया जिन्होंने निस्वार्थ सेवा की भावना से काम किया और आम नागरिकों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

दिल्ली में प्रदर्शन के मद्देनजर शनिवार को कई ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार, 10 अक्टूबर को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन और ट्रैफिक एडवाइजरी के मद्देनजर उत्तर रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि सुबह 4 से दोपहर 2 बजे तक प्रस्तावित प्रदर्शन के कारण नई दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन और तिलक ब्रिज रेलवे स्टेशनों पर आने-जाने वाली ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे की ओर से जारी सूची के अनुसार, 9 एवं 10 अक्टूबर को चलने वाली कई प्रमुख ट्रेनों को रद्द किया गया है। इनमें मगध एक्सप्रेस, तेजस राजधानी एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस, प्रयागराज एक्सप्रेस और श्रमशक्ति एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा कानपुर, आगरा, बनारस, कासगंज और लखनऊ से दिल्ली आने वाली कुछ अन्य ट्रेनें भी प्रभावित होंगी। इस्लामपुर से नई दिल्ली आने वाली 20801 मगध एक्सप्रेस, राजेंद्र नगर से चलने वाली 12309 तेजस राजधानी एक्सप्रेस, 12393 संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस और 22361 अमृत भारत एक्सप्रेस को रद्द किया गया है।

स्वस्थ प्रदेश-सक्षम प्रदेश' बना यूपी : सीएम

एजेंसी। लखनऊ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'स्वस्थ-सक्षम उत्तर प्रदेश' की कहानी अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' के जरिए शुक्रवार को प्रदेशवासियों से साझा की। सीएम योगी ने उपचार की विवशता से स्वास्थ्य सुरक्षा के विश्वास को स्वस्थ उत्तर प्रदेश की नई पहचान बताया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और अंत्योदय के संकल्प के साथ प्रदेश की डबल इंजन भाजपा सरकार ने वर्ष 2017 से पहले की स्वास्थ्य क्षेत्र की लचर व्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश को स्वस्थ, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निर्णायक गति से कार्य किया है। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रमाण है कि जिस उत्तर प्रदेश की पहचान कभी वन

डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया से होती थी, वही उत्तर प्रदेश आज वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज के संकल्प के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जहां प्रदेश में वर्ष 2017 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या मात्र 36 थी, वहीं आज यह बढ़कर 85 हो गई है। साथ ही, एमबीबीएस की सीटें 4,690 से बढ़कर 13,600 से अधिक हो चुकी हैं। इससे एक ओर युवाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा के अवसर बढ़े हैं, वहीं दूसरी ओर आमजन के लिए घर के निकट गुणवत्तापूर्ण उपचार की सुविधा का विस्तार हुआ है। उन्होंने लिखा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान से आच्छादित 10 करोड़ से अधिक प्रदेशवासी आज गंभीर बीमारी के उपचार के भारी खर्च की चिंता से मुक्त होकर बेहतर स्वास्थ्य, सम्मान और गरिमा के साथ जीवन यापन कर रहे हैं। उपचार की विवशता से स्वास्थ्य सुरक्षा के विश्वास तक, स्वस्थ उत्तर प्रदेश की नई पहचान बनी है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने अस्पतालों के बुनियादी ढांचे के साथ जांच और गंभीर मरीजों के उपचार की सुविधाओं को भी विस्तार दिया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया गया है।

एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'मंगरोल' 12 अक्टूबर को नौसेना में होगी शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

कोच्चि के कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निर्मित तीसरा एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'मंगरोल' 12 अक्टूबर को भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े का हिस्सा बन जाएगा। यह जहाज भारतीय नौसेना की एंटी-सबमरीन वारफेयर क्षमताओं को मजबूत करेगा, जहां तटीय पानी में बड़े वॉरशिप को ऑपरेशनल दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके शामिल होने से नौसेना की पोर्ट, हार्बर और तटीय रास्तों की सुरक्षा करने की क्षमता बढ़ने के साथ ही बड़े फ्लीट ऑपरेशन में भी मदद मिलेगी। मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में इस सेरेमनी की अध्यक्षता वेस्टर्न नेवल कमांड के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ

बंदरगाहों और तटीय रास्तों की सुरक्षा क्षमता बढ़ेगी, बड़े फ्लीट ऑपरेशन में भी मदद मिलेगी

वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन करेंगे। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नौसेना और रक्षा अधिकारी, रक्षा मंत्रालय और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के प्रतिनिधि और देसी हथियार और सेंसर बनाने वाली कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। गुजरात के जूनागढ़ जिले के एक तटीय शहर और प्रमुख मछली पकड़ने के बंदरगाह मंग्रोल के नाम पर निर्मित यह जहाज पूर्ववर्ती आईएनएस मंग्रोल (एम-85) की विरासत को आगे बढ़ाता है। जहाज का नामकरण नौसेना की अपने पूर्व युद्धपोतों की विरासत को संरक्षित करने की परंपरा को जारी रखता है। इस जहाज ने 07 अप्रैल 2004 तक भारतीय नौसेना की सेवा की थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री से बना मंगरोल युद्धपोत डिजाइन, कंस्ट्रक्शन और एडवांस्ड हथियारों और सेंसर के इंटीग्रेशन में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दिखाता है। सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत निर्मित यह जहाज, डिफेंस शिपबिल्डिंग में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

यूक्रेन पर रूस के ताबड़तोड़ हमले, 33 की मौत, 18 घायल

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच भीषण जंग जारी है, जिसमें दोनों देश एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं। पूर्वी यूक्रेन में रूस की ओर से किए गए हवाई हमलों में हाल ही में 33 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस घटना की जानकारी दी। बताया गया कि क्रामाटोर्स्क शहर में एक सामान्य सार्वजनिक बस स्टॉप को निशाना बनाया गया, जिसमें अकेले 12 लोगों की जान चली गई। रूस ने सर्दियों की शुरुआत से पहले यूक्रेन पर अपने हमले तेज कर दिए हैं, जिससे राजधानी कीव में बिजली संकट भी गहरा गया है। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख वादिम फिलाश्किन ने कहा कि दोनेत्स्क क्षेत्र के क्रामातोर्स्क और स्लोवियांस्क में सुरक्षा की स्थिति में तेजी से आई गिरावट के कारण सार्वजनिक परिवहन रोक दिया गया है। फिलाश्किन ने रूस पर नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे हालात में हमें यात्रियों और चालकों की जान जोखिम में डालने का कोई अधिकार नहीं है। उनके अनुसार, क्रामातोर्स्क और स्लोवियांस्क के निवासियों की सुरक्षा सबसे अहम है।

विदेशी अरबपतियों के भरोसे चल रही है राहुल गांधी की राजनीति : सिद्धार्थ यादव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि उनकी राजनीति अब विदेशी ताकतों और अरबपतियों के भरोसे चल रही है। भाजपा ने राहुल के पुराने बयानों और स्टारलिंक के मुद्दे पर कांग्रेस के रुख में बदलाव को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत एक संप्रभु देश है और उसकी नीतियां देशहित को ध्यान में रखकर संसद एवं सरकार के स्तर पर तय होती हैं, न कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी सिद्धार्थ यादव ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी कभी लंदन में भारत के लोकतंत्र को लेकर सवाल उठाते हैं, तो कभी अमेरिका में भारत के लोकतांत्रिक मामलों में हस्तक्षेप की बात करते हैं। यह बात इस बात का संकेत है कि राहुल का राजनीतिक रुख देश के भीतर की राजनीति से आगे बढ़कर विदेशी ताकतों के समर्थन पर निर्भर होता दिखाई दे रहा है। भाजपा नेता ने स्टारलिंक के मुद्दे पर कांग्रेस के रुख में बदलाव को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि एक साल पहले तक कांग्रेस स्टारलिंक के खिलाफ बोलती थी, लेकिन अब उसके रुख में बदलाव दिखाई दे रहा है।

कानून-व्यवस्था पर हाईलेवल मीटिंग, अपराधियों की जिलावार-थानावार लिस्ट बनेगी

नई सोच एक्सप्रेस

» मुख्यमंत्री ने अपराधियों की जिलावार एवं थानावार सूची तैयार कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा CCA के तहत सख्त कदम उठाने के दिए निर्देश

» डायल-112 की प्रतिक्रिया अवधि को और बेहतर बनाने तथा तकनीक आधारित आपातकालीन पुलिस सेवा को मजबूत करने पर जोर

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में गृह विभाग के प्रधान सचिव तथा पुलिस मुख्यालय के वरीय अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति, संज्ञेय अपराधों, अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध, मद्यनिषेध, नशामुक्ति और आर्थिक अपराधों से संबंधित कार्यों की जानकारी दी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। अपराधियों, असामाजिक तत्वों और समाज में अशांति फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन को अधिक सक्रिय, जवाबदेह और तकनीक सक्षम बनायें। अपराधियों की जिलावार एवं थानावार सूची के आधार पर उनकी पहचान कर उनके विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। अपराध नियंत्रण अधिनियम (CCA) के प्रावधानों का आवश्यकतानुसार उपयोग करते हुए आदतन अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर सख्त निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि अपराध के मामलों में त्वरित एवं प्रभावी अनुसंधान के साथ-साथ अभियोजन को मजबूत किया जाए, ताकि दोषियों को कानून के अनुसार जल्द सजा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों और उन स्थानों की पहचान करें जहां अशांति या आपराधिक गतिविधियों की आशंका रहती है। ऐसे क्षेत्रों में नियमित गश्त, सतत निगरानी और पुलिस की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही, जिला दंगा निरोधी दस्ते के पुनर्गठन तथा विशेष कार्य बल को अधिक सशक्त एवं आधुनिक बनाने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने आपातकालीन परिस्थितियों में आम नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिए डायल-112 की व्यवस्था को और बेहतर बनाने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि बिहार में डायल-112 का औसत रिस्पांस टाइम लगभग 11 मिनट या उससे कम है, जो 17 मिनट के बताए गए राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि को बनाए रखते हुए प्रतिक्रिया समय में और सुधार करने तथा तकनीक के प्रभावी उपयोग से आपातकालीन सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने साइबर अपराध की रोकथाम और डिजिटल माध्यमों पर कानून-व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए सभी जिलों में प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों के लिए हेल्पलाइन नंबर '1930' के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया। सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक, आपत्तिजनक या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली सामग्री पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया से जुड़े संवेदनशील मामलों में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को दो घंटे के भीतर आवश्यक प्रतिक्रिया देने तथा मुख्यालय स्तर से इसकी निगरानी करने की व्यवस्था पर जोर दिया गया। अभद्र भाषा और गैरकानूनी सामग्री के मामलों में संबंधित कानूनों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने और कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया। नारकोटिक्स से संबंधित अधिकारियों ने नशामुक्ति अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तथा संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया। आर्थिक अपराधों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अवैध तरीके से संपत्ति या आर्थिक लाभ अर्जित करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने तथा ऐसे मामलों में प्रभावी अनुसंधान और अभियोजन के माध्यम से दोषियों को सजा दिलाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने महिला पुलिसकर्मियों के लिए बेहतर कार्य वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु उचित व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों पर अशांति फैलाने वाले तत्वों पर निगरानी बढ़ाने तथा अश्लील एवं द्विअर्थी गीतों के माध्यम से कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका वाले मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुलिस प्रशासन जनता की सुरक्षा, कानून का शासन और अपराध नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए पूरी तत्परता से कार्य करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी संबंधित अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जवाबदेही के साथ करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षायें स्वच्छ एवं कदाचार मुक्त हो, इसमें गड़बड़ी करने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि बिहार को सुरक्षित एवं अपराध मुक्त बनाना है। विधि व्यवस्था को हर हाल में बेहतर बनाये रखना है।

संक्षिप्त समाचार

दुधिया मालदा आम के संरक्षण के लिए 1.30 करोड़ रुपये मंजूर

पटना। बिहार सरकार दुधिया मालदा आम की पारंपरिक प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने के लिए वैज्ञानिक संरक्षण और संवर्धन की दिशा में काम करेगी। कृषि विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत दीघा, पटना के दुधिया मालदा आम के संरक्षण के लिए उन्नत केंद्र की स्थापना हेतु 1.30 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इस योजना के तहत मूल वृक्षों की पहचान, जीपीएस आधारित सर्वेक्षण, जर्मप्लाज्म संरक्षण और गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार करने पर जोर दिया जाएगा। शहरीकरण, कीट-रोग और जलभराव के कारण इस प्रजाति के मूल वृक्षों की संख्या घटकर लगभग 100 रह गई है। योजना के तहत कृषि अनुसंधान संस्थान, पटना और नालंदा उद्यान महाविद्यालय, नूरसराय में आवश्यक आधारभूत संरचनाएं विकसित की जाएंगी। तीन वर्षों की कार्ययोजना के तहत दुधिया मालदा का वैज्ञानिक मूल्यांकन, ग्राफ्टिंग, फील्ड जीन बैंक की स्थापना और किसानों को प्रमाणिक पौध उपलब्ध कराने का काम होगा। साथ ही इस प्रजाति को जीआई टैग दिलाने की दिशा में भी पहल की जाएगी। सरकार का उद्देश्य बिहार की इस विशिष्ट कृषि विरासत को संरक्षित करने के साथ किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं को मजबूत करना है।

खेल परियोजनाओं में देरी पर मंत्री श्रेयसी सिंह नाराज, समय पर काम पूरा करने का निर्देश

पटना। बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने खेल विभाग की समीक्षा बैठक में राज्य की विभिन्न खेल परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और निर्माण कार्यों में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने तथा समय पर काम नहीं करने वाले संवेदकों पर नियमानुसार जुर्माना लगाने और दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। शुक्रवार को आयोजित बैठक में विभाग के सचिव दीपक आनंद और निदेशक विवेक रंजन मैत्रेय मौजूद रहे। बैठक में खेल अवसंरचना परियोजनाओं, प्रगति यात्रा के दौरान घोषित योजनाओं, खेल क्लबों को उपकरण उपलब्ध कराने तथा खेल परिसरों के संचालन पर चर्चा हुई। मंत्री ने लंबित परियोजनाओं में तेजी लाने और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में पंचायत और स्थानीय स्तर पर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए खेल क्लबों को उपकरण खरीदने के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई की समीक्षा की गई। इसके अलावा राजगीर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण कार्य को निर्धारित समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया। पटना समेत अन्य स्थानों पर खेल परिसरों को पीपीपी मोड में संचालित करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार में खेल अवसंरचना का विकास और खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को जवाबदेही तय करते हुए सभी योजनाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के कार्यों को तेजी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का मुख्यमंत्री ने दिया निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' के तहत निर्धारित कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी मुख्यमंत्री को दी। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि आवश्यकतानुसार नए स्वास्थ्य उप-केंद्र भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए प्रतीक्षालय और बैठने की व्यवस्था की जा रही है तथा लोगों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क की स्थापना भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर अभियान के तहत निर्धारित कार्यों को तेजी से और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करें। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें तथा कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दें। मुख्यमंत्री ने विद्यालयों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालयों में रंग-रोगन, चहारदीवारी निर्माण तथा अन्य मरम्मती कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। विद्यालयों में बेहतर शौचालय, शुद्ध पेयजल, बिजली एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यकता हो, वहां अतिरिक्त वर्ग-कक्षों का निर्माण कराया जाए। साथ ही, भवनविहीन विद्यालयों में विद्यालय भवन का निर्माण कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य में भी तेजी लाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, अनुमंडल स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि इलाज के लिए आने वाले मरीजों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता, आवश्यक सुविधाओं एवं मरीजों की सहूलियत पर विशेष ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने बस अड्डों की साफ-सफाई और सौंदर्गीकरण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोग बस अड्डों से आवागमन करते हैं। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र चालू कराने तथा आवश्यकता के अनुसार नई स्ट्रीट लाइटें लगवाने का निर्देश दिया। उन्होंने सार्वजनिक नलकूपों की समुचित मरम्मत कराने और उन्हें पूरी तरह क्रियाशील बनाए रखने को भी कहा, ताकि लोगों को इसका समुचित लाभ मिल सके।

जमाबंदी सुधार अभियान में तेजी लाने का निर्देश, जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेने पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने जमाबंदी में त्रुटियों के सुधार, मृत रैयतों के उत्तराधिकार नामांतरण और लंबित राजस्व मामलों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि 45 दिवसीय विशेष जमाबंदी सुधार अभियान की नियमित निगरानी की जाए और इसकी सफलता के लिए पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर गांवों का सही डेटा जुटाया जाए। मंत्री शुक्रवार को पटना के शास्त्रीनगर स्थित राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान में सभी जिलों के अपर समाहर्ताओं (राजस्व) के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने दाखिल-खारिज के लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में निष्पादन करने, भूमि अभिलेखों की त्रुटियां दूर करने और राजस्व महा-अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों को भी मौजूदा सुधार अभियान में निपटाने का निर्देश दिया। साथ ही अभियान बसेरा के अधूरे आवेदनों को पूरा कराने के लिए फार्म उपलब्ध कराने और विकास मित्रों की मदद लेने को कहा। मंत्री ने डीसीएलआर और अंचल अधिकारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा कर जवाबदेही तय करने तथा सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में तेजी लाने पर भी जोर दिया। विभाग के सचिव जय सिंह ने ई-मापी के लंबित मामलों के निष्पादन के लिए उपलब्ध कराए गए सर्वे अमीनों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया। वहीं, सचिव सीमा त्रिपाठी ने भू-अभिलेखों की स्कैनिंग प्राथमिकता के आधार पर पूरी करने और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा।

बिहार विधान सभा के अध्यक्ष की अध्यक्षता में परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

» बिहार विधान सभा परिसर में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन के अधिष्ठापन, गयाजी में इलेक्ट्रिक बस सेवा प्रारंभ करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श

पटना। शुक्रवार को बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बिहार विधान सभा परिसर में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन के अधिष्ठापन, गयाजी में इलेक्ट्रिक बस सेवा प्रारंभ करने तथा विभाग से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस महीने के अंत तक विधान सभा परिसर में ईवी (EV) चार्जिंग स्टेशन का अधिष्ठापन कर दिया जाएगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि गयाजी बस स्टैंड में अंतर्राज्यीय मल्टी-फ्लोर बस स्टैंड का निर्माण किया जाएगा, जिसमें भूतल पर पार्किंग, प्रथम एवं द्वितीय तल पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा तीसरे से सातवें तल तक होटल एवं मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल का प्रावधान होगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का कार्य दो वर्षों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा और इसका टेंडर जल्द ही जारी किया जाएगा। इसके अलावा, नगर निगम, नगर पंचायत और ग्राम पंचायत के बस स्टैंडों का भी सौंदर्यीकरण किया जाएगा, जहां यात्रियों के लिए पेयजल, यात्री शेड, शौचालय और संपर्क सड़क जैसी बुनियादी जनसुविधाएं सुनिश्चित की जाएँगी। परिवहन विभाग द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि यात्रियों की सुविधा, टिकटिंग और बसों की लाइव ट्रैकिंग के लिए जल्द ही 'व्हेयर इज माई बस' (Where is My Bus) मोबाइल ऐप विकसित किया जाएगा, जिससे आवागमन की समस्त जानकारियां एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिल सकेंगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गयाजी सहित बिहार के 31 स्थानों पर पीपी मोड के तहत बस स्टैंड आधुनिकरण कर यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा गयाजी को नवंबर महीने में 125 EV बस की सौगात मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में 4 पहिया EV गाडी खरीद पर महिलाओं को 1 लाख सब्सिडी दी जाएगी। अध्यक्ष ने नगर विकास आवास विभाग द्वारा नगर निगम,नगर परिषद,नगर पंचायत एवं 31 स्थानों के अलावा परिवहन निगम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज विभाग द्वारा प्रखंडों में यात्रियों के बुनियादी सुविधा पेयजल, शौचालय,शेड ,सड़क ,रौशनी, हरियाली की सुविधा हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष ने परिवहन विभाग द्वारा महिलाओं के लिए विशेष रूप से संचालित पिंक बसों एवं अन्य नवाचारों और यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। इस बैठक में परिवहन विभाग के सचिव राज कुमार, राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन एवं परिवहन विभाग के वरीय पदाधिकारीगण तथा सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

युवाओं में उद्यमिता का अलख जगाने शुरुकर : श्रद्धा शर्मा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार की रहनेवाली नये विचारों की प्रेरक श्रद्धा शर्मा ने पनाश कौटिल्य में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बेहद खुशी और गर्व का विषय है कि बिहार की धरती से एक ऐसी पहल की शुरुआत होने जा रही है, जिसका उद्देश्य युवाओं के भीतर उद्यमिता की अलख जगाना, उनके विचारों को सही दिशा देना और उन्हें नौकरी तलाशने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनाना है।शुरूकर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को हकीकत में बदलने की एक नई उम्मीद है। पहल की शुरुआत सुश्री श्रद्धा शर्मा के नेतृत्व में बिहार से हो रही है। इसका उद्देश्य युवाओं के भीतर छिपी प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमशीलता की भावना को पहचानना और उनके व्यावसायिक विचारों को एक सफल स्टार्टअप या व्यवसाय में बदलने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना है। **बिहार से ही क्यों**?: बिहार प्रतिभा, मेहनत और संभावनाओं से भरी हुई भूमि है। यहां के युवाओं में क्षमता की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो बस सही मार्गदर्शन, उचित अवसर, मेंटरशिप और अपने विचारों पर काम करने के लिए एक मजबूत मंच की। आज बिहार के हजारों युवा बेहतर अवसरों की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन करते हैं। हमारा मानना है कि बिहार का भविष्य तभी बदलेगा, जब यहां के युवा केवल रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले बनेंगे। अगर बिहार का युवा अपने गांव, अपने शहर और अपने राज्य में रहकर एक सफल उद्यम खड़ा कर सके, दूसरों को रोजगार दे सके और स्थानीय समस्याओं का समाधान कर सके, तो यह बिहार के आर्थिक और सामाजिक विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान होगा। **शुरूकर की भूमिका क्या होगी**?:शुरूकर का प्रयास है कि युवाओं के नए विचारों को सही दिशा मिले और उन्हें आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोग प्राप्त हो। इसके अंतर्गत युवाओं को मेंटरशिप, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, उद्यमिता संबंधी समझ और संभावित निवेश के अवसरों से जोड़ने की दिशा में काम किया जाएगा। हम चाहते हैं कि बिहार का कोई भी प्रतिभाशाली युवा केवल संसाधनों या मार्गदर्शन की कमी के कारण अपने विचार को अधूरा छोड़ने के लिए मजबूर न हो। हमारा विश्वास है कि आज का एक छोटा-सा विचार कल एक बड़ा व्यवसाय बन सकता है, सैकड़ों लोगों को रोजगार दे सकता है और समाज की किसी गंभीर समस्या का समाधान भी बन सकता है। हम ऐसा बिहार बनाना चाहते हैं, जहां युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए केवल राज्य से बाहर जाने का विकल्प न चुनना पड़े। जहां छोटे शहरों और गांवों से भी बड़े विचार जन्म लें। जहां युवा समस्याओं को अवसर में बदलें और अपने साथ-साथ समाज को भी आगे बढ़ाएं। **हमारा संदेश स्पष्ट है** — बिहार का युवा केवल नौकरी मांगने वाला नहीं, नौकरी देने वाला भी बन सकता है। शुरूकर इसी सोच को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें उम्मीद है कि बिहार के युवा, शैक्षणिक संस्थान, उद्यमी, विशेषज्ञ और समाज के सभी जिम्मेदार नागरिक इस पहल से जुड़ेंगे और मिलकर एक उद्यमशील, आत्मनिर्भर और विकसित बिहार के निर्माण में योगदान देंगे। आइए, मिलकर एक ऐसे बिहार की शुरुआत करें, जहां हर अच्छे विचार को अवसर मिले, हर प्रतिभा को मार्गदर्शन मिले और हर युवा को आगे बढ़ने का विश्वास मिले।

आईएमसी 2026 के उद्घाटन दिवस पर 6जी, सैटेलाइट कनेक्टिविटी और एआई-नेटिव नेटवर्क पर रणनीतिक चर्चा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 के 10वें संस्करण का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आधिकारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर वैश्विक उद्योग जगत के दिग्गजों, नीति निर्माताओं, दूरसंचार ऑपरेटरों और शिक्षाविदों ने 'बिना सीमाओं के विस्तार' थीम के तहत 6जी टेस्टबेड्स, डायरेक्ट-टु-डिवाइस सैटेलाइट कनेक्टिविटी और एआई-नेटिव डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने तकनीक, अनुसंधान, उद्योग और निवेश को एकजुट करने में आईएमसी की भूमिका की सराहना की तथा भारत के तकनीक उपभोक्ता से वैश्विक निर्माता बनने की यात्रा को रेखांकित किया। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यूपीआई, आधार और डिजीलॉकर जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म किफायती कनेक्टिविटी और व्यापक डिजिटल समावेशन की क्षमता दर्शाते हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि स्थान और आय किसी व्यक्ति के अवसरों को सीमित न करें। आईएमसी के सीईओ रामकृष्ण पी. ने कहा कि आईएमसी अब केवल तकनीक प्रदर्शित करने का मंच नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल प्रगति का प्रतिबिंब बन चुका है। उन्होंने भारतीय नवाचारों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने और मंच को अधिक परिणामोन्मुख बनाने पर जोर दिया। दूरसंचार विभाग और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) द्वारा आयोजित इस संस्करण में 100 से अधिक देशों से 1.5 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी हो रही है। कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों ने एआई-आधारित इंटेलिजेंट नेटवर्क, सैटेलाइट कनेक्टिविटी के लिए उपयुक्त नियामकीय ढांचे, तकनीकी एकीकरण और दूरदराज के सीमावर्ती एवं पहाड़ी क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी पहुंचाने की जरूरत पर भी प्रकाश डाला। वक्ताओं ने भारत के मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को भविष्य की कनेक्टिविटी, एआई और 6जी तकनीकों के विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने सैमसंग वीक 2026 का ऐलान किया

पटना।सैमसंग इंडिया ने सैमसंग वीक 2026 की शुरुआत की घोषणा की। यह खास शॉपिंग फेस्टिवल स्मार्टथिंग्स के जरिए गैलेक्सी एआई, बीस्पोक एआई और विजन एआई को एक साथ जोड़ते हुए सैमसंग के कनेक्टेड एआई इकोसिस्टम को पेश करता है। इसमें सैमसंग के अलग-अलग प्रोडक्ट्स पर खास ऑफर्स और फायदे मिलेंगे। जिसमें सैमसंग डॉट कॉम,सैमसंग शॉप एप्प और सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर उपलब्ध सैमसंग वीक में स्मार्टफोन्स, टैबलेट्स, लैपटॉप्स, वियरेबल्स, एक्सेसरीज, टीवी, मॉनिटर्स और डिजिटल अप्लायंसेज पर 31 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक की छूट के साथ 25000 रुपये तक का कैशबैक भी मिलेगा। सैमसंग वीक 2026 के तहत ग्राहक बेहतर वारंटी के फायदे भी पा सकते हैं। योग्य प्रोडक्ट्स पर एक साल की एक्सटेंडेड वारंटी के साथ बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के दो साल की अतिरिक्त वारंटी दी जा रही है। इस दौरान योग्य ग्राहक चुनिंदा गैलेक्सी डिवाइसेज को अपग्रेड करते समय सबसे अधिक ऑनलाइन एक्सचेंज वैल्यू और किसी भी स्थिति में एक्सचेंज की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

टाटा एआईए का 'वाइटैलिटी' प्रोग्राम लॉन्च, स्वस्थ आदतों पर मिलेंगे रिवॉर्ड्स

पटना। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए अपने वेलनेस प्रोग्राम 'टाटा एआईए वाइटैलिटी' को नए स्वरूप में पेश किया है। इसका उद्देश्य लोगों को नियमित व्यायाम, बेहतर नींद और समय पर स्वास्थ्य जांच जैसी आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कंपनी के अनुसार, वैज्ञानिक शोध में स्वस्थ आदतों से जीवन प्रत्याशा पांच साल तक बढ़ने की संभावना सामने आई है। हालांकि, यह व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवनशैली पर निर्भर करता है। इस प्रोग्राम के तहत सदस्य रोजाना 5,000 कदम चलने, वर्कआउट और स्वास्थ्य जांच जैसी गतिविधियों के जरिए अंक अर्जित कर सकते हैं। ब्रॉन्ज, सिल्वर, गोल्ड और प्लैटिनम स्तरों के आधार पर उन्हें विभिन्न रिवॉर्ड्स और नवीनीकरण प्रीमियम पर छूट मिल सकती है। डेकाथलॉन, प्यूमा और अन्य साझेदारों के उत्पादों एवं फिटनेस सेवाओं पर भी छूट का प्रावधान है। कंपनी के चीफ बिजनेस ऑफिसर सुजीत कोठारे ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य बीमा सुरक्षा के साथ बीमारी से बचाव और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देना है। प्रोग्राम में स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों की निगरानी, नियमित जांच और व्यक्तिगत वेलनेस मार्गदर्शन पर भी जोर दिया गया है।

जेपी की 124वीं जयंती 11 अक्टूबर को मनाई जाएगी

हाजीपुर।लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 124वीं जयंती 11 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे हाजीपुर के औद्योगिक क्षेत्र स्थित जेपी इवनिंग कॉलेज परिसर में मनाई जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत जेपी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगी। इसके बाद कॉलेज सभागार में आयोजित समारोह में उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की जाएगी। सर्व जन समाज मंच के जिला संयोजक एवं पूर्व मुखिया दीपक कुमार सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम में मंच के संयोजक संजय वर्मा मुख्य वक्ता, समाजवादी विचारक ठाकुर इंदुभूषण सिंह मुख्य अतिथि और पूर्व विधायक डॉ. विनोद यादव विशिष्ट अतिथि होंगे। अध्यक्षता एवं संचालन जेपी सेनानी, कवि-साहित्यकार रवींद्र कुमार रतन करेंगे। आयोजकों के अनुसार, समारोह में करीब 150 से 200 लोगों के शामिल होने की संभावना है।

पटना स्नातक व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 37 उम्मीदवार मैदान में

» नामांकन पत्रों की संवीक्षा पूरी, स्नातक क्षेत्र में 18 और शिक्षक क्षेत्र में 19 प्रत्याशियों के पर्चे वैध

फतुहा।बिहार विधान परिषद के पटना स्नातक एवं पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में नामांकन पत्रों की संवीक्षा के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 37 उम्मीदवारों के नामांकन वैध पाए गए हैं। इनमें पटना स्नातक क्षेत्र के 18 और पटना शिक्षक क्षेत्र के 19 उम्मीदवार शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 22 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था, जिनमें चार के पर्चे रद्द कर दिए गए। वहीं, पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 24 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था, जिनमें पांच के पर्चे रद्द हुए। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के असद उल्लाह खान, राजद के दिलीप कुमार, जदयू के नीरज कुमार, आम आदमी पार्टी के हिमांशु कुमार और जन सुराज पार्टी के अनुशु सिंह सहित अन्य प्रत्याशी मैदान में हैं। वहीं, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के प्रो. नवल किशोर यादव, कांग्रेस के संजय कुमार, राजद के डॉ. संजीव कुमार और जन सुराज की दिव्या ज्योति सहित अन्य उम्मीदवार चुनावी मुकाबले में हैं। दोनों सीटों पर राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के साथ निर्दलीय उम्मीदवार भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव में शिक्षकों की समस्याएं, शिक्षा व्यवस्था, रोजगार और स्नातक मतदाताओं से जुड़े मुद्दे अहम हो सकते हैं। नामांकन की संवीक्षा पूरी होने के बाद अब उम्मीदवारों की निगाहें चुनाव प्रचार और मतदाताओं के समर्थन पर टिकी हैं।

राहुल गांधी के बब्बर शेर, मीडिया में मजबूती से पार्टी का पक्ष रखें प्रवक्ता : राजेश राम

» मीडिया नैरेटिव से इतर जनहित में पार्टी के मुद्दों को उठाना प्रवक्ता की प्रमुख जिम्मेदारी : अल्लावरू

पटना।बिहार प्रदेश कांग्रेस ने टैलेंट हंट द्वारा चयनित प्रवक्ताओं एवं मीडिया पैनलिस्टों की एक मीटिंग आयोजित की। मीटिंग की अध्यक्षता पार्टी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष अजय कुमार पासवान ने किया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम एवं बिहार प्रदेश के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू उपस्थित रहे।इस मौके पर प्रवक्ताओं एवं मीडिया पैनलिस्टों को संबोधित करते हुए पार्टी के बिहार प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि वर्तमान समय में प्रवक्ताओं की भूमिका अति महत्वपूर्ण एवं चुनौती पूर्ण है। जिस प्रकार से मीडिया में सत्ताधारी दल बीजेपी द्वारा भ्रामक नैरेटिव गढ़ा जा रहा है, उससे इतर पार्टी के पक्ष को मीडिया में मजबूती से रखना प्रवक्ताओं की प्रमुख जिम्मेदारी है।इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने प्रवक्ताओं का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि हम राहुल गांधी के बब्बर शेर है। किसी से डरेंगे नहीं। प्रवक्ता भयमुक्त होकर मीडिया में पार्टी का पक्ष रखें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मीडिया विभाग के अध्यक्ष श्री अजय कुमार पासवान ने प्रवक्ताओं को आपसी समन्वय के साथ काम करने की सलाह दी। ताकि मजबूती से जनता के बीच पार्टी का पक्ष रखा जाय।मीटिंग में अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव , मीडिया संयोजक असित नाथ तिवारी , मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन ज्ञान रंजन , पंकज यादव एवं जोनल मीडिया कॉर्डिनेटर अमित कुमार सहित सभी प्रवक्ता एवं पैनलिस्ट मौजूद थे।

दिल्ली के कलाकार करेंगे रामलीला, 90 फीट का रावण भी दिखेगा

नई सोच एक्सप्रेस

» 1955 से चली आ रही परंपरा का 71वां वर्ष, 20 अक्टूबर को होगा रावण का दहन

पटना।श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट, पटना की ओर से गांधी मैदान में आयोजित होने वाले श्री रामलीला महोत्सव-2026 की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शुक्रवार को गांधी मैदान के मुख्य मंच के समीप आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने महोत्सव की तैयारियों, कार्यक्रमों और प्रमुख आकर्षणों की जानकारी दी।ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा कि वर्ष 1955 से चली आ रही परंपरा का यह 71वां वर्ष है। इस बार श्री रामलीला महोत्सव को भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। 11 से 21 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस महोत्सव में दिल्ली के सांस्कृतिक कला संगम के कलाकार रामलीला का मंचन करेंगे। आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, परंपरा और भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है। ट्रस्ट के चेयरमैन कमल नोपानी ने बताया कि श्री रामलीला महोत्सव का शुभारंभ 11 अक्टूबर को शाम 4 बजे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार करेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि रामलीला जैसे सांस्कृतिक आयोजन बेहतर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ट्रस्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश नंदन ने कहा कि 11 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक शाम 4:00 बजे से रामलीला होगा। शाम 6:00 बजे से दशहरा महोत्सव के तहत भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जिसमें देश के कई चर्चित कलाकार शामिल होंगे। वहीं 15 अक्टूबर से रामलीला का मंचन शाम 6:00 बजे से शुरू होगा। इस वर्ष रावण का पुतला 90 फीट ऊंचा होगा। मेघनाथ 85 और कुम्भकर्ण 80 फीट के होंगे । रामलीला महोत्सव के संयोजक आशु गुप्ता ने बताया कि दिल्ली के सांस्कृतिक कला संगम के कलाकार विभिन्न प्रसंगों की प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि 20 अक्टूबर को रावण दहन और 21 अक्टूबर को भरत मिलाप का आयोजन किया जाएगा। रावण दहन कार्यक्रम के संयोजक मनीष सिन्हा ने कहा कि इस बार आगरा के अनुभवी कलाकार रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का निर्माण कर रहे हैं। 20 अक्टूबर को शाम 4:00 बजे रावण दहन कार्यक्रम की शुरुआत होगी। रावण दहन इस बार अपने आतिशबाजी के कारण भी आकर्षण के केंद्र में है। शिशिर कुमार और डॉ. अजय प्रकाश के संयोजन में मां पटन देवी के विग्रह को गांधी मैदान मुख्य पंडाल के पास प्रतिस्थापित किया जा रहा है। इन्होंने ने बताया कि इस बार गांधी मैदान में भक्तजन मां पटन देवी का दर्शन पूजन कर सकेंगे।ट्रस्ट के महासचिव प्रिंस कुमार राजू ने कहा कि महोत्सव की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी, सदस्य और युवा कार्यकर्ता आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने में जुटे हैं। कोषाध्यक्ष डॉ धनंजय कुमार ने कहा कि समाज के सहयोग से यह परंपरा जारी है। भारतीय संस्कृति की इस गौरवशाली परंपरा का हिस्सा सबको बनना चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सुजय सौरभ एवं आर.सी. मल्होत्रा, सुषमा साहू, गोपाल कृष्ण, सुरेंद्र प्रसाद, सुरेश मल्होत्रा, इंजीनियर प्रमोद गुप्ता, दिनेश अरोड़ा, रामलीला के सह-संयोजक राजेश बजाज,आर्य नंदन, संजय राय तथा रावण दहन के सह-संयोजक बी.बी. वर्मा एवं नीरज गांधी सहित कई अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

वैशाली में 16 महीने में 444 हादसे, 464 लोगों की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

» सड़क सुरक्षा के लिए कांग्रेस ने उठाई आवाज, आंदोलन की चेतावनी

हाजीपुर। वैशाली जिले में सड़क दुर्घटनाओं के भयावह आंकड़ों पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष रंजीत पंडित और मो. सद्दाम हुसैन ने चिंता जताई है। उन्होंने वरीय पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा से मिलकर तथा जिलाधिकारी और जिला परिवहन पदाधिकारी को पत्र देकर सड़क सुरक्षा के ठोस उपाय करने की मांग की। रंजीत पंडित के अनुसार, यातायात थाना हाजीपुर से मिली आधिकारिक सूचना के मुताबिक, 12 अप्रैल 2025 से जुलाई 2026 तक 444 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 464 लोगों की मौत और 44 लोग घायल हुए। कांग्रेस नेताओं ने हाजीपुर-जंदाहा, हाजीपुर-महनार, हाजीपुर-महुआ और हाजीपुर-लालगंज मार्गों का सुरक्षा ऑडिट, संकीर्ण सड़कों का चौड़ीकरण, जर्जर सड़कों की मरम्मत तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर जाम से निजात दिलाने की मांग की। उन्होंने ब्लैक स्पॉट चिह्नित करने, अतिक्रमण व अवैध पार्किंग हटाने और रोड मार्किंग व रोशनी की व्यवस्था करने पर भी जोर दिया। मो. सद्दाम हुसैन ने दुर्घटनाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए पिछले 10-20 वर्षों के आंकड़े जुटाने की मांग की। नेताओं ने चेतावनी दी कि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस जनहित में आंदोलन करेगी।

सागरमंथन 2026: भारत ने वैश्विक समुद्री साझेदारी, हरित परिवहन और युवा सशक्तिकरण पर दिया जोर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सागरमंथन-द ग्रेट ओशन्स डायलॉग 2026 के दूसरे दिन केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सऊदी अरब, बेल्जियम और भूटान के साथ द्विपक्षीय बैठकें कर बंदरगाह विकास, जहाज निर्माण, हरित परिवहन और समुद्री प्रशिक्षण में सहयोग पर चर्चा की। वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने ग्रीस, लिथुआनिया, मोजाम्बिक और म्यांमार के प्रतिनिधियों के साथ समुद्री संपर्क, बंदरगाहों और जहाजरानी क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाशीं। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक समुद्री क्षेत्र में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में उभरा है। सऊदी अरब के साथ भारतीय बंदरगाह परियोजनाओं में निवेश, जहाज निर्माण और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर चर्चा हुई। बेल्जियम के साथ हरित शिपिंग कॉरिडोर, स्मार्ट पोर्ट तकनीक और हरित ईंधन पर सहयोग की संभावनाएं तलाशी गईं। वहीं, भूटान के साथ राष्ट्रीय जलमार्ग-2 और जोगीघोपा टर्मिनल के माध्यम से व्यापारिक संपर्क बढ़ाने तथा युवाओं को समुद्री प्रशिक्षण देने पर विचार किया गया। सम्मेलन में युवाओं और महिलाओं की समुद्री क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया। सोनोवाल ने बताया कि भारतीय नाविकों की संख्या पिछले 12 वर्षों में 1.27 लाख से बढ़कर 3.23 लाख हो गई है। भारत अब दुनिया में नाविकों का दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और वैश्विक नाविक कार्यबल में उसकी हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से अधिक है। सक्रिय महिला नाविकों की संख्या भी 2021 में 1,599 से बढ़कर 2025 में 7,033 हो गई है। सरकार का लक्ष्य मिशन 2030 के तहत इस हिस्सेदारी को 20 प्रतिशत तक पहुंचाना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोनोवाल ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश के बंदरगाहों की वार्षिक क्षमता 1,561 मिलियन टन से बढ़कर 2,817 मिलियन टन हो गई है। इसी अवधि में माल ढुलाई 1,052 मिलियन टन से बढ़कर 1,668 मिलियन टन और अंतर्देशीय जलमार्गों से माल परिवहन 29 मिलियन टन से बढ़कर 218 मिलियन टन हो गया है। कंटेनर जहाजों का औसत टर्नअराउंड समय भी 35 घंटे से घटकर 23 घंटे रह गया है। उन्होंने हरित हाइड्रोजन, अमोनिया और मेथनॉल के उत्पादन को बढ़ावा देकर भारतीय बंदरगाहों को हरित ईंधन केंद्र बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि भारत सुरक्षित समुद्र, स्वच्छ परिवहन और साझा समृद्धि के लिए दुनिया के देशों के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। सम्मेलन में समुद्री क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित बंदरगाह, जहाज निर्माण, वैश्विक व्यापार और महिला-युवा सशक्तिकरण जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई।

इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने प्रभात कुमार सिन्हा को बनाया बिहार स्टेट काउंसिल का चेयरमैन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (ICC) ने श्री प्रभात कुमार सिन्हा को ICC बिहार स्टेट काउंसिल का चेयरमैन नियुक्त किया है। इसकी घोषणा ICC के प्रेसिडेंट श्री पार्थिव नियोटिया ने कोलकाता में आयोजित चैंबर की वार्षिक आमसभा (AGM) के दौरान की। श्री प्रभात कुमार सिन्हा को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए श्री पार्थिव नियोटिया ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में बिहार में औद्योगिक एवं कारोबारी वातावरण, निवेश के अवसरों तथा उद्योग और सरकार के बीच समन्वय को और मजबूती मिलेगी। श्री प्रभात कुमार सिन्हा लंबे समय से बिहार में उद्योग, सरकार और नीतिगत मामलों से जुड़े रहे हैं। उन्हें औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन, आईटी एवं टेक्नोलॉजी, एमएसएमई, उद्यमिता तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे क्षेत्रों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है। **इस अवसर पर श्री प्रभात कुमार सिन्हा ने कहा:** "बिहार आर्थिक और औद्योगिक परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। हमारा प्रयास उद्योग और सरकार के बीच सेतु को और मजबूत करना, निवेश को बढ़ावा देना, उद्यमिता एवं स्टार्टअप को प्रोत्साहित करना तथा राज्य में रोजगार और सतत आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा करना होगा।" **ICC बिहार स्टेट काउंसिल का पुनर्गठन:** श्री प्रभात कुमार सिन्हा के साथ बिहार स्टेट काउंसिल की विभिन्न प्रमुख समितियों का नेतृत्व करने के लिए उद्योग एवं पेशेवर जगत से जुड़े सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

- श्री उदयन सिंह – चेयरमैन, आईटी, स्टार्टअप एवं एमएसएमई समिति; निदेशक, Banka Silk Pvt. Ltd.
- सुश्री अनामिका आनंद

गांधी मैदान में 'कला कृषि उद्यम मेला' का भव्य समापन: अंतिम दिन उमड़ा जनसैलाब, कुल बिक्री 1 करोड़ रुपये के पार

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रतिभागियों और शिल्पकारों ने आयोजन की जमकर की सराहना, आगे भी ऐसे आयोजन की उठाई मांग
» कारीगरों और एमएसएमई उद्यमियों ने आयोजकों के प्रति जताया विशेष आभार
» दशहरा व फेस्टिव शॉपिंग में पटना वासियों ने दिखाया अभूतपूर्व उत्साह; जूट, खादी व हैंडीक्राफ्ट्स की रही भारी मांग

पटना।राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 23 सितंबर से आयोजित 17 दिवसीय कला कृषि उद्यम मेला – पटना का आज अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में भव्य समापन हो गया। मेले के अंतिम दिन शुक्रवार को खरीदारी के लिए पटना और आसपास के क्षेत्रों से दर्शकों एवं ग्राहकों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। आयोजन समिति द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस पूरे मेले के दौरान कुल व्यापार (कुल बिक्री) का आंकड़ा 1 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। त्योहारों के इस मौसम में पटना वासियों के जबर्दस्त समर्थन से देश भर से आए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों बुनकरों और शिल्पकारों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। मेले में भाग लेने वाले विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों और कारीगरों ने इस आयोजन की जमकर सराहना की। प्रतिभागियों का कहना था कि पटना का बाजार उनके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहा, जहां उन्हें सीधे ग्राहकों से जुड़ने और अपनी कला का उचित मूल्य प्राप्त करने का शानदार मंच मिला। सभी प्रतिभागियों ने आयोजन समिति को बेहतरीन व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा मांग की कि राजधानी पटना में इस तरह के भव्य मेलों का आयोजन आगे भी नियमित रूप से कराया जाए। उल्लेखनीय है कि यह मेला केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार की प्रोक्योरमेंट एंड मार्केटिंग सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत और राष्ट्रीय पटसन बोर्ड (वस्त्र मंत्रालय) के सह-प्रायोजन में आयोजित किया गया था। मेले में लगे एम एस एम ई के 60 स्टॉलों, राष्ट्रीय पटसन बोर्ड के 20 जूट स्टॉलों और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के ऑर्गेनिक शहद व मखाना स्टॉलों ने रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की। इसके साथ ही बच्चों के झूले, जंपिंग और खान-पान के स्टॉलों ने इसे सपरिवार आनंद लेने का एक बेहतरीन केंद्र बनाए रखा। समापन अवसर पर आयोजन समिति ने मेले को सफल बनाने के लिए सभी मीडिया बंधुओं, प्रशासन, प्रतिभागी उद्यमियों और विशेष रूप से पटना की जागरूक जनता का हृदय से आभार और धन्यवाद व्यक्त किया।

स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराएगा स्वास्थ्य विभाग : निशांत

नई सोच एक्सप्रेस

» 7,348 स्टाफ नर्सों की पदस्थापना पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने दी बधाई

पटना।बिहार तकनीकी सेवा आयोग (बीटीएससी) की अनुशंसा पर चयनित 7,348 स्टाफ नर्सों की पदस्थापना पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी नवनियुक्त स्टाफ नर्सों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। बता दें कि स्टाफ नर्सों में 4,888 महिला एवं 2,460 पुरुष अभ्यर्थी शामिल हैं, जो एक माह के अंदर राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों, जिला अस्पतालों, अनुमंडलीय अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में अपनी सेवाएं प्रारंभ करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि यह नियुक्ति न केवल स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, बल्कि बिहार में नौकरी एवं रोजगार की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके लिए हमारी सरकार और हमारा विभाग कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराकर आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध इलाज सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर नियुक्ति के साथ-साथ हम आवश्यकतानुसार नए पदों के सृजन की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं, जिसका लाभ बिहार के युवाओं को मिलेगा।निशांत ने सभी नवनियुक्त स्टाफ नर्सों के लिए जारी अपने संदेश में कहा कि आप निश्चिंत होकर अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। आपके हितों का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है।

टीवीएस मोटर ने यूरोप में शुरू की ग्लोबल मोटरसाइकिल यात्रा, मिसानो में टीआरआईसी का डेब्यू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। टीवीएस मोटर कंपनी ने इटली के मिसानो एड्रियाटिको स्थित मिसानो वर्ल्ड सर्किट में टीवीएस रेसिंग इंटरनेशनल चैंपियनशिप (टीआरआईसी) के यूरोपीय डेब्यू के साथ अपनी वैश्विक मोटरसाइकिल यात्रा को नई गति दी है। 2 से 4 अक्टूबर तक आयोजित इस चैंपियनशिप में चार महाद्वीपों के 12 देशों के 14 रेसर्स ने रेस-स्पेक टीवीएस अपाचे आरआर 310 पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। टीआरआईसी की शुरुआत वर्ष 2022 में एशिया-केंद्रित चैंपियनशिप के रूप में हुई थी। मलेशिया, थाईलैंड, जापान और इंडोनेशिया जैसे देशों में आयोजन के बाद अब इटली में इसकी शुरुआत कंपनी के वैश्विक विस्तार की दिशा में अहम कदम है। टीवीएस मोटर कंपनी की मौजूदगी 90 से अधिक अंतरराष्ट्रीय बाजारों में है। कंपनी रेसिंग, इंजीनियरिंग और प्रोडक्ट इनोवेशन के जरिए वैश्विक मोटरसाइकिल बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। टीवीएस मोटर कंपनी के प्रीमियम बिजनेस हेड विमल सुम्बली ने कहा कि टीआरआईसी का यूरोप पहुंचना कंपनी की वैश्विक रेसिंग यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। भारत में शुरू हुई यह चैंपियनशिप अब अंतरराष्ट्रीय मंच बन चुकी है। यूरोप में इसका विस्तार कंपनी की रेसिंग विरासत, इंजीनियरिंग क्षमता और विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा में भागीदारी की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। उन्होंने इसे 'ट्रैक टू रोड' की सोच का उदाहरण बताया। टू व्हील्स मोटर रेसिंग के प्रमोशन डायरेक्टर रॉन हॉग और इटली की फेडेराजियोने मोटोसाइक्लिस्टिका इटालियाना के स्पोर्टिंग डायरेक्टर सिमोन फोल्गोरी ने भी यूरोप में चैंपियनशिप के आयोजन का स्वागत किया। उनके अनुसार, इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टीआरआईसी की पहचान और रेसिंग प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने के अवसर बढ़ेंगे।

सब्जी व फल मंडियों में हड़ताल, दानापुर छावनी परिषद को निजी एजेंसी को ठेका देने का किया विरोध

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। छावनी परिषद क्षेत्र में सब्जी और फल मंडियों का निजी एजेंसी को ठेका देने और बाजार की नीलामी के विरोध में दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखकर हड़ताल किया है। शुक्रवार को छावनी परिषद द्वारा बाजार की नीलामी और संचालन का ठेका निजी एजेंसी को सौंपे जाने का विरोध जताते हुए जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल दुकानदारों ने बताया कि बाजार वर्षों से बिना नीलामी के सुचारू रूप से चल रहा है। वे छावनी परिषद के निर्देशानुसार शुल्क भी जमा करते रहे हैं। ऐसे में बाजार को निजी एजेंसी के हाथों सौंपने और उनके ठेकेदार के आने से मनमानी वसूली बढ़ सकती है, जिससे गरीब फुटपाथी दुकानदारों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो सकता है। इसका असर सब्जियों और फलों की कीमतों पर भी पड़ने की आशंका है। उन्होंने छावनी परिषद के अधिकारियों से बाजार को ठेके पर देने के फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है। वही मंडी में मौजूद आलू के थोक कारोबारी ओमप्रकाश राय ने कहा कि छावनी परिषद अपने कर्मचारियों के माध्यम से पहले की तरह शुल्क वसूले, तो दुकानदारों को कोई आपत्ति नहीं होगी। इस हड़ताल के तहत पेठिया बाजार स्थित मुख्य सब्जी मंडी, फल मंडी के दुकानदारों ने अपनी दुकानें पूरी तरह बंद रखीं। इसके कारण फल और सब्जियां खरीदने पहुंचे आम ग्राहकों को बेरंग वापस लौटना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

सिंटेक्स ने लॉन्च किया 50 साल की वारंटी वाला वॉटर टैंक

पूर्णिया। सिंटेक्स ने 50 साल की वारंटी के साथ अपना नया वॉटर टैंक 'एटर्नो' लॉन्च किया है। कंपनी के अनुसार, यह भारत में अपनी श्रेणी का पहला उत्पाद है, जिस पर इतनी लंबी वारंटी दी जा रही है। 100 प्रतिशत फूड-ग्रेड वर्जिन प्लास्टिक से निर्मित इस टैंक में पानी को स्वच्छ रखने के लिए एक्टिव सिल्वर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। यह तकनीक शैवाल, फंगस और बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्मजीवों की वृद्धि रोकने में मदद करती है। टैंक को यूवी किरणों और प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों का सामना करने के लिए भी तैयार किया गया है। कंपनी के मुताबिक, एटर्नो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है और NSF 61 व NSF 372 प्रमाणन प्राप्त है। इसकी हैवी-ड्यूटी संरचना पारंपरिक टैंकों की तुलना में करीब 1.5 गुना अधिक भारी है। सिंटेक्स एंड वेलस्पन बीएपीएल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक यशोवर्धन अग्रवाल ने कहा कि एटर्नो को बेहतर स्वच्छता, मजबूती और लंबे समय तक भरोसेमंद प्रदर्शन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

दुर्गा पूजा को लेकर सुगौली जीआरपी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

मोतिहारी। सुगौली रेलवे थाना परिसर में शुक्रवार को दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जीआरपी थानाध्यक्ष विजय झा ने की। बैठक में रेलवे परिसर में आयोजित होने वाली दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि पूजा स्थल एवं रेलवे परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे, ताकि मां दुर्गा के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। साथ ही पूजा के दौरान शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। बैठक में वार्ड संख्या छह के वार्ड पार्षद, पूजा समिति के अध्यक्ष राजा सिंह, स्टेशन मास्टर आलोक कुमार, मनोज सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

क्लिनिक प्लस का अभियान 'बेटी होती है माँ की मजबूती'

गया जी। क्लिनिक प्लस ने डॉटर्स डे से पहले माँ-बेटी के अनूठे रिश्ते और आपसी सहयोग को दर्शाने वाला नया अभियान 'बेटी होती है माँ की मजबूती' पेश किया है। इस अभियान के माध्यम से ब्रांड ने बताया है कि जिस तरह माँ अपनी बेटी को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाती है, उसी तरह एक समय ऐसा भी आता है, जब बेटी अपनी माँ की सबसे बड़ी ताकत बन जाती है। अभियान पर आधारित फिल्म की कहानी एक पुस्तक विमोचन समारोह से शुरू होती है, जहां एक लेखिका अपनी कविताओं के संग्रह के जरिए जीवन के अनुभव साझा करती है। अपनी प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर वह अपनी बेटी की ओर इशारा करती है। फिल्म में बचपन से लेकर बड़े होने तक माँ-बेटी के रिश्ते में आने वाले बदलावों को भावनात्मक अंदाज में दिखाया गया है। कहानी में बेटी अपनी माँ के अनकहे दुखों और संघर्षों को समझती है। जब माँ को मुश्किल वैवाहिक परिस्थितियों में समझौता करने की सलाह दी जाती है, तब बेटी उसे अपने लिए खड़े होने और अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेने का हौसला देती है। फिल्म यह संदेश देती है कि मजबूती का अर्थ केवल परिस्थितियों को सहना नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर खुद को चुनना भी है। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) में ब्यूटी एंड वेलबीइंग की कार्यकारी निदेशक हरमन ढिल्लों ने कहा कि माँ अपनी बेटी को मजबूत, संवेदनशील और आत्मनिर्भर बनाती है और एक दिन वही बेटी माँ का सबसे बड़ा सहारा बन जाती है। उन्होंने बताया कि यह अभियान देश की 1.3 करोड़ सिंगल मदर्स को समर्पित है। अभियान का उद्देश्य माँ-बेटी के रिश्ते में छिपी हिम्मत, विश्वास और आपसी सहयोग को सामने लाना है।

गिद्धेश्वर को पर्यटन केंद्र बनाने की तैयारी तेज

» डीएम ने किया निरीक्षण, परासी पठार को भी पर्यटन सर्किट से जोड़ने की योजना

जमुई। गिद्धेश्वर को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की कवायद तेज हो गई है। जिला पदाधिकारी ने वन प्रमंडल पदाधिकारी और उप विकास आयुक्त समेत संबंधित अधिकारियों के साथ क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर पर्यटन की संभावनाओं का जायजा लिया। इस दौरान इको-टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म और ट्रेकिंग को बढ़ावा देने के साथ व्यू-प्वाइंट, पहुंच मार्ग, विश्राम स्थल और सूचना केंद्र विकसित करने पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने परासी पठार को भी गिद्धेश्वर के पर्यटन सर्किट से जोड़ने की संभावनाओं पर मंथन किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में चकाई दौरे के दौरान गिद्धेश्वर के विकास से संबंधित प्रस्ताव एक माह के भीतर तैयार कर भेजने का निर्देश दिया था। इसी के तहत जिला प्रशासन योजना तैयार करने में जुटा है। पर्यटन विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय संस्कृति की सुरक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

झाझा में कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठित

» सुरेश कुमार फिर बने प्रखंड अध्यक्ष, विजय वर्णवाल को सचिव की जिम्मेदारी

जमुई। जिला कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में झाझा प्रखंड के दवा व्यवसायियों की बैठक जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सुरेश कुमार को फिर से प्रखंड अध्यक्ष और विजय कुमार वर्णवाल को सचिव चुना गया। नई कार्यकारिणी में निर्मल कुमार कोषाध्यक्ष, राजू वर्णवाल उपाध्यक्ष, विनोद वर्णवाल उपसचिव और सुधीर वर्णवाल को संगठन सचिव बनाया गया। वहीं, संजीव कुमार, सुबोध कुमार, विनोद प्रसाद, कामदेव वर्णवाल और संदीप वर्णवाल को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष ने दवा व्यवसायियों की समस्याएं सुनीं और लाइसेंस, बिलिंग, स्टॉक रजिस्टर सहित जरूरी दस्तावेज दुरुस्त रखने की सलाह दी। उन्होंने संगठन की मजबूती और व्यवसायियों के हितों की रक्षा के लिए एकजुट रहने की अपील की। नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का फूल-माला और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। मौके पर जिला सचिव ब्रजेश सक्सेना, संगठन सचिव प्रवीण सिन्हा, रंजन कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी और दवा व्यवसायी उपस्थित थे।

जहानाबाद मंडल कारा में वित्तीय अनियमितता का आरोप, आरटीआई से मिले दस्तावेजों के आधार पर

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जहानाबाद मंडल कारा, काको में कैंटीन के संचालन, नकद लेनदेन और सरकारी दस्तावेजों में कथित अनियमितताओं को लेकर अनुप कुमार शर्मा ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों का हवाला देते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। उनका आरोप है कि जेल में नकद लेनदेन और कैंटीन के हिसाब-किताब में गड़बड़ी हुई है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और इस संबंध में जेल प्रशासन का पक्ष सामने आना बाकी है। अनुप कुमार शर्मा के अनुसार, आरटीआई के तहत मिले मुख्य नकद रजिस्टर में दर्ज प्रविष्टियों और परिजनों द्वारा जमा कराई गई राशि के बीच अंतर दिखाई देता है। उन्होंने दावा किया कि परिजनों से कुल सात हजार रुपये जमा कराए गए थे, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में केवल एक हजार रुपये की प्रविष्टि दिखाई गई है। इस आधार पर उन्होंने छह हजार रुपये के कथित गबन की जांच कराने की मांग की। उन्होंने कैंटीन से संबंधित दस्तावेजों की तारीखों पर भी सवाल उठाए। शर्मा के मुताबिक, आरटीआई के जवाब में भेजे गए पत्र पर 28 सितंबर 2026 की तारीख दर्ज है, जबकि उसके साथ संलग्न खाद्य सुरक्षा लाइसेंस 29 सितंबर 2026 को जारी हुआ है। उन्होंने इसे दस्तावेजों में संभावित गड़बड़ी बताते हुए इसकी जांच कराने की मांग की। अनुप कुमार शर्मा ने जेल के भीतर प्रतिबंधित तंबाकू और खैनी की कथित बिक्री का मुद्दा भी उठाया। उनका आरोप है कि जेल में पांच रुपये की खैनी 500 रुपये तक में बेचे जाने की बात सामने आई है। उन्होंने पिछले तीन महीनों के दौरान तंबाकू और खैनी की जब्ती तथा इस मामले में की गई कार्रवाई से संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की मांग भी की। उनके अनुसार आरटीआई आवेदन में मांगी गई कुछ जानकारियां उन्हें नहीं दी गईं। तीन अक्टूबर को अधिकारियों को उन्होंने तीन अक्टूबर 2026 को जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और कारा महानिरीक्षक, पटना को प्रथम अपील तथा अपनी सुरक्षा से संबंधित आवेदन स्पीड पोस्ट से भेजा था। उन्होंने आरोप लगाया कि उसी दिन शाम को उन्हें जेल प्रशासन की ओर से आरटीआई से संबंधित पत्र प्राप्त हुआ।

» जेल कैंटीन और कैश रजिस्टर के जांच की मांग

इस घटनाक्रम और दस्तावेजों की तारीखों की भी जांच कराने की मांग उन्होंने की है। उच्चस्तरीय जांच और कैशलेस व्यवस्था की मांग अनुप कुमार शर्मा ने मंडल कारा के वित्तीय खातों, कैंटीन और कैश रजिस्टर की उच्चस्तरीय न्यायिक अथवा सतर्कता जांच कराने की मांग की है। उन्होंने जेल कैंटीन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कैशलेस भुगतान और बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू करने तथा यदि जांच में अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि मामले में उचित कार्रवाई नहीं होती है तो वे पटना उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करने का विकल्प अपनाएंगे। फिलहाल, ये आरोप अनुप कुमार शर्मा की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए हैं। मामले में संबंधित अधिकारियों की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद ही आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

समस्तीपुर में चेन स्नैचिंग मामले का महज 48 घंटे में खुलासा, कटिहार से लूटी गई सोने की चेन बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मथुरापुर थाना क्षेत्र में हुई चेन स्नैचिंग की वारदात का महज 48 घंटों के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे निरंतर अभियान के तहत मथुरापुर थानाध्यक्ष धनंजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने इस मामले में संलिप्त मुख्य आरोपी ऋतिक को चिन्हित करते हुए कटिहार जिले के रतौरा थाना क्षेत्र स्थित उसके घर पर छापेमारी की, जहां से पीड़िता से छीनी गई सोने जैसी पीली धातु की चेन को सकुशल बरामद कर लिया गया। यह पूरी वारदात बीते 6 अक्टूबर 2026 को मथुरापुर थाना क्षेत्र के विकास नगर के पास घटित हुई थी, जहां मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात बदमाशों ने मच्छी गांव की रहने वाली मीना कुमारी (पति स्वर्गीय पशुपति साह) के गले से झपट्टा मारकर सोने की चेन छीन ली थी और मौके से फरार हो गए थे। घटना को लेकर पीड़िता के बयान पर मथुरापुर थाने में कांड संख्या-86/26 के तहत अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। प्राथमिकी दर्ज होने के तुरंत बाद पुलिस ने वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान का सहारा लेते हुए आरोपी ऋतिक (पिता रजो यादव) को नामजद किया और उसके ठिकाने पर दबिश देकर लूटी गई संपत्ति बरामद की। पुलिस अब इस घटना में शामिल दूसरे फरार आरोपी की गिरफ्तारी और अपराधियों के अन्य आपराधिक इतिहास को खंगालने में जुटी है।

जहानाबाद की बेटियों का शानदार प्रदर्शन, वॉलीबॉल अंडर-17 बालिका टीम ने जीता स्वर्ण पदक

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया के निर्देशानुसार 09 अक्टूबर को अंतर जिला विद्यालय खेल प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु कबड्डी अंडर-14, 17 एवं 19 बालिका तथा वॉलीबॉल अंडर-17 बालिका टीम को उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा होमा इरफान ने मगध प्रमंडल, गयाजी के लिए रवाना किया। प्रमंडल स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में जहानाबाद जिले की वॉलीबॉल अंडर-17 बालिका टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा राज्य स्तरीय विद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में अपनी जगह सुनिश्चित की। विजेता टीम में ईशा कुमारी, प्राची कुमारी, खुशी कुमारी, अंजली कुमारी, अमृता कुमारी एवं ललिता कुमारी शामिल रहीं। टीम प्रभारी के रूप में चंदन कुमार, शारीरिक शिक्षक, उच्च विद्यालय मलाठी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, कबड्डी अंडर-14 बालिका वर्ग में जहानाबाद की टीम उपविजेता रही। कबड्डी टीम के प्रभारी सुधीर कुमार एवं आशीष कुमार, शारीरिक शिक्षक रहे। इसी क्रम में ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भी जहानाबाद के खिलाड़ियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। अंडर-17 बालिका वर्ग में कनक सिंह ने स्वर्ण पदक, अंडर-14 बालिका वर्ग में सोनाक्षी यादव ने रजत पदक तथा अंडर-14 बालक वर्ग में सूर्यांश कुमार एवं आयुष्मान कुमार ने रजत पदक प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया। ताइक्वांडो टीम के प्रशिक्षक प्रभारी अमर कुमार, शारीरिक शिक्षक, गांधी इंटर विद्यालय कृष्णाश्रम सिकरिया रहे। जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खिलाड़ियों को आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित किया।

सुगौली में श्मशान घाट के पास गड्ढे में दबा मिला अज्ञात युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस और एफएसएल टीम

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। सुगौली थाना क्षेत्र के फुलवरिया पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 3 के बेगिया टोला में शुक्रवार को एक अज्ञात युवक का शव मिट्टी के गड्ढे में दबा हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव नहर के समीप श्मशान घाट के पास छठ घाट के किनारे गड्ढे में दबाया गया था। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बेगिया में एक युवक की हत्या कर उसके शव को मिट्टी में दबा दिया गया है। सूचना मिलते ही सुगौली थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू की। इसके बाद कार्यपालक दंडाधिकारी की देखरेख में पुलिस और एफएसएल की टीम ने गड्ढे से शव को बाहर निकाला। घटनास्थल पर पहुंची जिला एफएसएल की टीम ने साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। थानाध्यक्ष अवनीश सिंह ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की छानबीन की जा रही है। जल्द ही मामले का उद्भेदन करने और घटना में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का प्रयास किया जा रहा है। इधर, श्मशान घाट के समीप गड्ढे में दबा अज्ञात युवक का शव मिलने की घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोग युवक की पहचान, उसकी मौत के कारण और शव को वहां लाकर दबाने को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जता रहे हैं। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस युवक की पहचान करने के साथ ही यह पता लगाने में जुटी है कि उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव को मिट्टी में दबाने के पीछे क्या वजह है।

नए बिहार के निर्माण की पहल है 'नई सृष्टि' संस्था, जागरूकता सह प्रसार कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। शहर के कोर्ट एरिया स्थित होटल राजगृह में शुक्रवार को 'नई सृष्टि' संस्था के जागरूकता सह प्रसार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षाविद् अशोक प्रियदर्शी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संतोष शर्मा, डॉ. मानसी सिंह, डॉ. रोहित राज और नीतीश कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संस्था का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कला-संस्कृति, साहित्य, संगीत, नाट्य, खेल, व्यवसाय, पर्यटन, पर्यावरण, मीडिया, कानून और मानव कल्याण समेत विभिन्न क्षेत्रों में काम करना है। संस्था के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ लोगों को रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध कराने की पहल की जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रशासन के डीपीओ राजेश कुमार ने संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि 'नई सृष्टि' विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करते हुए समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। द विंग्स फाउंडेशन के संतोष शर्मा ने कहा कि संस्था ने समाज के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अपने कार्यक्षेत्र में शामिल किया है। किसी भी काम को निष्ठा और समर्पण के साथ करने का संकल्प लिया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने शिक्षा को समाज और देश के निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से लोगों को शिक्षित करने के साथ रोजगार के अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं। व्यवसायी नीतीश कुमार ने कहा कि संस्था के कार्यक्षेत्र में रोजगार से जुड़ी व्यापक संभावनाएं हैं। योजनाबद्ध तरीके से इन क्षेत्रों में काम किया जाए तो बेरोजगारी दूर करने और लोगों को स्वावलंबी बनाने में मदद मिल सकती है। वहीं, पटना हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता संजय भारती ने जरूरतमंद लोगों को कानूनी सलाह देने और मुकदमों में निशुल्क सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। कार्यक्रम में कला और संस्कृति का भी रंग देखने को मिला। नालंदा के गायक एवं गजलकार नवनीत कृष्ण तथा वरिष्ठ पत्रकार सूरज मिर्जा ने अपनी प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मगही कलाकार गौतम पराशर,सुधाकर राजेंद्र और नंदकिशोर ने मगही गीत संगीत से दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं, तलवारबाजी के प्रदर्शन ने लोगों को रोमांचित किया। कराटे विद्यालय की प्रमुख अणुशक्ति सिंह ने आंखों पर पट्टी बांधकर कद्दू पर तलवार चलाने का करतब दिखाया। शायरों ने अपनी रचनाओं से महफिल में समां बांध दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में मुंबई के कलाकारों ने फिल्म 'चिनिया बादाम' का प्रदर्शन किया। फिल्म के निर्माता महेंद्र कुमार, निर्देशक सुल्तान अहमद तथा कलाकार तामीश सुल्तान और अभिनेत्री खुशी राजपूत सहित अन्य कलाकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। संस्था के निदेशक राज किशोर कुमार ने अतिथियों और सहयोगियों को मोमेंटो एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध साहित्यकार राणा वीरेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर भूषण कुमार सिंह ने किया। सागर भवन में शाखा कार्यालय का उद्घाटन मुख्य कार्यक्रम के बाद निजामुद्दीनपुर, काको रोड स्थित सागर भवन में 'नई सृष्टि' संस्था के शाखा कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर हरिनारायण द्विवेदी, गजलकार आनंद, ममता प्रिया, डॉ. मानसी सिंह, श्रीनिवास दास, संजय कुमार, अमृतेश मिश्रा, चितरंजन चैनपुरा, डॉ. रविशंकर शर्मा, साधना शर्मा, देवरानी देवी, सुनीता कुमारी और कन्हाई शर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं की हुई सुनवाई, संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित निष्पादन के निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। जिलाधिकारी, समस्तीपुर रोशन कुशवाहा द्वारा आज समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों की सुनवाई की गई। जनता दरबार में उपस्थित लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए। जिलाधिकारी ने एक-एक कर आवेदकों की शिकायतों को सुना तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए उनका निष्पादन निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। जिन मामलों में स्थलीय जांच की आवश्यकता है, उनमें संबंधित पदाधिकारी जांच कराते हुए आवश्यक कार्रवाई करें। साथ ही, आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्रवाई से अवगत कराने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सभी संबंधित पदाधिकारी जन शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहें तथा पात्र लाभुकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नियमानुसार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जन शिकायतों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। प्रत्येक आवेदन पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएं।

चकमेहसी थाना परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न, आपसी सौहार्द और सुरक्षा व्यवस्था पर रहा जोर

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। आगामी दुर्गा पूजा के त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आज चकमेहसी थाना परिसर में अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार के नेतृत्व में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, शांति समिति के सदस्यों तथा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने सभी उपस्थित प्रतिनिधियों से अपील की कि वे त्योहार के दौरान आपसी भाईचारा और सामंजस्य बनाए रखें। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा समाज में एकता और खुशहाली का संदेश देता है, इसलिए सभी को मिलजुल कर इसका आयोजन करना चाहिए, साथ ही उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए क्षेत्र में पुख्ता इंतजाम किए जाएं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पूजा पंडालों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। इसके अलावा, त्योहार के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। बैठक में मौजूद शांति समिति के सदस्यों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे और प्रशासन को हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को शांति बनाए रखने और नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दुर्गा पूजा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना और सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देना था, जिसके अंत में अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और मिलकर त्योहार मनाने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

नवी पिल्लै को शांति के नोबेल पुरस्कार पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

पटना।स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने भारतवंशी नवनेथम 'नवी' पिल्लै जी को शांति के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। निशांत कुमार ने कहा कि मानवाधिकारों की रक्षा, रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष तथा युद्ध अपराधों और नरसंहार के दोषियों को न्याय के कटघरे तक पहुँचाने के प्रयासों में नवी पिल्लै जी का योगदान सराहनीय है। उनका जीवन न्याय, समानता और मानवीय गरिमा के मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों एवं वैश्विक शांति के लिए समर्पित उनका योगदान गौरव का विषय है। उनकी उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को न्यायपूर्ण, समतामूलक और शांतिपूर्ण विश्व के निर्माण के लिए प्रेरित करती रहेगी।

सामाजिक न्याय के नाम पर राजनीति करने वाले तेजस्वी यादव महादलित समाज के विकास का हिसाब दें : डॉ. संतोष सुमन

पटना।हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लघु जल संसाधन मंत्री, बिहार सरकार डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि सामाजिक न्याय का नारा देने से नहीं, बल्कि वंचित समाज के जीवन में ठोस बदलाव लाने से सामाजिक न्याय स्थापित होता है। तेजस्वी यादव और राजद को बिहार की जनता के सामने जवाब देना चाहिए कि 1990 से 2005 तक राजद शासन के दौरान महादलित परिवारों के बच्चों की शिक्षा, युवाओं के रोजगार एवं कौशल विकास और भूमिहीन परिवारों को आवासीय भूमि उपलब्ध कराने के लिए कौन-से ठोस कदम उठाए गए? इन सवालों के जवाब राजनीतिक नारों से नहीं, बल्कि प्रमाणित आँकड़ों और उपलब्धियों के साथ दिए जाने चाहिए।डॉ. सुमन ने कहा कि बिहार में एनडीए शासन के दौरान महादलित विकास मिशन, विकास मित्र, छात्रवृत्ति, आवासीय भूमि तथा दशरथ मांझी कौशल विकास योजना जैसी पहलें वंचित समाज को शिक्षा, कौशल विकास और बेहतर जीवन के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गईं। तेजस्वी यादव स्पष्ट करें कि महादलित समाज के विकास को लेकर राजद की वर्तमान कार्ययोजना क्या है? शिक्षा, रोजगार, आवास और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए उनकी पार्टी ने कौन-से मापने योग्य लक्ष्य निर्धारित किए हैं? जनता को यह जानने का अधिकार है कि महादलित समाज के उत्थान के लिए राजद के पास ठोस नीति है या केवल राजनीतिक बयानबाजी। डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि महादलित समाज किसी राजनीतिक दल का वोट बैंक नहीं, बल्कि समान अधिकार, सम्मान और विकास का हकदार है। सामाजिक न्याय का वास्तविक अर्थ है कि गरीब परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हों, भूमिहीन परिवारों को आवासीय भूमि मिले और वंचित समाज को विकास की मुख्यधारा में सम्मानजनक भागीदारी मिले। तेजस्वी यादव और राजद को महादलित समाज के नाम पर राजनीति करने के बजाय अपने शासनकाल का हिसाब और भविष्य की ठोस कार्ययोजना जनता के सामने रखनी चाहिए। बिहार की जनता अब नारों से नहीं, बल्कि नीतियों, उपलब्धियों और धरातल पर दिखने वाले बदलावों से सामाजिक न्याय का मूल्यांकन करेगी।

90 वर्ष की उम्र में सुलचना देवी का निधन, अंतिम यात्रा में शामिल हुए मुखिया पंकज साह

चकाई।चकाई प्रखंड के माधोपुर पंचायत के गौरिडीह गांव निवासी किसुन यादव की माता सुलचना देवी का 90 वर्ष की उम्र में निधन हो गया उनके निधन से परिवार सहित पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई उनके अंतिम दर्शन और विदाई के लिए ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों की भीड़ उमड़ पड़ी सुलचना देवी की अंतिम यात्रा में माधोपुर पंचायत के मुखिया पंकज साह शामिल हुए उन्होंने दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी इस मौके पर शिक्षक दिनेश पासवान ग्रामीण राजकिशोर दुबे लालमणि यादव लीलामन यादव भिखारी यादव भुना यादव गिरधारी यादव कमलेश यादव गिरधारी यादव शिवशंकर यादव ज्ञानचंद यादव मुन्ना दुबे सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की सुलचना देवी के निधन से गांव में मातमी माहौल है ग्रामीणों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए नम आंखों से अंतिम विदाई दी

पूर्व डीएम कंवल तनुज का 44वां जन्मदिन मनाया, मरीजों में बांटे फल

औरंगाबाद। बिहार सरकार के योजना एवं विकास विभाग के सचिव और औरंगाबाद के पूर्व जिलाधिकारी कंवल तनुज का 44वां जन्मदिन गुरुवार की रात मनाया गया। इस अवसर पर सदर अस्पताल में मरीजों के बीच दूध, ब्रेड और फल वितरित किए गए। उपस्थित लोगों ने उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। कांग्रेस नेता मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान ने कहा कि डीएम रहते हुए कंवल तनुज ने जिले के विकास, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 'डिस्कस विथ डीएम' कार्यक्रम और यूट्यूब के माध्यम से युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क तैयारी कराने की उनकी पहल भी काफी चर्चित रही थी। कार्यक्रम में कई सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पीएनबी में हिंदी माह समापन समारोह, विजेताओं को मिला पुरस्कार माह समापन समारोह, विजेताओं को मिला पुरस्कार

आरा। पंजाब नेशनल बैंक के मंडल कार्यालय आरा में 8 अक्टूबर को मंडल प्रमुख उत्पल कुमार की अध्यक्षता में हिंदी माह समापन समारोह, संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगोष्ठी में बैंकिंग कार्यों में सरल एवं प्रभावी हिंदी के प्रयोग पर चर्चा हुई। इस दौरान काव्य पाठ, संगीत प्रस्तुति और हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मंडल प्रमुख ने कर्मचारियों को दैनिक बैंकिंग कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उप मंडल प्रमुख शक्ति कुमार, स्वाति सिंह, करण कुमार, एलडीएम विभूति पांडेय सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। मंच संचालन डॉ. पूनम साव ने किया।

शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर।आगामी दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में थाना अध्यक्ष मुसरीघरारी एवं अंचल अधिकारी सारायरंजन के साथ एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में दुर्गा पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण, सुरक्षा व्यवस्था तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। अनुमंडल पदाधिकारी ने पर्व के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रशासनिक तत्परता और पुलिस-प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि दुर्गा पूजा के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी पूजा समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही, किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए सतर्कता बरतने और समस्याओं का त्वरित समाधान करने पर बल दिया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना तथा क्षेत्र में सुरक्षा, शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना रहा।

महिसौड़ी में चलती ई-रिक्शा में लगी आग, दो छात्राएं झुलसीं

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।शहर के महिसौड़ी मोहल्ले में शुक्रवार को पेट्रोल पंप के समीप चलती ई-रिक्शा में अचानक आग लग गई। हादसे में सवार दो छात्राएं नेहा कुमारी (20) और रुचि कुमारी (20) गंभीर रूप से झुलस गईं। नेहा की हालत नाजुक होने पर सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया। वहीं, रुचि का इलाज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। दोनों छात्राएं टाउन थाना क्षेत्र के भगवाना गांव की रहने वाली हैं। जानकारी के अनुसार, छह छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर ई-रिक्शा से घर लौट रहे थे। महिसौड़ी स्थित पेट्रोल पंप के पास वाहन के बैटरी वाले हिस्से से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क उठी। चार अन्य छात्र-छात्राएं सुरक्षित बच गए। स्थानीय लोगों ने झुलसी छात्राओं को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद ई-रिक्शा चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची टाउन थाना पुलिस ने जले वाहन को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। आग लगने का कारण स्पष्ट

» नेहा की हालत गंभीर, पटना रेफर; दूसरी छात्रा का निजी अस्पताल में इलाज, चालक फरार

नहीं है। प्रारंभिक आशंका बैटरी में शॉर्ट सर्किट या ओवरहीटिंग की जताई जा रही है। हादसे के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है।

दुनिया के 20 से अधिक देशों तक पहुंचा बिहार का मखाना, वैश्विक सुपरफूड बनाने का लक्ष्य : विजय सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

» मखाना से समृद्धि अभियान के तहत 2030-31 तक निर्यात 30 हजार मीट्रिक टन करने की कोशिश

» पॉप मखाना उत्पादन 91,512 मीट्रिक टन करने का लक्ष्य, प्रसंस्करण और निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

» दुनिया में खपत होने वाले मखाने के हर दो पैकेट में से एक पर मिथिला मखाना का जीआई चिह्न लाने की तैयारी

पटना।बिहार का मखाना 20 से अधिक देशों के बाजारों तक पहुंच चुका है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से बिहार सरकार जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने की कोशिश कर रही है। इस वर्ष अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस में बिहार के मखाना उत्पादों का निर्यात हुआ है। बिहार सरकार मखाना को वैश्विक सुपरफूड बनाने के लिए पांच वर्षीय कार्ययोजना पर काम कर रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक चलने वाले मखाना से समृद्धि अभियान के तहत खेती का क्षेत्रफल दोगुना करने, उत्पादन बढ़ाने और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बिहार की हिस्सेदारी मजबूत करने का लक्ष्य है।कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि देश के मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी करीब 80 से 85 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत ने 7,200 मीट्रिक टन से अधिक मखाना और मूल्यवर्धित उत्पादों का 20 से अधिक देशों को निर्यात किया गया, जिससे 22 मिलियन अमेरिकी डॉलर की आय हुई। अमेरिका, मध्य-पूर्व और अफ्रीका सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाना की मांग बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की खेप अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस पहुंची है। पहली बार बिहटा स्थित बियाडा औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई। गुणवत्ता, जीआई पहचान और बाजार संपर्क से किसानों के लिए आय के नए अवसर बन रहे हैं। मंत्री ने कहा कि अभियान के तहत खेती का क्षेत्रफल वर्ष 2025-26 के 41 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 2030-31 तक 82 हजार हेक्टेयर करने का लक्ष्य है। इसी अवधि तक पॉप मखाना उत्पादन 91,512 मीट्रिक टन और निर्यात 30 हजार मीट्रिक टन तक पहुंचाने की योजना है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना में 8,979.68 लाख रुपये का प्रावधान है। इससे उत्पादन सहायता, कटाई के बाद की सुविधाओं, अनुसंधान एवं विकास, ब्रांड विकास और अंतरराष्ट्रीय प्रचार-प्रसार को बढ़ावा दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2012-13 में मखाना से किसान की आधारभूत आय 35 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर थी, जो 2025-26 में बढ़कर 4,25,750 रुपये प्रति हेक्टेयर हो गई। इस तरह प्रति हेक्टेयर आय में 12 गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। मंत्री ने कहा कि बिहार विजन-2030 के तहत लक्ष्य है कि दुनिया में खपत होने वाले मखाने के हर दो पैकेट में से एक पर मिथिला मखाना का जीआई चिह्न हो। इससे बिहार के मखाने की क्षेत्रीय पहचान, गुणवत्ता और व्यावसायिक क्षमता को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती मिलेगी।

सिटीजन केयर ग्रुप ने प्रत्येक विधानसभा में बायो-सीएनजी प्लांट लगाने की पहल की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने की दिशा में सिटीजन केयर ग्रुप द्वारा बायो-सीएनजी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। ग्रुप का उद्देश्य देश में बढ़ती स्वच्छ ईंधन की आवश्यकता को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में बायो-सीएनजी प्लांट एवं स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। सिटीजन केयर ग्रुप के संस्थापक चंदन कुमार ने कहा कि इस अभियान के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बायो-सीएनजी प्लांट की स्थापना को प्रोत्साहित करने की योजना पर जोर दिया जा रहा है। इससे कृषि अवशेष, जैविक कचरे और अन्य उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बायो-सीएनजी भविष्य के स्वच्छ और टिकाऊ ईंधन विकल्पों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कंपनी उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से विश्वस्तरीय बायो-सीएनजी परियोजनाओं को विकसित करने और निवेशकों को परियोजना संबंधी तकनीकी एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है। चंदन कुमार ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छ ऊर्जा अपनाएं, कचरे को संसाधन बनाएं और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भागीदार बनें।

डॉ. वीणा सिंह बनीं बिहार-झारखंड प्लास्टिक सर्जन्स एसोसिएशन की नई अध्यक्ष

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार-झारखंड प्लास्टिक सर्जन्स एसोसिएशन के 15वें वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. वीणा सिंह ने एसोसिएशन के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण की। इस सम्मेलन में बिहार एवं झारखंड के तकरीबन सौ से ऊपर प्लास्टिक सर्जन्स की सहभागिता और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ दिनेश कदम (मंगलूर) की मौजूदगी में उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।एसोसिएशन के माध्यम से दोनों राज्यों के सुदूर क्षेत्रों में प्लास्टिक सर्जरी की चिकित्सा समाज के जरूरतमंद वर्गों तक पहुँचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण को और अधिक सशक्त कैसे बनाया जाए तथा युवा प्लास्टिक सर्जन्स को आधुनिक चिकित्सा तकनीकों में ट्रेनिंग की व्यवस्था करना, इस पर उन्होंने विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक सर्जरी केवल सौंदर्य सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि जन्मजात विकृतियों, कटे होंठ एवं तालु, जलने से उत्पन्न विकृतियों, दुर्घटनाओं में हुई गंभीर चोटों तथा पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा के माध्यम से लोगों को नया जीवन और आत्मविश्वास प्रदान करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉ. सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि वरिष्ठ विशेषज्ञों के मार्गदर्शन और युवा चिकित्सकों की ऊर्जा के समन्वय से एसोसिएशन नई उपलब्धियाँ हासिल करेगा तथा बिहार और झारखंड में प्लास्टिक सर्जरी के क्षेत्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डॉ सिंह वर्तमान में राष्ट्रीय प्लास्टिक सर्जरी कोषाध्यक्ष हैं तथा गोरखपुर एम्स की गवर्निंग बॉडी की सदस्य हैं।

राजेंद्र कॉलेज में विद्यार्थी परिषद ने नई इकाई का किया गठन

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राजेंद्र कॉलेज इकाई का शुक्रवार को पुनर्गठन किया गया। इस दौरान बादल कुमार को महाविद्यालय अध्यक्ष तथा रुचि कुमारी को महाविद्यालय मंत्री का दायित्व सौंपा गया। नवगठित इकाई के पदाधिकारियों ने छात्रहितों की रक्षा और महाविद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता जताई। पुनर्गठन कार्यक्रम में जिला प्रमुख डॉ. अनुपम कुमार सिंह, नगर उपाध्यक्ष डॉ. गौरव सिंह एवं डॉ. नीतू सिंह, जिला संयोजक भास्कर कुमार, विभाग छात्रा प्रमुख अदिति सिंह तथा महाविद्यालय पालक ऋतिक सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थी परिषद विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान, शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार तथा छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि युवाओं को छात्रहितों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने के साथ ही राष्ट्रहित में भी सकारात्मक योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान स्वाति, तृप्ति, अनिशा, सोनू कुमार, प्रियांशु, आदित्य, रिमझिम, लक्की, खुशी, रॉबिन, मनीष सिंह, शशि, छोटी, रत्नेश, रौनक, सलोनी, स्नेहा, शालू और सपना सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

औद्योगिकीकरण एवं ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रतिवर्ष एक लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य

» 12 हजार से अधिक रोजगार के अवसर होंगे सृजित

पटना।ऊर्जा विभाग, बिहार सरकार द्वारा एनर्जी ट्रैन्जिशन की ओर सकारात्मक कदम बढ़ाते हुए माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बिहार ग्रीन (हरित) हाइड्रोजन नीति, 2026 लागू की जा रही है। जिसके लिए राज्य में अगले पाच वर्षों में 1 (एक) लाख टन प्रति वर्ष हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता प्राप्त करना है। इस नीति के तहत बिहार राज्य में औद्योगिक क्षेत्र में निवेशकों को राज्य में आकर्षित करने हेतु प्रोत्साहन राशि अन्य राज्यों के सापेक्ष आकर्षक दिया गया है। जिसका कुल प्रोत्साहन राशि 1040.25 करोड़ रुपये है। जिससे निवेशक बिहार राज्य में लगभग 16,000 (सोलह हजार) करोड़ की राशि हरित हाइड्रोजन के उद्योग के क्षेत्र में निवेश कर सकेंगे। बिहार ग्रीन (हरित) हाइड्रोजन नीति, 2026 के तहत भारत सरकार के 5 प्वाइंट एक्शन प्लान नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन के तहत 2030 तक कार्बन डाईआक्साईड के उत्सर्जन को 1 बीलियन टन कम करना, 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करना, 2030 तक सकल घरेलु उत्पाद की कार्बन उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 45 प्रतिषत तक कम करने का लक्ष्य निर्धारित है, जिससे इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में बिहार राज्य का पूर्ण भागीदारी भी होगी।बिहार ग्रीन (हरित) हाइड्रोजन नीति, 2026 के मुख्य विशेषताएं है कि राज्य में लगभग 10 लाख टन कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आयेगी। हरित हाइड्रोजन का उत्पादन मुख्य रूप से पानी से बिजली की मदद से किया जाता है। इसके उपयोग से प्राकृतिक गैस पर निर्भरता कम होगी और ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए आयातित प्राकृतिक गैस पर खर्च भी कम हो सकेगा। निवेशकों द्वारा राज्य में लगभग 16 हजार करोड़ रूपये का निवेश प्राप्त होगा। निवेशकों को राज्य में 1040.25 करोड़ रूपये की आकर्षक प्रोत्साहन राशि प्राप्त होंगे।प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 12 हजार रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।इस प्रकार से ग्रीन हाईड्रोजन की मूल्य श्रृंखला विकसित होने से राष्ट्रीय जलवायु एवं स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान के साथ-साथ राज्य में सतत् आर्थिक विकास और आम-जनमानस के लिए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। माननीय ऊर्जा मंत्री श्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने कहा कि बिहार ग्रीन (हरित) हाइड्रोजन नीति, 2026 राज्य में स्वच्छ ऊर्जा, औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरगामी पहल है। माननीय मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में लागू की जा रही इस नीति के तहत अगले पांच वर्षों में प्रतिवर्ष एक लाख टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य है।उन्होंने कहा कि नीति के तहत 1,040.25 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि के माध्यम से लगभग 16,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 12,000 रोजगार के अवसर सृजित करने की संभावना है। इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, प्राकृतिक गैस पर निर्भरता घटेगी और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह नीति बिहार को हरित ऊर्जा एवं औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, युवाओं के लिए रोजगार और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। राज्य सरकार का संकल्प बिहार को स्वच्छ ऊर्जा, हरित औद्योगिकीकरण और सतत आर्थिक विकास का प्रमुख केंद्र बनाना है। बिहार ग्रीन हाइड्रोजन नीति, 2026 इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगी तथा राज्य के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण को भी नई मजबूती प्रदान करेगी।

धनही गांव के दरोगा बादल कुमार का निधन, पुलिस ने दी सलामी

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली थाना क्षेत्र के नगर पंचायत अंतर्गत धनही गांव निवासी सब इंस्पेक्टर बादल कुमार का गुरुवार की अहले सुबह इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। जिला पुलिस और सुगौली थाना पुलिस की ओर से उन्हें सलामी दी गई तथा पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्वर्गीय डॉ. दिनेश सहनी के पुत्र बादल कुमार पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर बहाल हुए थे। अपनी मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर प्रोन्नति प्राप्त कर सब इंस्पेक्टर के पद तक पहुंचे। वे पिछले एक वर्ष से अधिक समय से बीमार चल रहे थे। अपनी सेवा के दौरान वे लखीसराय जिले

» पूर्व मंत्री रामचंद्र सहनी समेत दर्जनों गणमान्य लोगों ने दी श्रद्धांजलि

के केवईया थाना में तैनात थे, जहां उनकी अंतिम पदस्थापना थी। बादल कुमार अपने पीछे एक पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं। उनके बड़े भाई डॉ. पवन कुमार होम्योपैथिक चिकित्सक हैं, जबकि दूसरे भाई नवीन कुमार भी पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। उनके निधन पर पूर्व मंत्री रामचंद्र सहनी सहित दर्जनों गणमान्य लोगों ने पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उनके असामयिक निधन से परिवार, शुभचिंतकों और क्षेत्र के लोगों में गहरा शोक व्याप्त है।

नाना पाटेकरः अभिनय से आगे, समाज की आवाज

नाना पाटेकर का व्यक्तित्व सिखाता है कि कला की सार्थकता तालियों में नहीं, बल्कि समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी में निहित है

आरती कुमारी

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिनकी पहचान उनकी फिल्मों, पुरस्कारों और लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहती। वे अपने अभिनय से समाज की बेचैनी को स्वर देते हैं, व्यवस्था की विसंगतियों पर सवाल उठाते हैं और उन लोगों की पीड़ा को सामने लाते हैं, जिनकी आवाज अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती। नाना पाटेकर ऐसे ही कलाकारों में गिने जाते हैं। उनकी विशिष्टता केवल उनके संवाद बोलने के अंदाज, चेहरे के हावभाव या अभिनय की तीव्रता में नहीं है, बल्कि उस बेबाक व्यक्तित्व में भी है, जिसने उन्हें हिंदी और मराठी सिनेमा में अलग पहचान दिलाई। उनका जीवन और कला इस प्रश्न को सामने रखते हैं कि आखिर एक कलाकार की वास्तविक सामाजिक भूमिका क्या होनी चाहिए। नाना पाटेकर का मूल नाम विश्वनाथ पाटेकर है। महाराष्ट्र की मिट्टी से निकले इस कलाकार ने रंगमंच से अपने अभिनय की यात्रा शुरू की और धीरे-धीरे हिंदी सिनेमा में अपनी विशिष्ट जगह बनाई। उनके सफर में किसी फिल्मी परिवार की विरासत या स्थापित सितारों का चमकदार सहारा नहीं था। उनकी सबसे बड़ी पूंजी थी अभिनय के प्रति समर्पण, किरदार को भीतर तक समझने की क्षमता और अपने काम के प्रति ईमानदारी। उन्होंने साबित किया कि प्रतिभा को पहचान मिलने में समय लग सकता है, लेकिन यदि उसमें मौलिकता और मेहनत का मेल हो, तो वह अपनी जगह स्वयं बना सकती है। नाना पाटेकर का अभिनय पारंपरिक नायक की छवि से अलग रहा। हिंदी फिल्मों में लंबे समय तक नायक की पहचान उसके आकर्षक व्यक्तित्व, संवादों की चमक और खलनायक पर विजय से तय होती रही। नाना ने इस स्थापित ढांचे को कई बार चुनौती दी। उनके किरदारों में गुस्सा था, असुरक्षा थी, संवेदना थी और परिस्थितियों से पैदा हुआ संघर्ष भी। वे किसी भूमिका को केवल निभाते नहीं थे, बल्कि उसमें मौजूद मनोवैज्ञानिक तनाव को भी सामने लाते थे। यही कारण है कि उनके अभिनय में संवादों से अधिक प्रभाव कई बार उनकी आंखों, चेहरे और खामोशी का दिखाई देता है।

अभिनय की ताकत, पुरस्कारों से आगे की पहचानः फिल्म 'परिंदा' में अन्ना का किरदार नाना पाटेकर की अभिनय क्षमता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस भूमिका में उन्होंने अपराध की दुनिया से जुड़े एक ऐसे व्यक्ति को जीवंत किया, जिसके भीतर हिंसा और अस्थिरता का भयावह संसार था। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। इसके बाद 'क्रांतिवीर' में प्रताप नारायण तिलक के किरदार ने उन्हें व्यापक लोकप्रियता दिलाई। अन्याय के विरुद्ध खड़े होने वाले इस चरित्र के संवादों ने दर्शकों के मन पर गहरी छाप छोड़ी। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। 'अग्निसाक्षी' में उनका अभिनय एक अलग मनोवैज्ञानिक धरातल पर दिखाई दिया। यहां उन्होंने मानवीय संबंधों के भीतर मौजूद नियंत्रण, भय और हिंसक प्रवृत्तियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस भूमिका के लिए उन्हें फिर सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। इस तरह तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार उनके अभिनय की विविधता और क्षमता के प्रमाण बने। वर्ष 2013 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया, जो कला के क्षेत्र में उनके योगदान की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मान्यता है। हालांकि, किसी कलाकार की उपलब्धियों का मूल्यांकन केवल पुरस्कारों की संख्या से नहीं किया जा सकता। पुरस्कार किसी विशेष भूमिका या कलात्मक योगदान का सम्मान करते हैं, लेकिन जनता की स्मृति में बने रहना कहीं अधिक कठिन उपलब्धि है। नाना पाटेकर ने अपने अभिनय से ऐसी पहचान बनाई, जिसमें लोकप्रियता और गंभीरता दोनों का मेल दिखाई देता है। उन्होंने व्यावसायिक सिनेमा में काम किया, लेकिन उनकी कई भूमिकाओं में सामाजिक अन्याय, नैतिक संघर्ष और मानवीय कमजोरियों के प्रश्न भी मौजूद रहे।

जब सिनेमा समाज का आईना बनता हैः सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है। वह समाज की सोच को प्रभावित कर सकता है, स्थापित धारणाओं को चुनौती दे सकता है और उन मुद्दों को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बना सकता है, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन यह भूमिका तभी सार्थक होती है, जब फिल्मकार और कलाकार अपने माध्यम की ताकत को समझें। नाना पाटेकर के अभिनय की एक बड़ी विशेषता यही रही कि उनके अनेक किरदार दर्शकों को केवल कहानी देखने तक सीमित नहीं रखते थे, बल्कि उन्हें अपने आसपास की परिस्थितियों के बारे में सोचने के लिए भी प्रेरित करते थे। 'अंकुश' जैसी फिल्म में व्यवस्था से निराश युवा की बेचैनी दिखाई देती है, तो 'क्रांतिवीर' में अन्याय और भ्रष्टाचार के विरुद्ध आक्रोश मुखर होता है। उनके किरदार अक्सर उस आम आदमी की छटपटाहट को अभिव्यक्त करते हैं, जो व्यवस्था के सामने स्वयं को कमजोर महसूस करता है, लेकिन भीतर से हार मानने को तैयार नहीं होता। नाना की आवाज और संवाद अदायगी ने ऐसे पात्रों को अतिरिक्त प्रभाव दिया। यहां एक महत्वपूर्ण सवाल भी है। क्या सामाजिक बदलाव लाने के लिए कलाकार का केवल पर्दे पर व्यवस्था के विरुद्ध बोलना पर्याप्त है? निश्चित रूप से नहीं। अभिनय दर्शकों को संवेदनशील बना सकता है, सवाल उठाने की प्रेरणा दे सकता है, लेकिन वास्तविक परिवर्तन के लिए सामाजिक भागीदारी और निरंतर प्रयास की जरूरत होती है। नाना पाटेकर के व्यक्तित्व का उल्लेख करते समय उनके सामाजिक कार्यों को भी इसी संदर्भ में देखना चाहिए।

किसानों के दर्द से जुड़ावः महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की बदहाली, सूखे और आत्महत्या की घटनाओं ने लंबे समय से गंभीर सामाजिक संकट का रूप ले रखा है। कर्ज, अनिश्चित मानसून, सिंचाई के अभाव और कृषि आय में अस्थिरता ने अनेक परिवारों को कठिन परिस्थितियों में धकेला है। किसान की समस्या केवल आर्थिक नहीं होती। उसके साथ परिवार की आजीविका, बच्चों की शिक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य की उम्मीदें भी जुड़ी होती हैं। नाना पाटेकर ने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर नाम फाउंडेशन की स्थापना की। इस संस्था के माध्यम से महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में किसानों और ग्रामीण समुदायों की सहायता, जल संरक्षण तथा ग्रामीण पुनर्निर्माण जैसे कार्यों को आगे बढ़ाया गया। इस पहल ने यह संदेश दिया कि समाज में पहचान और संसाधन रखने वाले लोग चाहें तो अपनी क्षमता का उपयोग जरूरतमंदों की मदद के लिए भी कर सकते हैं। किसानों के सवाल पर चर्चा करते समय यह समझना आवश्यक है कि किसी एक संस्था के प्रयास से कृषि संकट का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। इसके लिए प्रभावी सरकारी नीतियां, सिंचाई सुविधाएं, उचित बाजार व्यवस्था, कर्ज की समस्याओं का समाधान और किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिलना जरूरी है। फिर भी, सामाजिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। वे संकटग्रस्त परिवारों तक सहायता पहुंचा सकती हैं, स्थानीय जरूरतों को सामने ला सकती हैं और सरकार तथा समाज का ध्यान उन समस्याओं की ओर खींच सकती हैं, जिन्हें अक्सर आंकड़ों के पीछे छिपा दिया जाता है। नाना पाटेकर के सामाजिक योगदान का महत्व इसी दृष्टि से समझा जाना चाहिए। किसी कलाकार की लोकप्रियता जब जरूरतमंदों की सहायता में काम आती है, तब उसका सामाजिक प्रभाव मनोरंजन उद्योग की सीमाओं से बाहर निकल जाता है।

बेबाकी और नागरिक होने की जिम्मेदारीः नाना पाटेकर की सार्वजनिक छवि में बेबाकी का स्थान भी महत्वपूर्ण रहा है। वे अपने विचार व्यक्त करने के लिए जाने जाते हैं और उनके व्यक्तित्व को किसी एक राजनीतिक पहचान में सीमित करना आसान नहीं है। लोकतंत्र में कलाकारों और सार्वजनिक हस्तियों को अपने विचार रखने का अधिकार है। उन्हें सरकार की नीतियों की प्रशंसा करने की स्वतंत्रता है, तो उनकी आलोचना करने का भी पूरा अधिकार है। यही स्वतंत्रता एक जागरूक नागरिक की पहचान है। किसी व्यक्ति के विचारों का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि वह किस राजनीतिक दल के पक्ष में खड़ा दिखाई देता है। असली कसौटी यह है कि उसके विचारों में तर्क कितना है, वह जनहित के सवालों पर कितना संवेदनशील है और क्या वह अपनी राय बदलने के लिए उपलब्ध तथ्यों को सुनने को तैयार है। राजनीतिक निष्ठा यदि विवेक पर हावी हो जाए, तो लोकतांत्रिक संवाद कमजोर पड़ता है। इसके विपरीत, किसी अच्छे काम की प्रशंसा और गलत निर्णय की आलोचना करने का साहस स्वस्थ लोकतंत्र को मजबूत करता है। कलाकारों के मामले में यह जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनकी बात लाखों लोगों तक पहुंचती है। उनकी लोकप्रियता उन्हें प्रभाव देती है, लेकिन इस प्रभाव के साथ जवाबदेही भी आती है। इसलिए बेबाकी का अर्थ केवल तीखे शब्द बोलना नहीं है। वास्तविक बेबाकी वह है, जिसमें व्यक्ति अपने विचारों के साथ खड़ा रहता है, तथ्यों का सम्मान करता है और असहमति को व्यक्तिगत दुश्मनी में नहीं बदलता। **सादगी, मृत्युबोध और जीवन का अर्थः** नाना पाटेकर की सार्वजनिक छवि का एक पहलू उनकी सादगी और जीवन के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण भी रहा है। प्रसिद्धि की दुनिया में जहां व्यक्तित्व का मूल्यांकन अक्सर महंगे आयोजनों, चमकदार जीवनशैली और प्रचार के आधार पर किया जाता है, वहां सादगी अपने आप में एक अलग संदेश देती है। हालांकि, सादगी का अर्थ केवल साधारण कपड़े पहनना या कम दिखावा करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है अपनी जरूरतों, इच्छाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना। मृत्यु जीवन की सबसे बड़ी सच्चाइयों में से एक है। मनुष्य अपने भविष्य की योजनाओं, संपत्ति, प्रतिष्ठा और उपलब्धियों में इतना उलझ जाता है कि वर्तमान जीवन का मूल्य कई बार भूल जाता है। मृत्युबोध हमें निराश करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन को अधिक जिम्मेदारी से जीने की प्रेरणा देने के लिए होना चाहिए। जब व्यक्ति यह समझता है कि जीवन अनिश्चित है, तब उसके लिए संबंधों की अहमियत, दूसरों के प्रति संवेदना और समय का सदुपयोग अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। किसी सार्वजनिक व्यक्ति के जीवन या मृत्यु से जुड़े प्रसंगों को प्रस्तुत करते समय भी यही संवेदनशीलता जरूरी है। निजी संदेशों, अंतिम क्षणों और चिकित्सा संबंधी घटनाओं को लेकर भावनात्मक कहानियां पाठकों का ध्यान खींच सकती हैं, लेकिन उनका प्रकाशन तभी उचित है, जब उनकी प्रामाणिकता की पुष्टि हो। किसी व्यक्ति के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अर्थ यह नहीं है कि उसके जीवन से जुड़े अपुष्ट प्रसंगों को तथ्य बनाकर प्रस्तुत किया जाए। पत्रकारिता की विश्वसनीयता और मानवीय गरिमा, दोनों इसकी मांग करते हैं।

कलाकार की विरासत और समाज की जिम्मेदारीः नाना पाटेकर के अभिनय और सामाजिक कार्यों पर चर्चा करते हुए भारतीय सिनेमा की मौजूदा दिशा पर भी विचार करना चाहिए। आज फिल्म उद्योग में तकनीक, प्रचार और बड़े बजट का महत्व बढ़ा है। डिजिटल मंचों ने कलाकारों और फिल्मों को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचने के अवसर दिए हैं। इसके बावजूद अच्छे अभिनय, मजबूत पटकथा और सामाजिक संवेदना का महत्व कम नहीं हुआ है। दर्शक केवल भव्य दृश्य नहीं चाहते; वे ऐसे किरदार भी चाहते हैं, जिनमें उन्हें अपने जीवन, संघर्ष और समाज की झलक दिखाई दे। नाना जैसे कलाकारों का योगदान इस बात में है कि उन्होंने अभिनय की शक्ति को केवल नायकत्व या लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहने दिया। उनके किरदारों ने यह दिखाया कि मनुष्य विरोधाभासों से बना होता है। वह साहसी भी हो सकता है और कमजोर भी, संवेदनशील भी और कठोर भी। किसी पात्र को विश्वसनीय बनाने के लिए उसे पूरी मानवीय जटिलता के साथ प्रस्तुत करना पड़ता है। यही अभिनय की असली परीक्षा है। उनकी यात्रा से नई पीढ़ी के कलाकारों को भी सीख मिलती है। प्रतिभा के साथ अनुशासन, काम के प्रति ईमानदारी और अपनी मौलिक पहचान बनाए रखना जरूरी है। प्रसिद्धि हासिल करना एक उपलब्धि हो सकती है, लेकिन उस प्रसिद्धि का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता है, यह किसी कलाकार के व्यक्तित्व को अधिक गहराई देता है।

जनाधार विहीन सहयोगियों के सहारे संवैधानिक संस्थाओं पर चढ़ाई : दिशाहीन विपक्ष की रणनीति

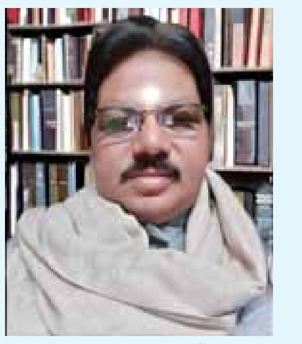

आचार्य अशोक चौधरी 'प्रियदर्शी'
कटिहार, बिहार

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ सत्ता का परिवर्तन संविधान के अनुसार होता है, सड़कों पर नहीं; जनादेश मतपेटियों से प्राप्त होता है, नारों से नहीं; और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों का दायित्व भीड़ के दबाव से नहीं, बल्कि संविधान और विधि के शासन से निर्धारित होता है। यही कारण है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था विश्व की सबसे परिपक्व व्यवस्थाओं में गिनी जाती है। किंतु पिछले कुछ समय से देश की राजनीति में एक ऐसी प्रवृत्ति दिखाई देने लगी है, जिसमें संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध असहमति को संस्थागत विमर्श के बजाय सड़क पर संघर्ष का विषय बनाया जा रहा है। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दृष्टि से भी गंभीर बहस की माँग करती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की माँग को लेकर जिस प्रकार की राजनीति सामने आई है, उसने अनेक संवैधानिक प्रश्नों को जन्म दिया है। विपक्ष के कुछ प्रमुख नेताओं ने धरना, प्रदर्शन और आंदोलन के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त को पद छोड़ देना चाहिए। कहीं आकाशवाणी भवन के समक्ष धरना दिया गया, तो कहीं जंतर-मंतर पर आंदोलन की घोषणाएँ हुईं। विभिन्न दलों ने समय-समय पर संयुक्त स्वर भी अपनाया और कई अवसरों पर अलग-अलग रुख भी दिखाई दिया। इस पूरे घटनाक्रम ने यह प्रश्न अवश्य खड़ा किया है कि क्या भारत जैसे संवैधानिक लोकतंत्र में किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को सड़क पर आंदोलन कर हटाया जा सकता है?

उत्तर स्पष्ट है—नहीं :भारत का संविधान मुख्य चुनाव आयुक्त को साधारण प्रशासनिक अधिकारी नहीं मानता। यह एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था का सर्वोच्च पद है। इसी कारण संविधान ने उसके लिए विशेष सुरक्षा और हटाए जाने की निर्धारित प्रक्रिया का प्रावधान किया है। यदि किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध गंभीर संवैधानिक आरोप हों, तो उनके परीक्षण और आवश्यक कार्रवाई के लिए विधिक एवं संसदीय व्यवस्था उपलब्ध है। अतः किसी भी राजनीतिक दल द्वारा सड़क के दबाव को संवैधानिक प्रक्रिया का विकल्प प्रस्तुत करना स्वाभाविक रूप से बहस का विषय बनता है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार पूर्णतः वैध है। यदि किसी राजनीतिक दल को निर्वाचन आयोग के किसी निर्णय, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) या मतदाता सूची की प्रक्रिया पर आपत्ति है, तो वह न्यायालय जा सकता है, आयोग के समक्ष तथ्य रख सकता है, संसद में बहस कर सकता है और चुनाव सुधारों की माँग कर सकता है। लेकिन यदि पूरा राजनीतिक विमर्श केवल एक व्यक्ति के इस्तीफे तक सीमित हो जाए, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या उद्देश्य संस्थागत सुधार है या राजनीतिक प्रतीक गढ़ना? यहीं विपक्ष की रणनीति पर गंभीर चर्चा आवश्यक हो जाती है। यदि वास्तव में चुनावी प्रक्रिया पर विश्वास बहाल करना लक्ष्य है, तो क्या देशव्यापी अभियान चुनाव सुधारों के लिए नहीं होना चाहिए? क्या राजनीतिक दलों को चुनावी वित्तपोषण की पारदर्शिता, धनबल और बाहुबल पर नियंत्रण, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशियों पर कठोर कानून, राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र और मतदाता सूची की तकनीकी शुद्धता जैसे विषयों पर व्यापक राष्ट्रीय विमर्श नहीं चलाना चाहिए? यदि इन मूल प्रश्नों के स्थान पर पूरा आंदोलन केवल "इस्तीफा दो" तक सीमित हो जाए, तो जनता के मन में आंदोलन की प्राथमिकताओं को लेकर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल सत्ता का विरोध करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को सुदृढ़ करना भी है। एक उत्तरदायी विपक्ष सरकार से तीखे प्रश्न पूछता है, उसकी नीतियों की आलोचना करता है, जनहित के मुद्दों को उठाता है और आवश्यकता पड़ने पर जनांदोलन भी करता है। किंतु लोकतांत्रिक संघर्ष और संवैधानिक मर्यादा के बीच संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। यदि यह संतुलन टूटने लगे, तो राजनीतिक संघर्ष संस्थागत अविश्वास का रूप लेने लगता है। मुख्य चुनाव आयुक्त के संदर्भ में यही मूल प्रश्न सामने आता है। यदि किसी संवैधानिक पदाधिकारी के विरुद्ध गंभीर आरोप हैं, तो क्या उनके परीक्षण के लिए संविधान ने कोई व्यवस्था नहीं बनाई है? भारत का उत्तर स्पष्ट है—व्यवस्था है। संसद है, न्यायपालिका है और संवैधानिक प्रक्रिया है। ऐसे में यदि इन संवैधानिक मार्गों की अपेक्षा सड़क पर आंदोलन को ही अंतिम उपाय के रूप में प्रस्तुत किया जाए, तो यह लोकतांत्रिक विमर्श को एक अलग दिशा में ले जाता है। भारतीय संविधान ने मुख्य चुनाव आयुक्त को विशेष सुरक्षा इसलिए प्रदान की कि वह तत्कालीन राजनीतिक दबावों से मुक्त होकर निष्पक्ष निर्णय ले सके। यदि प्रत्येक चुनाव के बाद हारने वाला दल आंदोलन कर चुनाव आयुक्त का इस्तीफा मांगने लगे, तो क्या निर्वाचन आयोग जैसी संस्था कभी स्वतंत्र रह पाएगी? यदि यह परंपरा स्थापित हो जाए तो भविष्य में कोई भी चुनाव आयोग राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर कार्य नहीं कर सकेगा। इसलिए संविधान ने इस पद को व्यक्ति नहीं, बल्कि संस्था के रूप में संरक्षित किया है। यही कारण है कि यह प्रश्न भी उठता है कि यदि विपक्ष को चुनाव प्रक्रिया पर वास्तविक आपत्ति है, तो उसका प्रमुख एजेंडा व्यापक चुनाव सुधार क्यों नहीं है? देश में चुनावी वित्तपोषण की पारदर्शिता, राजनीतिक दलों के आंतरिक लोकतंत्र, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों पर कठोर प्रावधान, चुनावी व्यय की निगरानी, मतदाता सूची को और अधिक त्रुटिरहित बनाने तथा चुनावी तकनीक के आधुनिकीकरण जैसे अनेक विषय हैं, जिन पर व्यापक राष्ट्रीय सहमति बन सकती है। यदि इन मूल प्रश्नों की अपेक्षा पूरा आंदोलन केवल एक संवैधानिक पदाधिकारी के इस्तीफे पर केंद्रित हो जाए, तो जनता स्वाभाविक रूप से पूछेगी कि प्राथमिकता सुधार है या राजनीतिक प्रतीक निर्माण। एक अन्य पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यदि किसी गठबंधन के सहयोगी दल स्वयं किसी मुद्दे पर एकमत दिखाई न दें, कभी संयुक्त मंच पर आएँ और कभी दूरी बना लें, तो आंदोलन की राजनीतिक शक्ति और विश्वसनीयता दोनों प्रभावित होती हैं। लोकतंत्र में एकजुटता केवल संयुक्त तस्वीरों से नहीं, बल्कि साझा रणनीति और स्पष्ट नीति से सिद्ध होती है। यदि नेतृत्व और सहयोगी दलों के बीच ही मतभेद सार्वजनिक रूप से दिखाई देने लगें, तो जनता के मन में आंदोलन की गंभीरता को लेकर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारतीय मतदाता आज पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सजग और विवेकशील है। वह केवल नारों से प्रभावित नहीं होता। वह यह भी देखता है कि कौन-सा राजनीतिक दल उसकी रोज़मर्रा की समस्याओं—रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, महँगाई, न्याय और सुशासन—पर ठोस विकल्प प्रस्तुत कर रहा है। यदि राजनीतिक विमर्श का अधिकांश भाग केवल व्यक्तियों के इस्तीफे की मांग तक सीमित रह जाए और नीतिगत विकल्प गौण हो जाएँ, तो जनता का ध्यान धीरे-धीरे उन दलों की ओर जाता है जो समाधान प्रस्तुत करते हैं।

एलजी से जेनजी और अल्फा तक – पीढ़ियां बदलती है जीवन-मूल्य नहीं

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

मानव सभ्यता का इतिहास केवल युद्धों, विजय-अभियानों, राजाओं, साम्राज्यों और सत्ता परिवर्तन का इतिहास नहीं है। यह उन जीवन-मूल्यों की भी यात्रा है, जिन्होंने मनुष्य को केवल जीवित प्राणी से एक संवेदनशील सामाजिक प्राणी बनाया। अहिंसा-सद्भाव, सरलता-शुचिता, संस्कृति-संस्कार, सादगी और ईमानदारी ऐसे ही मूल्य हैं, जिनकी उपयोगिता किसी एक कालखंड, पीढ़ी या विचारधारा तक सीमित नहीं है। कल की एलजी हो, उसके बाद की जीजी, आज की जेनजी या आने वाली अल्फा और उससे आगे की पीढ़ियां, समय के साथ जीवन जीने के तरीके बदलेंगे। तकनीक बदलेगी, संचार के साधन बदलेंगे, शिक्षा और रोजगार की प्रकृति बदलेगी, परिवार की संरचना बदलेगी और संभव है कि मनुष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ मिलकर अपने जीवन की नई परिभाषाएं गढ़े। लेकिन एक सवाल हमेशा बना रहेगा- मनुष्य कैसा हो? क्या वह संवेदनशील हो या केवल सफल? क्या वह ईमानदार हो या केवल चालाक? क्या वह सादगी को अपनाए या प्रदर्शन को जीवन का मानक बनाए? क्या वह दूसरों के सम्मान को महत्व दे या केवल अपने अधिकारों की बात करे? इन सवालों का उत्तर किसी अत्याधुनिक तकनीक के पास नहीं, बल्कि उन मानवीय मूल्यों के पास है जिन्हें हमारी सभ्यता ने सदियों से संजोया है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि पीढ़ियां बदल सकती हैं, लेकिन मानवता के मूल संस्कार अप्रासंगिक नहीं होते हैं। आज की दुनिया तेज है। कुछ सेकंड में सूचना एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक पहुंच जाती है। सोशल मीडिया ने संवाद को तत्काल बना दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने ज्ञान और काम करने के तौर-तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। बाजार ने उपभोग को जीवनशैली का हिस्सा बना दिया है। प्रतिस्पर्धा इतनी बढ़ गई है कि सफलता को अक्सर केवल आर्थिक उपलब्धि, पद, प्रसिद्धि और प्रभाव से मापा जाने लगा है। ऐसे समय में अहिंसा, सद्भाव, सादगी, शुचिता और ईमानदारी जैसे शब्द कुछ लोगों को पुराने जमाने की बातें लग सकते हैं। प्रश्न उठ सकता है कि जब दुनिया इतनी आगे बढ़ चुकी है तो क्या इन मूल्यों की अभी भी जरूरत है? उत्तर है कि पहले से भी अधिक। क्योंकि तकनीक मनुष्य को शक्तिशाली बना सकती है, लेकिन उसे संवेदनशील नहीं बना सकती। धन सुविधा दे सकता है, लेकिन संतोष नहीं खरीद सकता है। पद अधिकार दे सकता है, लेकिन सम्मान नहीं दिला सकता है। प्रसिद्धि व्यक्ति को लोगों की नजर में ला सकती है, लेकिन उसे आदर्श नहीं बना सकती है। आदर्श वही बनता है जिसका आचरण उसके शब्दों से बड़ा हो। आज सूचना की कमी नहीं है, लेकिन विवेक की आवश्यकता पहले से अधिक है। संपर्क बहुत हैं, लेकिन संबंधों में आत्मीयता का संकट दिखाई देता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन संवाद की संस्कृति कमजोर पड़ती दिखती है। अधिकारों की चर्चा है, लेकिन कर्तव्यों की बात कई बार पीछे छूट जाती है। यही वह स्थान है जहां जीवन-मूल्य फिर से हमारे सामने खड़े होते हैं। महात्मा गांधी की चर्चा होते ही अहिंसा का विचार सामने आता है। लेकिन अहिंसा को केवल शारीरिक हिंसा से बचने तक सीमित करना उसके व्यापक अर्थ को छोटा कर देना होगा। अहिंसा मनुष्य के विचार, वाणी और व्यवहार में भी दिखाई देती है। किसी व्यक्ति को अपमानित न करना, असहमति रखने वाले को शत्रु न मानना, कमजोर का शोषण न करना, क्रोध में दूसरे की गरिमा को चोट न पहुंचाना, ये सभी अहिंसा के व्यापक रूप हैं। आज डिजिटल दुनिया में अहिंसा की नई व्याख्या की जरूरत है। सोशल मीडिया पर किसी के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करना, बिना सत्यापन के किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री साझा करना, असहमति को व्यक्तिगत दुश्मनी में बदल देना, ये व्यवहार भले ही शारीरिक हिंसा न हो, लेकिन सामाजिक और मानसिक हिंसा का रूप ले सकते हैं। इसलिए गांधी की अहिंसा आज भी प्रासंगिक है। बल्कि डिजिटल युग में इसकी आवश्यकता और बढ़ गई है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता है। यहां भाषा, वेशभूषा, खान-पान, पूजा-पद्धति, परंपराएं और सामाजिक जीवन के अनेक रूप दिखाई देते हैं। ऐसी विविधता में सद्भाव केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन की आवश्यकता है। सद्भाव का अर्थ यह नहीं कि सभी लोग एक जैसा सोचें। बल्कि इसका अर्थ है कि अलग सोच रखने वाले लोग भी एक-दूसरे के सम्मान के साथ रह सके। लोकतांत्रिक समाज में मतभेद स्वाभाविक हैं। विचारों की विविधता स्वस्थ समाज का हिस्सा है। समस्या मतभेद में नहीं, बल्कि तब पैदा होती है जब मतभेद मनभेद में बदल जाता है। गांधी के सार्वजनिक जीवन में असहमति के बावजूद संवाद और नैतिक आग्रह का महत्व दिखाई देता है। आज के समय में भी यही भावना समाज को जोड़ सकती है। विचारों में विविधता हो सकती है, लेकिन व्यवहार में मर्यादा क्यों नहीं? यह प्रश्न आज की पीढ़ी को स्वयं से पूछना होगा। आधुनिक जीवन ने सुविधाओं को बढ़ाया है। सुविधा बुरी नहीं है। समस्या तब शुरू होती है जब सुविधा आवश्यकता से बढ़कर जीवन का उद्देश्य बन जाती है। सरलता का अर्थ गरीबी नहीं है और सादगी का अर्थ विकास से दूरी नहीं। सरलता का अर्थ है- जीवन में अनावश्यक दिखावे का बोझ न होना। शुचिता केवल बाहरी स्वच्छता नहीं है। यह विचारों, व्यवहार और आचरण की पवित्रता से भी जुड़ी है। व्यक्ति अकेले में जैसा व्यवहार करता है, वही उसके चरित्र की वास्तविक परीक्षा है। आज जब सोशल मीडिया पर जीवन का एक सजाया हुआ रूप प्रस्तुत करना सामान्य हो गया है, तब सादगी का अर्थ और महत्वपूर्ण हो जाता है। दूसरों को प्रभावित करने के लिए जीवन जीने के बजाय अपने भीतर संतोष और आत्मसम्मान पैदा करना कहीं अधिक स्थायी उपलब्धि है। संस्कृति को अक्सर केवल त्योहार, पोशाक, भाषा, भोजन और धार्मिक परंपराओं से जोड़ दिया जाता है। ये संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग हैं, लेकिन संस्कृति इससे कहीं व्यापक है। किसी बुजुर्ग से सम्मानपूर्वक बात करना, अतिथि का स्वागत करना, जरूरतमंद की सहायता करना, प्रकृति का सम्मान करना, परिवार के प्रति जिम्मेदारी निभाना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाना और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना भी संस्कृति है। संस्कार वही हैं जो व्यक्ति के व्यवहार में दिखाई दें। यदि कोई व्यक्ति बड़े-बड़े सांस्कृतिक प्रतीकों की बात करे लेकिन अपने व्यवहार में दूसरों का अपमान करे, तो उसके ज्ञान और आचरण के बीच दूरी दिखाई देती है। संस्कृति का वास्तविक परीक्षण मंच पर दिए गए भाषण में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के व्यवहार में होता है। मोहनदास करमचंद गांधी ने लगभग एक शताब्दी पहले जिस तरह अहिंसा, सत्य, आत्मसंयम और सद्भाव को सार्वजनिक जीवन से जोड़ा था, वह उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है। गांधी को समझने के लिए केवल राजनीतिक उपलब्धियों के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं है। उनका महत्व इस बात में भी है कि उन्होंने व्यक्तिगत आचरण और सार्वजनिक जीवन के बीच संबंध स्थापित करने का प्रयास किया। उन्होंने यह विचार सामने रखा कि साध्य जितना महत्वपूर्ण है, साधन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। हालांकि गांधी के व्यक्तित्व और राजनीतिक विचारों पर समय-समय पर बहस और आलोचना होती रही है। इतिहास के किसी भी बड़े व्यक्तित्व की तरह गांधी को भी उनके पूरे संदर्भ, विचारों, निर्णयों और उनके प्रभावों के साथ समझना चाहिए। उन्हें केवल महिमामंडित करना या केवल खारिज कर देना, दोनों ही दृष्टियां इतिहास को सीमित कर देती हैं। उनका स्थायी महत्व इस प्रश्न में भी है कि क्या सार्वजनिक जीवन में नैतिकता, आत्मसंयम और अहिंसक संघर्ष की कोई जगह हो सकती है? यह प्रश्न आज भी जीवित है। भारत की स्वतंत्रता की कहानी किसी एक व्यक्ति की कहानी नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों के संघर्ष, त्याग, बलिदान और आकांक्षाओं की सामूहिक गाथा है। अनेक ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने-अपने तरीके से योगदान दिया। किसी ने आंदोलन का नेतृत्व किया, किसी ने जेल की यातना सही, किसी ने क्रांतिकारी मार्ग अपनाया, किसी ने। सामाजिक जागरण किया, किसी ने पत्रकारिता के माध्यम से जनमत बनाया और किसी ने अपने जीवन का सर्वस्व देश के लिए समर्पित कर दिया। इसलिए स्वतंत्रता को किसी एक व्यक्तित्व की उपलब्धि मानना उन असंख्य लोगों के योगदान को छोटा कर देगा जिन्होंने इस यात्रा में भूमिका निभाई। गांधी का सम्मान इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि स्वतंत्रता का पूरा श्रेय केवल उन्हें दिया जाए। उनका सम्मान उनके विचारों, उनके प्रयोगों, उनके सार्वजनिक जीवन और विशेष रूप से अहिंसा तथा सत्य के प्रति उनके आग्रह के संदर्भ में किया जाना अधिक सार्थक है। इसी प्रकार दूसरे स्वतंत्रता सेनानियों का मूल्यांकन भी उनके योगदान और विचारों के संदर्भ में होना चाहिए। इतिहास किसी एक चेहरे का नहीं, अनेक चेहरों का आईना है। यदि गांधी के साथ अहिंसा और सद्भाव की चर्चा होती है तो लाल बहादुर शास्त्री का नाम सादगी, विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा के संदर्भ में लिया जाता है। शास्त्री का सार्वजनिक जीवन यह संदेश देता है कि बड़ा पद व्यक्ति को बड़ा नहीं बनाता; उसके आचरण से उसकी ऊंचाई तय होती है। प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च राजनीतिक पद पर रहते हुए भी उनकी सादगी का उल्लेख आज तक किया जाता है। उनका व्यक्तित्व बताता है कि सार्वजनिक जीवन में शक्ति और विनम्रता साथ-साथ चल सकती हैं। उनका जीवन केवल राजनीतिक इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि आचरण का भी उदाहरण है। उनके प्रसिद्ध आह्वान 'जय जवान, जय किसान' ने देश की सुरक्षा और कृषि, दोनों को राष्ट्रीय जीवन के केंद्र में रखा है। यह संदेश आज भी देश के सैनिक और किसान के योगदान को समझने का एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। शास्त्री का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि पद अस्थायी है, लेकिन चरित्र की छाप लंबे समय तक रहती है। गांधी और शास्त्री अलग-अलग समय, परिस्थितियों और राजनीतिक भूमिकाओं से जुड़े व्यक्तित्व थे। दोनों की तुलना करना तभी सार्थक है जब हम उनके जीवन से मिलने वाले नैतिक संदेशों को समझे। गांधी हमें बताते हैं कि संघर्ष में भी मानवता बची रहनी चाहिए। शास्त्री बताते हैं कि सत्ता और जिम्मेदारी के बीच भी सादगी और कर्तव्यनिष्ठा कायम रह सकती है। गांधी के यहां अहिंसा और सत्य का आग्रह दिखाई देता है, तो शास्त्री के यहां सादगी, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना प्रमुख दिखाई देती है। दोनों के जीवन से एक साझा संदेश निकलता है कि "व्यक्ति की वास्तविक शक्ति उसके चरित्र में होती है"। नई पीढ़ी को अक्सर यह कहा जाता है कि आज के बच्चे पहले जैसे संस्कारी नहीं हैं। यह सामान्यीकरण उचित नहीं। हर पीढ़ी अपनी परिस्थितियों में जीवन जीती है। आज की पीढ़ी के पास ऐसी तकनीक और अवसर हैं जो पिछली पीढ़ियों के पास नहीं थे। लेकिन उसके सामने मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, सूचना की अधिकता और निरंतर तुलना जैसी नई चुनौतियां भी है। इसलिए नई पीढ़ी को केवल उपदेश देने से बात नहीं बनेगी। यदि माता-पिता ईमानदारी का पाठ पढ़ाएं और स्वयं छोटे लाभ के लिए नियम तोड़ें, तो संदेश प्रभावी नहीं होगा। यदि शिक्षक अनुशासन की बात करे लेकिन स्वयं जिम्मेदारी से बचता रहे, तो छात्र पर असर कम होगा। यदि समाज सम्मान की बात करे लेकिन असहमति रखने वाले व्यक्ति का अपमान करे, तो नई पीढ़ी भ्रमित होगी। संस्कार शब्दों से कम और उदाहरणों से अधिक आते हैं। यही कारण है कि गांधी और शास्त्री जैसे व्यक्तित्वों की चर्चा आज भी उपयोगी है। जेनजी डिजिटल युग में बड़ी हुई पीढ़ी है। उसके सामने अवसर भी अधिक हैं और विकल्प भी। वह दुनिया से तुरंत जुड़ सकती है। लेकिन इसी के साथ उसे सूचना और सत्य में अंतर करना, स्वतंत्रता और जिम्मेदारी का संतुलन समझना तथा लोकप्रियता और प्रतिष्ठा के बीच अंतर पहचानना भी सीखना होगा।

संक्षिप्त समाचार

हिमालया बेबीकेयर ने गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट के विजेताओं की घोषणा की

रांची। डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित नंबर 1 ब्रांड, हिमालया बेबीकेयर ने अपने गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट के विजेताओं की घोषणा की है। कॉन्टेस्ट में उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत से कुल 12 विजेताओं को चुना गया। इनमें चार विजेताओं को 1-1 लाख रुपये मूल्य का सोना और आठ विजेताओं को 10-10 हजार रुपये के सिल्वर वाउचर प्रदान किए गए, जिन्हें तनिष्क या कल्याण के कॉइन्स के रूप में प्राप्त किया जा सकता है। हिमालया बेबी गोल्डन गिफ्ट पैक को खास गोल्ड-एडिशन गिफ्ट पैक के तौर पर पेश किया गया था। इसके जरिए ग्राहकों को 'हिमालया गोल्डन मोमेंट्स प्रोग्राम' में हिस्सा लेने का अवसर मिला। प्रतिभागियों को पैक के अंदर मौजूद लीफलेट को स्क्रैच कर यूनिक कोड प्राप्त करना, क्यूआर कोड स्कैन करना और अपने बच्चे के साथ बिताई अनमोल याद को अपलोड करना था। सभी प्रतिभागियों को 500 रुपये मूल्य की माय बेबी एन्ड मी ई-बुक निःशुल्क दी गई। इस घोषणा में प्रमुखता से शामिल विजेताओं में विनोथिनी लियो, सुश्री संगीता बेउरा, जयंती देवी, डेविड राज डेवेराकोंडा और सरफराज अहमद शामिल हैं। इस अवसर पर चक्रवर्ती एन. वी., डायरेक्टर बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस ने कहा कि 'गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट' माता-पिता होने के रोजमर्रा के पलों का जश्न मनाने और परिवारों से जुड़ने का अवसर था।

झारखंड में मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए 31 अक्टूबर तक मौका, अंतिम सूची 30 नवंबर को होगी प्रकाशित

रांची। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और सुधार के लिए प्राप्त आवेदनों के डिजिटाइजेशन का कार्य जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय की ओर से 9 अक्टूबर को जारी बुलेटिन के अनुसार, फॉर्म-6 के माध्यम से नए मतदाताओं के कुल 7,61,307 आवेदन डिजिटाइज किए गए हैं। वहीं, फॉर्म-6ए के तहत 117, फॉर्म-7 के तहत 16,423 और फॉर्म-8 के तहत 5,02,699 आवेदन डिजिटाइज किए गए हैं। 8 अक्टूबर को फॉर्म-6 के 7,612, फॉर्म-7 के 726 और फॉर्म-8 के 4,259 आवेदनों का डिजिटाइजेशन किया गया। इस दिन फॉर्म-6ए का कोई आवेदन डिजिटाइज नहीं हुआ। निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6, विदेश में रहने वाले भारतीय मतदाताओं के लिए फॉर्म-6ए, नाम विलोपित करने के लिए फॉर्म-7 तथा नाम, पता सहित अन्य विवरणों में सुधार या स्थानांतरण के लिए फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। दावा-आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 नवंबर 2026 को होगा। छूटे हुए पात्र भारतीय नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने के उद्देश्य से 7, 8 और 9 अक्टूबर को विशेष डिजिटाइजेशन कैंप आयोजित किए गए। इन शिविरों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को प्राप्त आवेदनों का डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। साथ ही, आउटरीच अभियान के माध्यम से पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रभाष गुप्ता बने राष्ट्रीय एकता मंच के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष

देवघर। राष्ट्रीय एकता मंच के अखिल भारतीय अध्यक्ष रामजी लाल वैष्णव ने प्रभाष गुप्ता को झारखंड प्रदेश का प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। उनके राष्ट्रभक्ति, सेवा और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रभाष गुप्ता ने कहा कि वे संगठन की मजबूती और सेवा, सहयोग, शांति व एकता के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उनके मनोनयन पर मित्रों, शुभचिंतकों एवं गणमान्य लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।

रुपी सोरेन परिवार के प्रति ममता, त्याग एवं समर्पण की मिसाल थी : निसार खान

हजारीबाग। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माताजी एवं दिशोम गुरू शिबू सोरेन की धर्मपत्नी रुपी सोरेन की आकस्मिक निधन पर जिला कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष निसार खान ने गहरा शोक व्यक्त किया है । उन्होंने कहा कि रुपी सोरेन के निधन का समाचार अत्यन्त दुःखद एवं मर्माहत करने वाला है । उनके निधन से सोरेन परिवार ने एक स्नेहमयी मातृशक्ति खो दिया है । निसार खान ने कहा कि रुपी सोरेन ने जीवन भर दिशोम गुरू शिबू सोरेन के संघर्षों में साथ निभाया और परिवार के प्रति ममता, स्नेह त्याग एवं समर्पण की मिसाल कायम की । उनका जीवन संघर्ष पारिवारिक समर्पण और सादगी का प्रतीक रहा । उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठीन समय में उनकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ है । उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा परिजनों को आपार दुःख की सहन शक्ति देने की प्रार्थना की ।

दुर्गापूजा व दशहरा को लेकर हजारीबाग जिला प्रशासन मुस्तैद

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। आगामी दुर्गापूजा एवं दशहरा पर्व को जिले में शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर हजारीबाग जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। शुक्रवार को समाहरणालय भवन में उपायुक्त हेमंत सती एवं पुलिस अधीक्षक अमन कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में विधि-व्यवस्था और शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्व के सफल आयोजन को लेकर समीक्षा की गई तथा पूजा समितियों, आम नागरिकों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी की गई। 11 से 20 अक्टूबर तक चलने वाले इस उत्सव में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता और भीड़ प्रबंधन पर विशेष जोर दिया है। पंडालों में नायलॉन या ज्वलनशील पदार्थों का प्रयोग पूरी तरह वर्जित रहेगा। समितियों को अग्निशमन (फायर सेफ्टी), पीडब्ल्यूडी (मजबूती) और विद्युत विभाग से एनओसी प्राप्त करना अनिवार्य होगा। सभी छोटे-बड़े पंडालों में सीसीटीवी कैमरे, एलईडी स्क्रीन और पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम लगाना अनिवार्य है। वॉलंटियर्स को ड्रेस कोड व आईडी कार्ड देना होगा और उनकी सूची स्थानीय थाने में जमा करानी होगी। पर्याप्त अग्निशमन उपकरण, फर्स्ट एड किट और निर्बाध बिजली हेतु जनरेटर की व्यवस्था रखनी होगी। रावण दहन के स्थान पर एम्बुलेंस की प्रतिनियुक्ति रहेगी। पंडाल भ्रमण के दौरान निजी वाहनों का उपयोग कम से कम करें और कीमती गहने या सामान पहनकर निकलने से बचें। छोटे बच्चों की जेब में नाम, पता और मोबाइल नंबर लिखी पर्ची जरूर रखें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत नजदीकी पुलिसकर्मी या जिला नियंत्रण कक्ष (8002529349 / 112) पर दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, उत्तेजक, भ्रामक या अफवाह फैलाने वाली सामग्री पोस्ट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिना सत्यापन के कोई भी संदेश फॉरवर्ड न करने की सख्त हिदायत दी गई है।

त्योहारों से पहले हजारीबाग की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करे नगर निगमः मुन्ना सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।आगामी दुर्गापूजा, दीपावली और छठ पूजा जैसे प्रमुख त्योहारों से ठीक पहले शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था पर कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने शहर के विभिन्न इलाकों का जायजा लेने के बाद कहा कि कई प्रमुख सड़कों, चौराहों और मोहल्लों में कचरे का अंबार लगा हुआ है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने लक्ष्मी टॉकीज के पास स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समीप, बस स्टैंड, कानी बाजार, मटवारी और रामनगर सहित कई क्षेत्रों की गंदगी की तस्वीरें भी जारी कीं। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में सड़कों पर बिखरा कचरा न केवल शहर की सुंदरता को प्रभावित कर रहा है, बल्कि बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ा रहा है। सफाई व्यवस्था को अविलंब दुरुस्त करने की मांग को लेकर मुन्ना सिंह ने हजारीबाग के मेयर अरविंद राणा और नगर आयुक्त ओम कुमार गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की कि जिन-जिन स्थानों पर कचरा जमा है, वहां से तत्काल उठाव सुनिश्चित कराया जाए और त्योहारों के मद्देनजर विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। कांग्रेस नेता ने कहा कि स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यह व्यवस्था केवल पर्व-त्योहारों तक सीमित न रहकर पूरे वर्ष नियमित रहनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि निगम प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द ठोस कदम उठाएगा

» मेयर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर कचरा उठाव और नियमित सफाई की उठाई मांग

प्रतापपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पिकअप से 950.40 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

» मुरही के बोरों के नीचे छिपाकर ले जाई जा रही थी 5,280 बोतल शराब, भैंस को धक्का मारकर भागने की सूचना पर पकड़ा गया वाहन; चालक और सहचालक फरार

प्रतापपुर (चतरा)।प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जोगियारा के समीप जोरी–प्रतापपुर मुख्य मार्ग पर शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिंद्रा बोलेरो मैक्सी ट्रक पिकअप से 950.40 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। पुलिस ने शराब की खेप के साथ पिकअप वाहन को भी जब्त कर लिया है। वहीं, पुलिस को आते देख वाहन का चालक और सहचालक मौके से फरार हो गए। **भैंस को धक्का मारकर भागने की मिली थी सूचनाः**घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, 9 अक्टूबर को प्रतापपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम जोगियारा के समीप जोरी–प्रतापपुर मुख्य मार्ग पर एक पिकअप वाहन भैंस को धक्का मारकर भाग रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस बल ने त्वरित कार्रवाई की और संबंधित पिकअप वाहन को पकड़ लिया। **तलाशी के दौरान मुरही के बोरों के नीचे मिली शराबः** वाहन को पकड़ने के बाद पुलिस ने उसकी तलाशी ली। इस दौरान पिकअप के डाले में मुरही के बोरों के नीचे छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद हुई। शराब की खेप देखकर पुलिस ने तत्काल शराब और वाहन को विधिवत जब्त कर लिया। **दो ब्रांड की 5,280 बोतलें बरामदः**पुलिस द्वारा बरामद शराब में ऑफिसर चॉइस ओरिजिनल व्हिस्की की 180 एमएल वाली 48 पेटियां शामिल हैं, जिनमें कुल 2,304 बोतलें हैं। इसकी कुल मात्रा लगभग 414.72 लीटर है। वहीं, ब्लू स्ट्रोक एक्वाइजिट व्हिस्की की 180 एमएल वाली 62 पेटियां बरामद की गईं, जिनमें कुल 2,976 बोतलें हैं। इसकी कुल मात्रा लगभग 535.68 लीटर है। इस प्रकार पुलिस ने कुल 110 पेटियों में 5,280 बोतलें, यानी लगभग 950.40 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की। इसके साथ ही शराब की ढुलाई में इस्तेमाल किए जा रहे महिंद्रा बोलेरो मैक्सी ट्रक पिकअप वाहन को भी जब्त किया गया। **चालक और सहचालक फरार, प्राथमिकी की कार्रवाई जारीः**पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान वाहन का चालक और सहचालक पुलिस को आते देख मौके से फरार हो गए। मामले में वाहन के अज्ञात मालिक, चालक एवं सहचालक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रतापपुर थाना पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब की ढुलाई को लेकर मामला चर्चा में है। अब जांच के बाद ही शराब की खेप के स्रोत, गंतव्य और इस कारोबार में शामिल लोगों के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आ सकेगी।

इटखोरी थाना परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक, सौहार्दपूर्ण आयोजन पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

» बैठक की अध्यक्षता अंचलाधिकारी सविता सिंह ने की, जबकि मुख्य रूप से थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह मौजूद रहे

इटखोरी।थाना परिसर में शांति समिति की बैठक में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं सैकड़ों समाजसेवियों ने भाग लिया। इस दौरान आगामी दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से मनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। प्रशासन और पुलिस की ओर से पूजा के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सभी से सहयोग की अपील की गई। साथ ही पूजा आयोजन के दौरान आपसी सहयोग और जिम्मेदारियों को लेकर भी चर्चा हुई। अंचलाधिकारी सबिता सिंह ने कहा कि अश्लिल और द्विअर्थी गानों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि भक्तिमय माहौल बनाने वाले संगीत को ही बजाया जाय । इस बात का विशेष ध्यान रखा जय की किसी दूसरे संप्रदायों की धार्मिक भावना पर ठेस नहीं पहुंचे।असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा।साथ ही उन्होंने सभी पूजा समितियों को पंडालो में सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापन का निर्देश दिया ।थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य दुर्गा पूजा के दौरान क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना है। उपस्थित पूजा समिति के सदस्यों एवं समाजसेवियों ने भी बेहतर व्यवस्था के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया।

कांग्रेस का काला दिवस नहीं, काले कारनामों का पश्चाताप दिवस है : दीनदयाल बरनवाल

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता दीनदयाल बरनवाल ने झारखंड कांग्रेस द्वारा 10 अक्टूबर को काला दिवस मनाने के ऐलान पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को लोकतंत्र की दुहाई देने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को आपातकाल लागू कर कांग्रेस ने लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला घोंटा था। उस दौरान विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया और प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई। बरनवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव हारने पर चुनाव आयोग, ईवीएम और मतदाता सूची पर सवाल उठाती है। उन्होंने झारखंड में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को संवैधानिक प्रक्रिया बताते हुए कहा कि कांग्रेस इसका विरोध अपनी राजनीतिक हार के डर से कर रही है। उन्होंने कांग्रेस पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जीतने पर चुनाव आयोग सही और हारने पर गलत हो जाता है। बरनवाल ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, जमीन और खनन घोटालों तथा ट्रांसफर-पोस्टिंग में वसूली जैसे मुद्दों को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के इशारे पर कांग्रेस काला दिवस मनाकर विरोध की राजनीति कर रही है। बरनवाल ने कांग्रेस से अपने शासनकाल के कथित भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। साथ ही आशंका जताई कि काला दिवस के नाम पर सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस की राजनीति को समझ चुकी है और उसका विरोध कार्यक्रम सफल नहीं होगा।

दारू थाना क्षेत्र में प्रशासन की कार्रवाई, अवैध विदेशी शराब का जखीरा बरामद, आरोपी फरार

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग (दारू) । हजारीबाग जिले के दारू थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने अवैध शराब के क्रय-विक्रय के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष छापेमारी अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक घर में छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को 8 अक्टूबर 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि दारू थाना क्षेत्र के ग्राम-जोनहिया निवासी राहुल कुमार गुप्ता (पिता- स्व. समान्तो साव) अपने घर में अवैध शराब छिपाकर रख रहा है और उसकी खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। 720 बोतल शराब और 200 खाली बोतलें जब्त छापेमारी दल ने 9 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 7:30 बजे राहुल कुमार गुप्ता के पुराने घर में छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को "ICONIQ BEVERAGES EL-CHAPO Extra Premium Whisky" (जिस पर 'FOR SALE IN GOA' लिखा हुआ था) की 750 ML की कुल 60x12 = 720 बोतलें बरामद हुईं। इसके अलावा सिग्नेचर कंपनी की लगभग 200 खाली बोतलें भी जब्त की गईं। छापेमारी के दौरान आरोपी राहुल कुमार गुप्ता अपने घर से फरार पाया गया। इस संबंध में दारू थाना में कांड संख्या 94/26, दिनांक 09.10.2026, धारा 274/275 BNS एवं 47(a) उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ दारू थाना में पूर्व से मामला (कांड सं. 42/25) दर्ज है। छापेमारी के दौरान पु०अ०नि० मृत्युंजय कुमार सिंह (थाना प्रभारी, दारू थाना) स०अ०नि० पिंटू कुमार दारू थाना, हवलदार रामेश्वर गोप आ०/37 धनंजय कुमार सिंह , आ०/1645 धनेश्वर साव शामिल थे.

त्योहारों से पहले 108 एंबुलेंस कर्मियों की समस्याओं का हल निकाले सरकार, इनका भी है परिवारः रंजन चौधरी

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। आगामी त्योहारों के सीजन को ध्यान में रखते हुए 108 एंबुलेंस कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने झारखंड सरकार और स्वास्थ्य विभाग से पुरजोर अपील की है। एंबुलेंस कर्मियों के चरणबद्ध आंदोलन का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि दिन-रात जनसेवा में जुटे इन फ्रंटलाइन वॉरियर्स की समस्याओं की अनदेखी अब बंद होनी चाहिए। जमीनी हकीकत और स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठाए सवाल राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं पर निशाना साधते हुए रंजन चौधरी ने कहा कि जो कर्मचारी खटारा गाड़ियों को धक्का देकर चलाते हैं और रात के समय जान जोखिम में डालकर मरीजों की मदद करते हैं, आज उन्हें अपने हक के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "सूबे के स्वास्थ्य मंत्री सिर्फ बयानबाजी में व्यस्त हैं। धरातल पर 'नाम बड़े और दर्शन छोटे' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। एक ओर सितारा होटलों के सभागार में उन्नत तकनीक और एआई आधारित चिकित्सा पर सेमिनार हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत यह है कि जरूरतमंद मरीजों को समय पर एक एंबुलेंस तक नसीब नहीं हो पा रही है।" **वेतन और बकाया सुविधाओं पर ठोस कार्रवाई की मांगः** रंजन चौधरी ने कहा कि त्योहारों के दौरान सड़क दुर्घटनाओं और आपातकालीन चिकित्सा की जरूरतें काफी बढ़ जाती हैं। ऐसे में एंबुलेंस कर्मियों के परिवार के हितों का ध्यान रखना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि कर्मचारियों के लंबित वेतन, ईपीएफ (EPF), ईएसआई (ESI) और ओवर-टाइम की समस्याओं पर बार-बार आश्वासन देने के बजाय सरकार तत्काल ठोस और समयबद्ध कार्रवाई करे। सांसद मीडिया प्रतिनिधि ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि संकट की घड़ी में एंबुलेंस कर्मी ही जरूरतमंद परिवारों की आखिरी उम्मीद होते हैं। उनके अधिकारों की रक्षा करना भी जनसेवा का ही हिस्सा है। उन्होंने राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग से अविलंब हस्तक्षेप करने की मांग की, ताकि कर्मचारियों को न्याय मिले और त्योहारों के दौरान आम जनता को मिलने वाली जीवनरक्षक एंबुलेंस सेवा बिना किसी बाधा के जारी रह सके।

भद्रकाली मंदिर परिसर में आज विराट शिवचर्चा, 50 हजार शिव शिष्यों के जुटने की उम्मीद

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी (चतरा)। सिद्धपीठ मां भद्रकाली मंदिर परिसर में आज 10 अक्टूबर को विराट शिव महोत्सव सह शिवचर्चा का आयोजन होने जा रहा है। शिव शिष्य परिवार की ओर से आयोजित इस महोत्सव को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पिछले दिनों भद्रकाली रोड स्थित होटल सूर्या में शिव शिष्यों की बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई थी, जिसमें चतरा, औरंगाबाद, गया, अरवल, दाउदनगर समेत झारखंड-बिहार के सैकड़ों गुरु भाई-बहनों ने भाग लिया था। आयोजकों के अनुसार इस विराट शिवचर्चा में झारखंड, बिहार, बंगाल और छत्तीसगढ़ से लगभग 50 हजार की संख्या में शिव शिष्य परिवार के सदस्य शामिल होंगे। कार्यक्रम में शिव शिष्य परिवार के संस्थापक दिवंगत साहब श्री हरिंद्रानंद जी के परिवार को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। उनके बड़े पुत्र अर्चित आनंद भी इस आयोजन से जुड़े रहेंगे। शिव शिष्यों का मानना है कि यह शिवचर्चा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि आत्मा से परमात्मा के मिलन का माध्यम है। मां भद्रकाली मंदिर परिसर तीन धर्मों की संगम स्थली है, यहां मां भद्रकाली के साथ 1008 शिवलिंग वाला सहस्र शिवलिंग भी स्थित है, जहां एक लोटा जल से 1008 शिवलिंगों पर जलाभिषेक होता है, इसलिए इस स्थान पर शिवचर्चा का विशेष महत्व है। आज होने वाली शिवचर्चा में शिव गुरु के बताए मार्ग पर चलने, दया, करुणा और लोक कल्याण की चर्चा होगी। प्रशासन और आयोजकों ने मिलकर पेयजल, शौचालय, मेडिकल टीम, पार्किंग और सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की है। इटखोरी थाना की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। इटखोरी बाजार से मंदिर तक श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वयंसेवकों की टीम लगाई गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए शिव परिवार के सौजन्य से जर्जर बक्सा पुल की अस्थाई रूप से मरम्मति कर दी गई है ताकि शिव चर्चा में आनेवाले श्रद्धालुओं और आम लोगों को कोई कठिनाई नहीं हो। गौरतलब है कि भद्रकाली मंदिर चतरा जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर पूर्व और जीटी रोड चौपारण से 16 किलोमीटर पश्चिम में महाने और बक्सा नदी के संगम पर स्थित है। सावन और नवरात्र में यहां लाखों श्रद्धालु आते हैं। आज के इस विराट शिवचर्चा को लेकर पूरे इटखोरी में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। इस आशय की जानकारी देते हुए अखिलेश प्रसाद ने कहा ही इस शिव चर्चा में अपार भीड़ जुटने की पूरी संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

फैसल रहमानी जैसे फर्जी धर्मगुरु देश के लिए खतराः-मौलाना मंजूर

पटना।मुस्लिम एकता मंच बिहार प्रदेश के उपाध्यक्ष मौलाना मंजूर ने कहा कि इमारत शरिया को लूटने वाले फैसल रहमानी आवाम के बीच में आकर बताएं कि उन्होंने इमारत को कितना नुकसान पहुंचा है। चोर डाकुओं की तरह छुपते रहना और अपने अनुयाई से फर्जी केश किसी सामाजिक व्यक्ति पर करने की कोशिश इससे स्पष्ट है कि फैसल रहमानी एवं फहद रहमानी ने इमारत शरिया को जमकर लूटा है और अमेरिका में करोड़ों की संपत्ति बनाई है। फैसल रहमानी को मुस्लिम धर्म का कोई भी ज्ञान नहीं है और ना ही किसी संस्था से आलीम की डिग्री प्राप्त की है।इसका जवाब तो फैसल रहमानी बिहार, झारखंड ,उड़ीसा, पश्चिम बंगाल के लोगों को देना ही होगा। मुस्लिम समुदाय के बीच में खुद को मुस्लिम धर्मगुरु कहते हैं लेकिन समाज को तोड़ने और बहरूपिया बनकर हम सभी के चंदा से करोड़पति बन बैठे हैं। फैसल रहमानी भारत का नागरिक नहीं है क्योंकि इस व्यक्ति ने अमेरिका का नागरिकता प्राप्त किया हुआ है ऐसे लोगों से हमारे समाज, बिहार और देश को खतरा हो सकता है कि यहां के सरकारी कागजात एवं गोपनीय बातें दूसरे देशों में दे रहे हो जो उच्च स्तरीय जांच का विषय है। अमेरिका से आकर यह व्यक्ति देश के कई राज्यों में केंद्र एवं राज्य सरकारों के खिलाफ मुहिम छेड़ता है जो ठीक नहीं है। एक विदेशी नागरिक भारत जैसे देश में फर्जी धर्मगुरु बनकर देश के लिए खतरा बन गया है। मुंगेर में कई लोगों के जमीन को कब्जा करके दुरुपयोग कर रहा यह व्यक्ति किसी समाज का धर्म गुरु कैसे हो सकता है। चुनाव के समय में मंच साझा करना, राजनीतिक बयान देना, केंद्र सरकार के बनाए जा रहे कानून का विरोध करना तथा लोगों को सरकार के विरोध में भड़काना यह दर्शाता है कि बिहार और देश को फैसल रहमानी जैसे व्यक्ति से खतरा है।

प्रेम यूथ फाउंडेशन ने चलाया सड़क सुरक्षा अभियान

पटना।प्रेम यूथ फाउंडेशन द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। स्वयंसेवकों ने मुख्य मार्ग पर बाइक सवारों को रोककर हेलमेट के महत्व को समझाया। अभियान के दौरान युवाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर संदेश दिया सुरक्षा पहले गति बाद में, मत करो मस्ती जिंदगी नहीं है सस्ती। फाउंडेशन के निदेशक देवानंद ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें हेलमेट न पहनने के कारण होती हैं। यदि हर बाइक सवार हेलमेट पहने तो हजारों जानें बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन करना ही चाहिए । वाहन चलाते समय सीट बेल्ट, हेलमेट का प्रयोग करना मजबूरी नही जरूरी है । बेवजह हॉर्न बजाने से भी बचना चाहिए । नाबालिग को वाहन चलाने न दे साथ ट्रैक्टर एवं हाइवा इट और बालू को ढंक कर ही ले जाये । उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। मौके पर नितिन कुमार, श्रवण पासवान, बजरंगी यादव समेत दर्जनों स्वयसेवको ने भाग लिया ।

पटना में बेस्टसाउंड सेंटर 3.0 शुरू, 75 जरूरतमंदों को मिलीं 150 कान की मशीनें

पटना।ऑडिगो हियरिंग सॉल्यूशंस और वैश्विक हियरिंग केयर कंपनी डब्ल्यूएस ऑडियोलॉजी (डब्ल्यूएसए) ने पटना में बेस्टसाउंड सेंटर 3.0 की शुरुआत की। इसका उद्देश्य बिहार में आधुनिक श्रवण जांच, बेहतर उपचार और कान की मशीनों से जुड़ी सुविधाओं को सुलभ बनाना है। इस अवसर पर डब्ल्यूएसए और सूर्योदय फाउंडेशन ने 75 जरूरतमंद लोगों को 150 हियरिंग एड्स वितरित किए। पीएमसीएच के सामने, अशोक राजपथ स्थित इस केंद्र में श्रवण क्षमता की जांच, परामर्श, हियरिंग एड का परीक्षण, फिटिंग और उपचार के बाद देखभाल की सुविधा उपलब्ध होगी। केंद्र में आधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की मदद से लोगों को उनकी जरूरत के अनुसार हियरिंग सॉल्यूशन उपलब्ध कराया जाएगा। यहां सिग्निया और वाइडेक्स ब्रांड की कान की मशीनें भी उपलब्ध होंगी। डब्ल्यूएसए इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अविनाश पवार ने कहा कि हियरिंग केयर सुविधाएं लोगों की आर्थिक स्थिति या उनके निवास स्थान पर निर्भर नहीं होनी चाहिए। वहीं, ऑडिगो के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ मनीष कुमार ने कहा कि इस पहल से बिहार के लोगों को उन्नत श्रवण देखभाल के लिए दूसरे शहरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। इस पहल के तहत सूर्योदय फाउंडेशन के सहयोग से श्रवण समस्या से पीड़ित जरूरतमंदों की पहचान कर उन्हें मशीनें दी गईं। लाभार्थियों को आगे भी फॉलो-अप और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वर्ष 2019 में स्थापित ऑडिगो के बिहार, झारखंड समेत विभिन्न राज्यों में 20 से अधिक केंद्र हैं।

संघ के अध्यक्ष मुकेश तांती ने सांसद संजय कुमार झा से की मुलाकात

दानापुर।मुकेश कुमार तांती अध्यक्ष पान चौपाल बुनकर महादलित संघ, बिहार के नेतृत्व मे NDA गठबंधन के मजबूत स्तम्भ JDU के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, पूर्व मंत्री, बिहार सरकार एवं राज्यसभा सांसद माननीय संजय कुमार झा से पान समाज के आरक्षण सहित समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक एवं सार्थक वार्ता हुई। संघ के अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि पान, चौपाल समाज के अधिकारों और हितों की इस पहल को आगे भी मजबूती मिलेगी। मुख्य रूप से पान समाज के आरक्षण की वापसी की दिशा में प्रयास जारी है। उन्होंने बताया कि एनडीए सरकार महादलित एवं वंचितो के अधिकार एवं उत्थान के लिए सदैव तत्पर है।

JLKM ने मयूरहंड प्रखंड कमिटी का किया विस्तार, 2029 के चुनाव की तैयारियों पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड (चतरा)।झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) द्वारा आज मयूरहंड प्रखंड में संगठनात्मक विस्तार को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम झारखंड के मुख्यमंत्री के माता रूपी सोरेन के दिगन्त आत्मा के शांति के लिये एक मिनट तक मौन धारण कर बैठक का शुभ आरम्भ किया गया। मयूरहंड प्रखंड कमिटी का पूर्ण रूप से विस्तार किया गया तथा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस बैठक का संचालन प्रखंड पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने किया। बैठक में जिला महासचिव कृष्ण कुमार वर्मा ओर जिला अध्यक्ष कैलाश कुमार महतो के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संगठन को मजबूत बनाने और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर चर्चा हुई। बैठक में जिला सचिव राजेश कुमार महतो, जिला वरीय उपाध्यक्ष भानु कुमार महतो, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र महतो, जिला परिषद अध्यक्ष ,जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष सरिता देवी, जिला उपाध्यक्ष संदीप कुमार यादव, जिला वरीय उपाध्यक्ष सरयू महतो पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मयूरहंड प्रखंड कमिटी के विभिन्न पदों के लिए सदस्यों का आवेदन किया गया। इसमें अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी सहित अन्य पदों फॉर्म भर्रा गया I उपस्थित पार्टी के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने संगठन के विस्तार और मजबूती के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। बैठक में वर्ष 2029 में होने वाले चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन की भावी रणनीति, जनसंपर्क अभियान तथा ग्रामीण स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के विचार धारा को गांव-गांव तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने पर जोर दिया। अंत में जिला अध्यक्ष के निर्देशानुसार सभा का समापन किया गया। इस दौरान सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने की अपील की गई। **संगठन का लक्ष्यः** गांव-गांव तक संगठन का विस्तार, जनसमस्याओं की आवाज बुलंद करना और आगामी चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करना। बैठक में संगठन के विस्तार और आगामी गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान इंद्रदेव दांगी, उमेश दांगी, उदय दांगी, बरमदेव दांगी, राहुल राणा, रंजीत दांगी, अवधेश पांडेय, विजय दांगी, दीपनारायण दांगी, महेंद्र राणा, पियूष कुमार और लिखू कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। जिला महासचिवः कृष्ण कुमार वर्मा ,जिला अध्यक्षःकैलाश कुमार महतो,जिला मीडिया प्रभारीःविकास कुमार दांगी

मयूरहंड में FCI गोदाम की ढलाई पर उठे सवाल, प्राक्कलन की अनदेखी का आरोप

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रखंड कार्यालय के सामने चल रहा निर्माण कार्य, गुणवत्ता जांच और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल

मयूरहंड (चतरा)। मयूरहंड प्रखंड विकास कार्यालय के समीप स्थित FCI गोदाम परिसर में चल रहे ढलाई कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। निर्माण कार्य में निर्धारित प्राक्कलन का पालन नहीं किए जाने और ढलाई के बाद नियमित रूप से पानी का छिड़काव नहीं करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर उठ रही इन शिकायतों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि ढलाई कार्य में निर्धारित मानकों का समुचित पालन नहीं किया जा रहा है। वहीं, निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर जनप्रतिनिधियों द्वारा विरोध जताए जाने के बावजूद सुधार नहीं होने की बात कही जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रखंड विकास कार्यालय के ठीक सामने निर्माण कार्य चलने के बावजूद संबंधित अधिकारियों द्वारा इसकी गुणवत्ता की जांच की गई है या नहीं। यदि निर्माण कार्य में किसी

दिन दहाड़े चोरों ने फ्लैट का ताला तोड़ नगद समेत लाखों के जेवरात ले उड़े चोर

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर।अज्ञात चोरों ने दिन दहाड़े एक अपार्टमेंट में घुसकर गये एवं एक बंद फ्लैट का ताला तोड़ सोने, चांदी व हीरे के लाखों के जेवरात एवं 10 हजार नगद समेत कीमती सामान की चोरी कर डाली। मामला दानापुर थाना क्षेत्र के नासरिगंज घुड़दौड़ स्थित वीनसम अंपायर अपार्टमेंट, ब्लाक बी के फ्लैट नंबर 201 की है। चोरों की सारी करतूत अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस संबंध में पीड़ित फ्लैट मालिक फूड कॉपरेशन ऑफ इंडिया में कार्यरत पंकज कुमार ने स्थानीय थाने में चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत की है। फ्लैट मालिक पंकज कुमार ने बताया कि शुक्रवार की सुबह वह और उनकी शिक्षिका पत्नी फ्लैट बंद कर अपने अपने ड्युटी पर गए हुए थे। दोपहर को पड़ोसियों ने सूचित किया कि उनके फ्लैट का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलने पर वह और उनकी पत्नी तुरंत अपने फ्लैट पर पहुंचे तो पाया कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और घर का सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा था। चोरों ने आलमिरा एवं अन्य जगहों पर रखे 10 हजार रुपए नगद, सोने का चैन, गले का हार, मंगटीका, 3 कान का सेट, मंगलसूत्र, डायमंड रिंग, सोने की अंगूठी, लॉकेट, चांदी का बेड़ा एवं अन्य सामान चोरी कर ली गई है। वारदात के बाद अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला गया तो उसमे तीन संदिग्ध लोग दोपहर में उनके अपार्टमेंट के ब्लॉक में जाते दिखे है। उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी जो मौके पर पहुंच जांच पड़ताल की। वही डॉग स्क्वॉड की टीम भी मौके पर पहुंच छानबीन की है। घटनास्थल पर मौजूद थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर पुलिस मामले कि छानबीन करने में जुट गई है।

रामानुजम डिग्री कॉलेज झरपो में 'नशा छोड़ो' जागरूकता अभियान का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

» विनोबा भावे विश्वविद्यालय में सम्मानित हुए छात्र

टाटीझरिया (हजारीबाग)।प्रखंड क्षेत्र स्थित रामानुजम डिग्री कॉलेज झरपो में छात्र-छात्राओं द्वारा 'नशा छोड़ो' जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को नशा मुक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम के तहत कॉलेज के विद्यार्थियों ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय में अपना शानदार प्रदर्शन दिखाया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सिगरेट, तंबाकू, गुटखा, शराब, गांजा और भांग सहित अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य एवं समाज पर पड़ने वाले घातक प्रभावों को जीवंत नाटकों व प्रस्तुतियों के जरिए दर्शाया। विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया कि नशा समाज और परिवार को किस प्रकार बर्बाद करता है तथा व्यक्ति के पूरे जीवन को अंधकार में धकेल देता है। नशा मुक्ति पर दिए गए इस शानदार संदेश और उत्कृष्ट नाटक प्रदर्शन के बाद सभी विद्यार्थियों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं ने आम लोगों से किसी भी प्रकार के नशे का सेवन न करने की अपील की और एक स्वस्थ व नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का आग्रह किया। इस अवसर पर प्राचार्य रंजीत कुमार मौर्या, उप प्राचार्य राहुल कुमार, सहयोगी शिक्षक अभिजीत सर, मुकेश सर एवं शिक्षिका बबली मैम उपस्थित रहे। वहीं भाग लेने वाले विद्यार्थियों में कुसुम कुमारी, रिया कुमारी, राखी कुमारी, अर्चना कुमारी, पूनम कुमारी, मीरा कुमारी, गीता कुमारी, शिवानी कुमारी, श्वेता कुमारी, बसंती कुमारी, शीला कुमारी, गूंजा कुमारी, शानिलता कुमारी एवं अन्य विद्यार्थी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित हुआ खुला दिवस, अभिभावकों की रही उत्साहजनक भागीदारी

नई सोच एक्सप्रेस

लातेहार। सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार में अर्द्धवार्षिक परीक्षा के आयोजन के पश्चात शुक्रवार को खुला दिवस (ओपन डे) का आयोजन किया गया। इस बार विद्यालय में पहली बार दो अलग-अलग केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। वाटिका खंड के लिये अलग स्थान निर्धारित किया गया जबकि, कक्षा तृतीय से दशम तक के भैया-बहनों के अभिभावकों को कृष्णचंद्र गांधी ऑडिटोरियम में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान में अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की उत्तरपुस्तिकाओं का अवलोकन किया व उनके शैक्षणिक प्रगति को समझने का प्रयास किया। विगत खुला दिवसों की तुलना में इस बार अभिभावकों की उपस्थिति अपेक्षाकृत अधिक रही। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से अभिभावकों को अपने बच्चों की प्रतिभा, शैक्षणिक उपलब्धियों व प्रगति को जानने का अवसर मिलता है। जहां कहीं भी सुधार की आवश्यकता होती है, वहां अभिभावक, वर्ग शिक्षक व विषय शिक्षक आपसी सामंजस्य स्थापित कर भैया-बहनों के सवार्गीण विकास के लिये आगे की योजना तैयार करते हैं। उन्होंने अभिभावकों व शिक्षकों के बीच निरंतर संवाद को विद्यार्थियों की सफलता के लिये महत्वपूर्ण बताया। यह संपूर्ण आयोजन प्राचार्य के मार्गदर्शन में विद्यालय के आंतरिक परीक्षा विभाग ने व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्यगण, दीदियां व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। खुला दिवस का यह आयोजन विद्यालय व अभिभावकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने व विद्यार्थियों के शैक्षणिक व सर्वांगीण विकास को नई दिशा देने की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ।

आठ-दस वर्षो से सेवा दे रहे शिक्षक-शिक्षिका पति-पत्नी को विद्यालय से किया निष्कासित, दोनों आये सड़क पर

नई सोच एक्सप्रेस

» डीसी व डीएसई से लगाई न्याय की गुहार

गुमला। जिला के अलबर्ट एक्का जारी प्रखंड अंतर्गत अल्पसंख्यक श्रेणी के आर.सी. प्राथमिक विद्यालय मेराल में आठ-दस वर्षो से शिक्षक-शिक्षिका के रूप में सेवा दे रहे दोनों पति-पत्नी को विद्यालय से निष्कासित कर दिया गया है। जिसके कारण दोनों पति-पत्नी सड़क पर आ गये हैं। दोनों ने अब न्याय के लिए जिला के डीसी व डीएसई से गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मेराल के जेफेरियुस केरकेट्टा नामक व्यक्ति ने शिक्षक के रुप में विद्यालय में लगभग 10 वर्षो तक अवैतनिक सेवा दी। वहीं उनकी पत्नी उरलिया केरकेट्टा भी लगभग 8 वर्षो तक विद्यालय में शिक्षिका के रूप में अवैतनिक सेवा दी। परंतु विद्यालय प्रबंध समिति ने इन दोनों शिक्षक-शिक्षिका पति-पत्नी को आश्वासन के अनुरूप इनकी नियमित वैतनिक बहाली नहीं कर विद्यालय से निष्कासित कर दिया व दो नये वैतनिक शिक्षक-शिक्षिका का बहाली कर उनसे विद्यालय में सेवा ले रही है। जेफेरियुस केरकेट्टा का कहना है कि वे जून-2017 से जुलाई-2026 तक विद्यालय में सिर्फ शिक्षक ही नहीं, प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में लगभग 10 वर्षो तक अवैतनिक अपनी बहुमूल्य समय व सेवा देकर लगातार विद्यालय में कार्य किया व बच्चों को पढ़ाया। इसी तरह उनकी पत्नी उरलिया केरकेट्टा भी जून-2019 से जुलाई-2026 तक विद्यालय में लगातार अपनी सेवा देकर बच्चो को पढ़ाई। लेकिन विद्यालय में जब नियमित वैतनिक शिक्षक बहाली का बात आई, तो विद्यालय प्रबंध समिति की ओर से इन्हें दरकिनार कर दो नये वैतनिक शिक्षक-शिक्षिका की बहाली कर इन्हें विद्यालय की ओर से बगैर कोई नोटिस या कारण पृच्छा का निष्कासित कर दिया। इनका कहना है कि हम दोनों पति-पत्नी 8-10 वर्षो से इसी आस में सेवा दे रहे थे कि हमारी वैतनिक नियमित बहाली विद्यालय में होगा। परंतु विद्यालय प्रबंध समिति ने हमें सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया, जिससे हमारा जीवन अंधकारमय हो गया है। जबकि हमारी ओर से इस लंबे अवधि तक विद्यालय संचालन के समय लगातार विद्यालय पंजी में हाजरी बना है। जिसपर समग्र शिक्षा अभियान के संकूल समन्वयक की ओर से हर माह जांच कर विद्यालय हाजरी रजिस्टर में हस्ताक्षर भी किए गए हैं। इस दरम्यान समग्र शिक्षा अभियान की ओर से बच्चों को पाठय पुस्तकें भी दिये जाते रहा, जिसे वितरण किया गया। मध्यान्ह भोजन योजनांतर्गत विद्यालय के नाम खाद्य सामग्री की भी आपूर्ति हुई जिसका विद्यालय पंजी में मेंटनेंस है व काफी लंबी अवधि तक विद्यालय को जिंदा रखा गया। लेकिन आज हमें गलत ढंग से विद्यालय से निष्कासित कर हमारा शोषण किया जा रहा है। इनका यह भी कहना है कि यदि प्रशासनिक स्तर से इसकी जांच कर हमारा नियमित बहाली विद्यालय में नहीं कराया जाता है, तो हमें मजबूर होकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा।

डीसी की पहल पर गुमला को मिली एंबुलेंस वैन, जारी प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों के नागरिकों को स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने में मिलेगी सुविधा

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला। जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुलभ बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल पर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। डीसी दिलेश्वर महतो की पहल पर आईडीबीआई बैंक ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व मद के तहत गुमला जिला प्रशासन को एक एंबुलेंस वैन उपलब्ध कराया है। यह एंबुलेंस वैन जारी प्रखंड के सुपुर्द की गई है, जिससे विशेष रूप से दूरस्थ व दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को ससमय स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर समाहरणालय परिसर में डीसी दिलेश्वर महतो व डीडीसी अनिमेष रंजन की उपस्थिति में एंबुलेंस वैन की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात आईडीबीआई बैंक के प्रतिनिधियों ने डीसी दिलेश्वर महतो को एंबुलेंस वैन की चाबी व संबंधित आवश्यक कागजात व दस्तावेज सौंपे। आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद वाहन जिला प्रशासन को सुपुर्द किया गया। जारी प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों के कारण कई बार लोगों को समय पर स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ऐसे में यह एंबुलेंस वैन जरूरतमंद मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों व अस्पतालों तक पहुंचाने में सहायक होगी। विशेषकर आपातकालीन परिस्थितियों में यह सुविधा ग्रामीण परिवारों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को केवल जिला मुख्यालय तक सीमित न रखते हुए दूरस्थ गांवों में रहने वाले लोगों तक भी पहुंचाना है। डीसी दिलेश्वर महतो की पहल का उद्देश्य जिले के प्रत्येक क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना व जरूरतमंद नागरिकों की समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है। एंबुलेंस वैन की उपलब्धता इसी प्रयास का हिस्सा है, ताकि दूरी व दुर्गम रास्ते किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में बाधा न बनें। इस अवसर पर सिविल सर्जन, गुमला शंभूनाथ चौधरी, एसीएमओ, आईडीबीआई बैंक के प्रतिनिधियों सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

युवती से फोन पर हुई बहस के बाद युवक ने की फंदे से लटक कर खुदकुशी

नई सोच एक्सप्रेस

जमशेदपुर। मानगो के चाणक्य नगर कॉलोनी में शुक्रवार शाम एक युवक ने अपने कमरे में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान गोविंद कुमार महतो के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, घटना से पहले गोविंद मोबाइल फोन पर किसी युवती से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई थी। हालांकि, बातचीत के विषय व घटना के बीच संबंध की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मृतक के ममेरे भाई निखिल कुमार ने बताया कि गोविंद करीब 15 दिन पहले ही जमशेदपुर आया था। उसके मामा ने उसे जमशेदपुर लाकर निखिल के साथ रहने के लिए भेजा था। मामा की इच्छा थी कि गोविंद यहां रहकर कोई काम सीखे व अपने जीवन को बेहतर दिशा दे। निखिल के अनुसार, गोविंद धनबाद के जामाडोबा में रहते हुए गलत संगत में पड़ गया था, जिसके कारण परिवार के लोगों ने उसे जमशेदपुर भेजने का फैसला लिया था। निखिल ने बताया कि शुक्रवार को गोविंद अपने कमरे में मोबाइल फोन पर एक युवती से बात कर रहा था। बातचीत के दौरान बहस होने के बाद उसने कथित तौर पर फंदे से झूल गया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने मानगो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची व आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गोविंद मूल रूप से बिहार की राजधानी पटना का रहने वाला था, जबकि उसका परिवार धनबाद के जामाडोबा में रहता था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवती से फोन पर हुई बातचीत व घटना के बीच कोई संबंध था या नहीं, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

रोबोटिक सर्जरी से जीभ के दुर्लभ कैंसर का सफल उपचार

कुरुक्षेत्र।फोर्टिस अस्पताल मोहाली में 36 वर्षीय व्यक्ति के जीभ के दुर्लभ कैंसर का रोबोटिक सर्जरी से सफल उपचार किया गया। मरीज एडेनॉइड सिस्टिक कार्सिनोमा (एसीसी) से पीड़ित था। यह दुर्लभ ट्यूमर सिर एवं गर्दन के कैंसर के एक प्रतिशत से भी कम मामलों में पाया जाता है। अस्पताल के हेड एंड नेक ऑन्को-सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. कुलदीप ठाकुर ने ट्रांसोरल रोबोटिक सर्जरी के जरिए जीभ के आधार का करीब 50 प्रतिशत हिस्सा हटाया। साथ ही गर्दन की लिम्फ नोड्स की सर्जरी की गई। चेहरे पर बाहरी चीरा लगाए बिना की गई इस सर्जरी के बाद मरीज को पांच दिन में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जांच में ट्यूमर पूरी तरह हटाए जाने की पुष्टि हुई। अस्पताल के अनुसार, मरीज अब स्वस्थ है और सामान्य जीवन जी रहा है।

नवरात्र आत्मशुद्धि और आसुरी वृत्तियों पर विजय का पर्व सनातन संस्था का लेख

नवरात्र हिन्दू धर्म का प्रमुख पर्व है, जो देवी उपासना, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक साधना का संदेश देता है। इस वर्ष शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। नौ दिनों तक मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां दुर्गा ने महिषासुर का वध कर बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया। नवरात्र में घटस्थापना, दुर्गासप्तशती पाठ, नामजप, व्रत, कन्या पूजन और दीप प्रज्वलन जैसी धार्मिक परंपराओं का पालन किया जाता है। सनातन संस्था के अनुसार, नवरात्र केवल उत्सव और मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि अहंकार, क्रोध, लोभ और मोह जैसी आसुरी वृत्तियों पर विजय प्राप्त करने का पर्व है। यह श्रद्धा, संयम, करुणा और सदाचार जैसे दैवी गुणों को अपनाने की प्रेरणा देता है। देवी की उपासना का वास्तविक उद्देश्य जीवन में सात्त्विकता का विकास और समाज में धर्म एवं सदाचार की स्थापना करना है।

सोनी इंडिया ने लॉन्च किए यूएलटी पावर के तीन नए पार्टी स्पीकर्स

पटना। सोनी इंडिया ने अपने यूएलटी पावर पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए यूएलटी टावर 5, यूएलटी टावर 7 और यूएलटी टावर मैक्स पार्टी स्पीकर्स की नई रेंज पेश की है। कंपनी के नए स्पीकर्स को दमदार साउंड, गहरे बास और आकर्षक टावर डिजाइन के साथ बेहतर पार्टी अनुभव देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। ये स्पीकर्स छोटे घरेलू आयोजनों से लेकर बड़े आउटडोर कार्यक्रमों के लिए उपयोगी हैं। इनमें बेहतर पोर्टेबिलिटी और डीजे-केंद्रित कनेक्टिविटी फीचर्स दिए गए हैं। यूएलटी टावर 5 में 300 वाट का साउंड आउटपुट, 230 मिमी वूफर, दो ट्वीटर और यूएलटी पावर साउंड मोड मिलता है। कंपनी के अनुसार, यह स्पीकर निर्धारित परिस्थितियों में 20 घंटे तक की बैटरी लाइफ देता है। इसमें आईपीएक्स4 वॉटर रेजिस्टेंस, चार हैंडल और वर्टिकल व हॉरिजॉन्टल दोनों तरह से रखने की सुविधा है। टावर मैक्स को छोड़कर अन्य मॉडल में बिल्ट-इन बैटरी दी गई है।

रोहित शर्मा ने वर्ल्ड कप वॉक के पीछे की कहानी साझा की

पटना।कुछ जश्न सिर्फ उस उपलब्धि की वजह से यादगार नहीं बनते, जिसका वे प्रतीक होते हैं, बल्कि उस पल की वजह से भी याद रखे जाते हैं जो उसके बाद आता है। विश्व कप ट्रॉफी उठाते समय रोहित शर्मा का आइकॉनिक वॉक ऐसा ही एक यादगार सेलिब्रेशन बन गया था और फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा में हिटमैन ने इसके पीछे की कहानी साझा की। जमनादास माजेठिया और चुंबक की स्टारकास्ट के साथ बातचीत के दौरान, रोहित ने बताया कि कैसे उनके टीममेट्स के एक सहज सुझाव ने इस अब आइकॉनिक बन चुके पल को जन्म दिया। रोहित ने खुलासा किया कि वॉक का आइडिया उनके कुछ साथियों से आया था, जिसमें कुलदीप यादव और ऋषभ पंत भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि रोहित भाई, ये अपना बोरिंग वॉक करके ट्रॉफी मत उठाना, कुछ दिलचस्प कर ना। सोच रहा था क्या करूँ मैं, फिर मैंने तय किया कि ये वर्ल्ड कप उठाने जा रहा हूँ कोई मज़ाक नहीं है मैं नॉर्मल जाऊँगा। लेकिन पता नहीं मुझे उधर जाते-जाते क्या हो गया, मैं बस ऐसे-ऐसे करके चलने लगा।

गायनी एंडोस्कोपी की ट्रेनिंग से निःसंतानता के इलाज को मिलेगा बढ़ावा

पटना। बिहार में गायनी एंडोस्कोपी यानी दूरबीन सर्जरी को बढ़ावा देने के लिए वूमेन्स हॉस्पिटल एवं फर्टिलिटी रिसर्च सेंटर, पटना पिछले एक दशक से निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है। इसके तहत सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों के स्त्री रोग विशेषज्ञों तथा पीजी रेजिडेंट्स को तीन दिवसीय रियल हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जाती है। इस पहल का उद्देश्य चिकित्सकों को आधुनिक सर्जिकल तकनीक में दक्ष बनाना और निःसंतानता के उपचार के विकल्पों का विस्तार करना है। गायनी एंडोस्कोपी से बच्चेदानी, अंडाशय और फैलोपियन ट्यूब से जुड़ी कई समस्याओं का उपचार संभव है। उपयुक्त मामलों में सर्जरी से प्राकृतिक गर्भधारण की संभावना भी बढ़ सकती है। संस्थान के अनुसार, निःसंतानता के हर मामले में आईवीएफ जरूरी नहीं है। महिला और पुरुष दोनों की समुचित जांच के बाद कारण आधारित उपचार को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। रियल हैंड्स-ऑन रिवोल्यूशन अभियान के जरिए संस्थान का लक्ष्य आधुनिक सर्जिकल तकनीक का प्रशिक्षण अधिक से अधिक स्त्री रोग विशेषज्ञों तक पहुंचाना है।

राहुल मिश्रा का 'सिग्नेचर कूटुर एडिट' पेरिस कूटुर वीक अब भारत में दाखिल

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।तनिष्क नेचुरल डायमंड्स अपना 'सिग्नेचर कूटुर एडिट' पहली बार भारत लेकर आए हैं। पेरिस कूटुर वीक 2026 में इसके अनावरण के बाद, मुंबई में एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कूटुरियर राहुल मिश्रा के साथ सह-डिजाइन किया गया यह कलेक्शन ऑत कूटुर (haute couture) और हाई ज्वेलरी की दुनिया को एक साथ लाता है, जहां कूटुर की थीम और कल्पनाओं को असाधारण आभूषण कला के रूप में ढाला गया है। द ताज महल पैलेस में आयोजित यह मुंबई शोकेस 'सिग्नेचर कूटुर एडिट' की भारत में पहली प्रस्तुति है, जो इसके सफर को वैश्विक कूटुर मंच से भारत के एक बेहद खास और निजी आयोजन तक लेकर आया है।यह कलेक्शन नेचुरल डायमंड के प्रति तनिष्क की निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है, जिसे डी बीयर्स ग्रुप के साथ उसकी लंबे समय से चली आ रही साझेदारी से और मजबूती मिली है। मुंबई में आयोजित इस विशेष प्रदर्शनी में चुनिंदा कला-पारखियों और गणमान्य अतिथियों को इस कलेक्शन को करीब से देखने का मौका मिला। इस दौरान देश के फैशन, लग्जरी और सांस्कृतिक जगत की जानी-मानी हस्तियों के साथ-साथ अभिनेत्री वेदिका पिंटो और सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अदजानिया भी उपस्थित रहीं। इस शाम के दौरान कलेक्शन के सबसे मुख्य पीस का साइलेंट ऑप्शन भी आयोजित किया गया, जिसने मेहमानों को इस कलेक्शन का एक हिस्सा अपने नाम करने का अवसर दिया। रेवती कांत, चीफ डिजाइन ऑफिसर, टाइटन कंपनी लिमिटेड ने कहा,"यह 'सिग्नेचर कूटुर एडिट' डिजाइन और कारीगर की नई अभिव्यक्तियों को तलाशने के सफर में तनिष्क नेचुरल डायमंड्स के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। राहुल मिश्रा के साथ काम करने से हमें दो अलग-अलग रचनात्मक दृष्टिकोणों को एक साथ लाने और एक ऐसा कलेक्शन तैयार करने का मौका मिला, जो भारतीय लग्जरी की बदलती परिभाषा को बयां करता है।" मुंबई प्रीव्यू के बारे में बात करते हुए राहुल मिश्रा ने कहा,"इस 'सिग्नेचर कूटुर एडिट' की शुरुआत कूटुर की भाषा को आभूषणों के माध्यम से एक नई अभिव्यक्ति देने के विचार के साथ हुई थी। पेरिस में इसकी प्रस्तुति के बाद, इन कलाकृतियों को मुंबई लाना उसी सफर को आगे बढ़ाने जैसा महसूस हो रहा है।"

लोक नृत्य प्रतियोगिता में अव्वल रहीं घोघा बाजार की छात्राएं

नई सोच एक्सप्रेस

चनपटिया। राजकीय बुनियादी विद्यालय, घोघा बाजार की छात्राओं ने जिला स्तरीय लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार और स्थानीय लोगों में खुशी है। प्रतियोगिता में छात्राओं ने शानदार नृत्य प्रस्तुति, बेहतर तालमेल और सधे हुए कदमों से निर्णायकों का दिल जीत लिया। उनकी प्रस्तुति में भारतीय लोक संस्कृति की झलक दिखी। इस सफलता में नोडल शिक्षिका जागृति प्रिया झा का मार्गदर्शन और छात्राओं का कठिन अभ्यास महत्वपूर्ण रहा। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक राकेश कुमार यादव ने छात्राओं को बधाई देते हुए शिक्षिका जागृति प्रिया झा के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि छात्राओं की यह उपलब्धि पूरे विद्यालय के लिए गर्व की बात है। ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों की इस सफलता से चनपटिया और पश्चिम चंपारण का मान बढ़ा है।

वन्यजीव संरक्षण में सहयोग के लिए शिक्षक मोहर सिंह सलावद सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

जयपुर । संभाग स्तरीय वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय सहभागिता के लिए व्याख्याता एवं पर्यावरण प्रेमी मोहर सिंह सलावद को वन विभाग की ओर से प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। संभाग स्तरीय वन्यजीव सप्ताह-2026 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता के लिए उप वन संरक्षक वन्यजीव,बीकानेर कार्यालय की ओर से यह प्रशस्ति-पत्र जारी किया गया। प्रशस्ति-पत्र में वन्यजीव संरक्षण एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में सलावद के सहयोग की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। वन्यजीव सप्ताह-2026 की थीम "प्राकृतिक आवासों को जोड़ना, वन्य जीवों को समृद्ध बनाना" के माध्यम से वन्य जीवों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा का संदेश दिया गया। यह प्रशस्ति-पत्र उप वन संरक्षक वन्यजीव बीकानेर की ओर से तरुण कुमार मैहरा द्वारा प्रदान किया गया। सलावद की सहभागिता पर्यावरण संरक्षण एवं वन्य जीवों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों से जुड़ी रही है।

» संभाग स्तरीय वन्यजीव सप्ताह-2026 के कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता के लिए वन विभाग ने प्रदान किया प्रशस्ति-पत्र

काशीराम जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

नई सोच एक्सप्रेस

गाजियाबाद।शहिद प्यारेलालपुरी कॉलोनी लोनी रोड लाजपत नगर महर्षि वाल्मीकि मंदिर के परागण में राष्ट्रीय वाल्मीकि सेना व सर्वहारा वर्ग विकास समिति के बैनर तले मान्यवर काशीराम जी के परिनिरवाण दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रधान सुरेंद्र सिंह चंदेल जी ने की संचालक संजय चंदेल राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय बहुजन समाज विकास समिति द्वारा किया गया जिसमें सभी संगठन के पदाधिकारियों ने मान्यवर काशीराम जी को श्रद्धांजलि अर्पित की कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुरेंद्र सिंह चंदेल जी ने बताया की जब से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है बहुजन समाज के महापुरुषों को बराबर सम्मान मिल रहा है क्योंकि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के जन्म स्थल से लेकर परी निर्माण स्थल तक सभी स्थानों का विकास कार्य करने का काम सरकार द्वारा किया गया हम सरकार से मांग करते हैं की मान्यवर काशीराम जी को भी भारत रत्न देकर सम्मानित किया जाए क्योंकि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के बाद उनके मिशन को काशीराम जी ने आगे बढ़ाने का काम किया इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारे लगाए काशी राम तेरी नई कमाई तूने सोती कौन जागी युग पुरुष काशीराम अमर रहे जब तक सूरज चांद रहेगा काशीराम का नाम रहेगा संजय चंदेल जी ने कार्यकर्ताओं को अवगत कराया की काशीराम जी हमारे बहुजन समाज के बहुत बड़े नेता थे जिनके अथिक प्रयास से चार-चार बार उत्तर प्रदेश में बहुजनों की सरकार बनी मोहनलाल जी ने भी संबोधित किया श्रद्धांजलि अर्पित की सुखपालजी ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की इस मौके पर भारी संख्या में महिलाएं बच्चे कार्यकर्ता कॉलोनी निवासी मौजूद रहे मोहनलाल सूद, सुखपाल बेनीवाल ,संजय चंदेल, बृजभान , लोकेश जी ,बाबूलाल वेद , ,सरगम बहन जी ,आकाश बेनीवाल ,नीरज ,महावीर विशाल सूद, संजय बेनीवाल ,आदि मौजूद रहे

एससी-एसटी के लिए न्याय और सुरक्षा सुदृढ़ करना संवैधानिक गारंटी : रामदास अठावले

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए न्याय, सुरक्षा और समानता सुनिश्चित करना संविधान की गारंटी है। इसके लिए प्रभावी कानून, जवाबदेह संस्थाएं और समय पर न्याय की व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने अपने लेख में कहा कि केंद्र सरकार अत्याचारों की रोकथाम, पीड़ितों की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए कानूनी एवं संस्थागत तंत्र को लगातार मजबूत कर रही है। अठावले के अनुसार, इस दिशा में नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 और एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्ष 2016 में किए गए संशोधनों के तहत विशेष न्यायालयों की स्थापना, विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति और अत्याचार के नए अपराधों को कानून के दायरे में शामिल करने जैसे प्रावधान किए गए। पीड़ितों और गवाहों के अधिकारों को भी मजबूत किया गया। राहत एवं पुनर्वास संबंधी प्रावधानों में संशोधन कर 47 प्रकार के अपराधों के लिए निर्धारित राहत राशि बढ़ाई गई। उन्होंने बताया कि अगस्त 2018 के संशोधन के जरिए कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच की अनिवार्यता समाप्त की गई। वहीं, 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अत्याचार निवारण अधिनियम के मामलों की सुनवाई के लिए 217 अनन्य विशेष न्यायालय स्थापित किए गए हैं। पीड़ितों को कानूनी सहायता और शिकायत निवारण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दिसंबर 2021 में राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की गई, जिसे बाद में 'संबल' नाम दिया गया। इसके टोल फ्री नंबर 1800-202-1989 और शॉर्ट कोड 14566 हैं। अठावले के मुताबिक, वर्ष 2014-15 से अब तक संबंधित केंद्रीय योजना के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 5,012.17 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। इस दौरान अत्याचार के करीब 7.26 लाख पीड़ितों को राहत मिली, जबकि 2,21,716 जोड़ों को अंतरजातीय विवाह के लिए प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल अत्याचार की घटनाओं पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि रोकथाम, जागरूकता, राहत, पुनर्वास और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देना भी है। संविधान के समानता, गरिमा और न्याय के मूल्यों को जमीन पर उतारने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय तथा कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है।

» अत्याचार के पीड़ितों को राहत, पुनर्वास और त्वरित न्याय दिलाने के लिए कानूनी प्रावधान मजबूत

विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता में भेरियां स्कूल की टीम दूसरे स्थान पर

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र।पिहोवा के अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल में खंड स्तरीय विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता-2026 आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सामाजिक प्रभावों और मानव कल्याण में उनकी भूमिका को नाटकों के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'मानव जाति के कल्याण के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी' रहा। इसमें अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भेरियां की टीम ने द्वितीय और गुरु नानक देव अकादमी की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तीनों टीमें जिला स्तरीय प्रतियोगिता में खंड पिहोवा का प्रतिनिधित्व करेंगी। खंड शिक्षा अधिकारी रामराज कौशिक ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और आत्मविश्वास विकसित होता है। कार्यक्रम का समन्वय नरेश कुमार शर्मा ने किया, जबकि आयोजन में विद्यालय के प्रधानाचार्य दुर्गेश कुमार शर्मा की प्रमुख भूमिका रही।

एजाज़ खान के म्यूज़िक वीडियो 'ओ यारा' के लॉन्च पर बादशाह, मुकेश छाबड़ा सहित कई हस्तियां शामिल

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।अभिनेता एजाज़ खान का बहुप्रतीक्षित नया गीत "ओ यारा" को मुंबई में एक सितारों से सजी भव्य शाम में लॉन्च किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सिंगर-रैपर बादशाह, मुनव्वर फारूकी, साहिल खान, विधायक असलम शेख, कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा, अभिनेता शावर अली, नासिर खान, अभिनेत्री तान्या चटर्जी, पुनीत सुपरस्टार, हेमा शर्मा, कॉमेडियन सुनील पाल सहित कई सेलेब्स ने शिरकत की। इस खास मौके पर एजाज़ खान के पिता जी, उनकी पत्नी और दोनों बेटे भी मौजूद थे. कार्यक्रम की शुरुआत में हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि दी गई। सभी मेहमानों ने एक मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभी ने उनके निधन पर गहरा अफसोस जाहिर किया। 'ओ यारा' सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक म्यूजिकल क्राइम ड्रामा है जो गोवा की दुनिया पर आधारित है, जहाँ प्यार, ताकत, पैसा और अंडरवर्ल्ड का टकराव होता है। गोवा की हसीन वादियों से लेकर उसके अंधेरे पहलू तक "ओ यारा" आपको एक ऐसी दुनिया में ले जाता है जहाँ हर रिश्ते का एक राज़ होता है और हर फैसले की एक कीमत चुकानी पड़ती है।म्यूजिक वीडियो में एजाज़ खान के साथ शावर अली और क्रिस्पी क्रिस्टीना मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के प्रोड्यूसर ज़मीर अहमद, डायरेक्टर शादाब सिद्दीकी और एसोसिएट डायरेक्टर अर्चना प्रजापति हैं। इस गाने को अपनी आवाज दी है सिंगर अमन त्रिखा ने, जबकि म्यूजिक और लिरिक्स मोहम्मद इरफान अली के हैं। कहानी खुद एजाज़ खान ने लिखी है।

साईं की बालिकाओं ने जीते 18 पदक, नौ स्वर्ण पर कब्जा

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।भारतीय खेल प्राधिकरण (साईं), काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रावास की बालिका खिलाड़ियों ने 61वीं उत्तर प्रदेश स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए नौ स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य सहित कुल 18 पदक जीते। प्रतियोगिता चार से छह अक्टूबर तक लखनऊ के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित हुई। 18 वर्ष आयु वर्ग में खुशी पटेल ने लॉन्ग जंप और 100 मीटर बाधा दौड़ में दो स्वर्ण पदक जीते। अपूर्व गुर्जर ने हेप्टाथलॉन में स्वर्ण पदक हासिल किया। 20 वर्ष आयु वर्ग में गुंजन यादव ने 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण और ऊंची कूद में रजत पदक जीता। अंडर-16 वर्ग में पलक यादव ने लॉन्ग जंप और 80 मीटर बाधा दौड़ में दो स्वर्ण पदक हासिल किए। सेजल यादव ने पेंटाथलॉन में स्वर्ण और जैवलिन थ्रो में कांस्य, जबकि अंकित प्रजापति ने ऊंची कूद में स्वर्ण और पेंटाथलॉन में रजत पदक जीता। अंडर-14 वर्ग में अनन्या पांडेय ने ट्राईथलॉन (ए) में स्वर्ण पदक हासिल किया। अन्नू कुमारी ने ट्राईथलॉन (सी) और किड्स जैवलिन में दो रजत पदक जीते। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रशिक्षक संजीव कुमार श्रीवास्तव, अभिभावकों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस सफलता से साईं छात्रावास में खुशी का माहौल है।

हर खबर पर पैनी नज़र
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

जमाना ऑनलाइन लर्निंग का

आज के दौर में आनलाइन लर्निंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। आप भी अपने पीसी या लैपटॉप के सामने बैठकर और इंटरनेट से जुड़कर पढ़ना चाहते हैं, तो आनलाइन-लर्निंग एक बेस्ट आप्शन हो सकता है। कुछ बातों को ध्यान में रखकर ऑनलाइन पढाई कर सकते हैं। इससे आप कॉलेज में अटेंडेंस के चक्कर से भी बच जाएंगे। बस आपको ध्यान रखनी होगी डेट लाइन की। खास बात यह कि ऑनलाइन कोर्स के जरिए सर्टिफिकेट कोर्स का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एलसीबीएस के फाउंडर एंव सीईओर अभय गुप्ता बताते हैं किसी भी विषय के कोर्स कितने महंगे होते जा रहे हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स के शुरू होने से आज आप घर बैठे ही अपने मोबाईल या कंप्यूटर पर इंटरनेट के माध्यम से बड़े बड़े कॉलेज और यूनिवर्सिटी में होने वाले कोर्स कर सकते हैं।

कोर्स का विवरण

एक महीने की अवधि वाले इस नए कोर्स ऑनलाइन लग्जरी मैनेजमेंट को शुरू करने का मुख्य कारण स्टूडेंट को लग्जरी मैट्रिक्स की जटिलताओं को आसानी से समझाना और लग्जरी के उद्योग में मंदी के दौर में भी स्टूडेंट्स के करियर को एक अच्छा ट्रैक देना है। वहीं दूसरे कोर्स एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट जिसकी अवधि 6 महीने है, जिससे स्टूडेंट भारतीय लग्जरी उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों और यूरोप के लग्जरी एक्सपर्ट्स और प्रोफेसर द्वारा दुनिया भर में लग्जरी व्यापार के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण मिल रहा है। यह कोर्सेज युवाओं के लिए एक अच्छे करियर के रूप में बन सकते हैं।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

ऑनलाइन कोर्स इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट और एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड कंट्री हेड, विजुअल मर्चेडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं।

वेतन - इस कोर्स के पूरा होने के बाद स्टूडेंट्स लग्जरी की इंडस्ट्री में अलग-अलग कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें बतौर स्टा-इपेंड 20 से 22 हजार रुपए मिलते। अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरूआती सैलरी प्रति माह 30,000 रु. से 40,000 रु. के बीच हो सकती है।

फोरेंसिक साइंस के प्रति बढ़ा युवाओं का रुझान

फोरेंसिक साइंस एक अप्लाइड साइंस है। अपराधियों का पता लगाने के लिए इस में वैज्ञानिक सिद्धांतों व तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य में सहायक होते हैं अपराध स्थल से मिले साक्ष्य। आधुनिकता के साथ अपराध के तरीके बढ़े हैं, तो छानबीन के तरीके भी ईजाद हुए हैं। युवाओं का इस फील्ड के प्रति रुझान बढ़ा है।

देश में दिन प्रतिदिन अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। यदि देश का युवा चाहता है कि उसका देश, राज्य या शहर अपराधमुक्त हो तो उसे अवश्य ही फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहिए। युवाओं के लिए यह क्षेत्र अत्यंत ही रोमांचकारी एवं आह्वनात्मक है। इस क्षेत्र में युवा अपनी पहचान बनाकर नाम कमा सकते हैं। हमें युवाओं को सबसे पहले ये बताना होगा कि फोरेंसिक साइंस है क्या? और कैसे वह रोमांचकारी और आह्वनात्मक होता है। उदाहरणार्थ किसी घटनास्थल पर कोई वारदात होती है और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी को पकड़ पाना आसान नहीं होता तो उसे घटना स्थल की छोटी से छोटी वस्तु को भी इस साइंस की प्रयोगशाला में जांचा परखा जा सकता है और अपराधी तक पहुंचा भी जा सकता है। अपराधी को सजा दिलाने के लिए गवाही की आवश्यकता होती है और कई बार घटनास्थल पर इसका होना संभव नहीं हो पाता ऐसी अवस्था में घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाने का प्रयत्न यह फोरेंसिक साइंस करता है। फोरेंसिक साइंस विज्ञान की ही एक व्यवहारिक शाखा है। इस सांइस के द्वारा अपराधी के शोध से संबंधित छोटी से छोटी वस्तु का भी परीक्षण प्रयोगशाला में कर अपराधी को तलाशने का प्रयास किया जाता है। इसमें आधुनिक तंत्र ज्ञान का वापर किया जाता है। घटनास्थल पर अपराधी जब घटना को अंजाम देता है तो उस वक्त वहां वह कोई न कोई वस्तु अवश्य छोड़ जाता है मसलन रक्त, शारीरिक द्रव्य, नाखून, बाल, हाथ या पैरों के निशान इत्यादि इन सबका परीक्षण फोरेंसिक साइंस की प्रयोगशाला में किया जाता है और आरोपी तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

इस प्रकार इस विज्ञान का महत्व अपराध जगत के लिए बहुत अधिक समझा और जाना जाता है। इस क्षेत्र में दाखिल होने के लिए युवाओं को बारहवीं कक्षा में विज्ञान से संबंधित विषय लेने होते हैं। जब बारहवी उत्तीर्ण हो तो इस शाखा में प्रवेश लेकर उपाधि ग्रहण की जा सकती है। ऐसे युवा जिन्होंने उपाधि में विज्ञान से संबंधित विषय जैसे भौतिक शास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैविक रसायनशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र, बीफार्मा, या बीडीएस को भी इस क्षेत्र में दाखिल होने के अवसर प्राप्त है। इस क्षेत्र में पुलिस विशेषज्ञ, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, व इन्वेस्टिगेटिंग आफिसर व पूरी न्याय संख्या से संबंधित पद होते हैं जिसमें दक्षता प्रमाणित करने व मान-प्रतिष्ठा मिलाने के लिए अपार संभावनाएं हैं। अपराध के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए निजी गुप्तचर भी फोरेंसिक साइंस वालों को अच्छा अवसर प्रदान करने लगे हैं। इस क्षेत्र में यदि युवा दाखिल होने का इच्छुक है तो उसे अनिवार्य योग्यता हासिल कर लेने के पश्चात स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सफल होना आवश्यक होता है। उस परीक्षा में जो अभ्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होते हैं उन्हें तुरंत नियुक्ति मिल जाती है।

चुनौतियों भरा

यह प्रोफेशन चुनौतियों भरा है। इसलिए इस करियर में आना है, तो चुनौतियों से निपटना आना चाहिए। किसी केस को निपटाने के लिए कभी-कभी असफलता भी हाथ लगती है, तो ऐसे में धैर्य नहीं खोना चाहिए और उस केस को चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। जांच-पड़ताल का क्षेत्र है, तो जाहिर सी बात है कि दोस्त कम होंगे और दुश्मन ज्यादा बन जाएंगे, तो इस बात से भी भयभीत होने की चुनौती भी इस करियर में है। हर स्थिति से निपटने की चुनौती स्वीकार करने वाला ही इसमें सफल होता है।

वेतनमान

गवर्नमेंट संस्थान में नौकरी मिलने पर इस क्षेत्र में आरंभिक दौर में 20 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है। इस के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी इस जॉब में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है।

देश में अनेक विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस फोरेंसिक साइंस के अभ्यासक्रम को संचालित करते हैं लेकिन उनमें कुछ चुनिंदा संस्थान है जहां से पास आउट विद्यार्थियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए बाजी मारी है।

लॉन्ड्री व्यवसाय में भी अच्छे अवसर

आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

एक जमाना था जब हम कपड़ों को धोने के लिए रजक, परीट या धोबी के भरोसे रहते थे, परन्तु आज इस इक्कींसवी सदी में कपड़ों की धुलाई के लिए मशीनें उपलब्ध हैं जिसे हम लॉन्ड्री व्यवसाय के नाम से जानते हैं। आज महानगरों में ही नहीं तो गांवों, शहरों में भागमभाग की जिन्दगी है। समय का अभाव है। ऐसे में उस व्यवसाय में कैरियर के लिए बहुत अच्छे चांसेस है। आज जिस भारत को हम कृषिप्रधान देश के नाम से जानते थे। जिसकी 75 प्रतिशत आबादी गांवों में ही वास करती थी। उस भारत का सपाटे से शहरीकरण और व्यवसायीकरण हो रहा है और एक अनुमान के अनुसार, 2027 तक देश की कल 60 प्रतिशत जनता शहरों में बसेगी। ऐसे में इस व्ययसाय के रूप में आगे चलकर और भी वृहद होने वाला है। आज पति-पत्नी दोनों ही या तो नौकरी में हैं या व्यवसाय में। इसलिए कपड़ों की धुलाई प्राय- लॉन्ड्री में ही होती है। एक सर्वेक्षण से ये सत्य सामने आया है कि देश के तीन करोड़ श्रीमंत लोग अपनी धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्री में देते हैं। औसतन यदि हम खर्च देखें तो एक परिवार का प्रति माह एक हजार रुपए कपड़े धुलाई और आयरन पर खर्च होता है। आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

इसका सबसे बड़ा ग्राहक रेल्वे है। उसके बाद बड़े-बड़े पाश हॉस्पिटल्स, होटल्स, स्कूल कॉलेजों के होस्टल्स और अनेक रईस परिवार हैं। धुलाई का कोई तोटा नहीं है कहें तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज की लॉन्ड्रियां पूरी तरह नई तकनीक से सुसज्जित है। इस तकनीक ने इस व्यवसाय को हाईटेक बना दिया है। आपको एक फोन करने या मोबाईल एप पर मैसेज डालने की आवश्यकता है कि कुछ ही क्षणों में लॉन्ड्री का पिकअप ब्वाय आपके घर के दरवाजे पर हाजिर होता है।

आपको ये सारे कपड़े धोकर आयरन चलाकर और एक आकर्षक पैंकिग के साथ आपके घर पहुंचाए जाते हैं। इसमें सिर्फ तीन की अवधि लगती है। कभी-कभी तो लॉड्री के इस आकर्षक पैकिंग को देखकर तो ये भ्रम होने लगता है कि कहीं हमने नए कपड़ों की शॉपिंग तो नहीं की है। आज इस इक्कीसवीं सदी में मनुष्य का जीवन वेगवान है। भागमभाग की जिन्दगी में वह अपने कपड़ों की धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्रियों पर ही निर्भर रहता है। आज शहर हो या गांव, महानगर की बात ही अलग है कोई भी व्यक्ति धोया कपड़ा बगैर आयरन के नहीं पहनता। आयरन कराना एक अनिवार्यता बन गई है। ऐसे में इस व्यवसाय से कोई भी मनुष्य इस लॉन्ड्री व्यवसाय से चालीस से पचास हजार तक का नफा कमाया जा सकता है। आप इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय को किस तरीके से और कैसा बढ़ाया जाए ये उद्योजक पर निर्भर करता है। समय बदल गया है। तकनीक बदल गई। अब न तो परीट या रजक नजर आते और न ही धोबीघाट। आजकल इन सब का काम लॉन्ड्री व्यवसाय में वापरी जाने वाली आधुनिक मशीनें ही करती हैं।

कमाई का बढ़िया जरिया किचन गार्डन

साग-सब्जियों का हमारे दैनिक भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है। विशेषकर शाकाहारियों के जीवन में। आजकल लोगो को शुध्द सब्जी मिलना बहुत ही मुश्किल है इसलिए आप आपके घर के आंगन में, घर की छत पर या अगर आपके पास कोई जमीं है तो आप आसानी से सब्जी बगीचा (किचन गार्डन) बना सकते हैं, इससे आपको शुध्द सब्जियां भी मिलेंगी और साथ ही आप इन सब्जियों को बेच कर पैसे भी कमा सकते हैं !

साग-सब्जी भोजन में ऐसे पोषक तत्वों के स्रेत हैं, हमारे स्वास्थ्य को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि उसके स्वाद को भी बढ़ाते हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए, परंतु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है। इसलिए हमें इनका उत्पादन बढ़ाना चाहिए।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन में सीमित विकल्प है। हमेशा अंतिम चयन घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है।

सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। सब्जी बगीचा के आकार की कोई सीमा नहीं है परंतु सामान्य रूप से वर्ग की अपेक्षा समकोण बगीचा को पसंद किया जाता है। चार या पांच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

बनाएं सब्जी बगीचा

स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते है। इससे एक तो एकित्रत अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और दूसरे उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी। सबसे अहम बात यह कि सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी। यह एक सुरिक्षत पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगे।

पौधा लगाना को खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंटीमीटर की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाडियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 किलोग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंटीमीटर या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएं।

बीज की बुआई, पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे ङ्क भिंडी, बीन एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंटीमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है। प्रतिरोपित फसल, जैसे ङ्क टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढक्कर उसके ऊपर 250 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिडक़ाव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर के लिए 30 दिनों की बुआई के बाद तथा बैगन, मिर्ची तथा बड़ी प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है। टमाटर, बैगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। बड़ी प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर 10 सेंटीमी की जगह छोड़ी जाती है। रोपण के तीसरे दिन पौधों की सिंचाई की जाती है। प्रारंभिक अवस्था में इस प्रतिरोपण को दो दिनों में एक दिन बाद पानी दिया जाए तथा बाद में चार दिनों के बाद पानी दिया जाए। सब्जी बगीचा का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्षभर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाएं। इससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पाविध हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी, पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ के पार हुई दृश्यम 3, 5वें दिन किया बंपर कारोबार

बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग के बाद, अजय देवगन की क्राइम थ्रिलर फिल्म दृश्यमः द कन्क्लूजन ने आखिरकार 200 करोड़ रुपये का शानदार आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म अपनी रिलीज के 5 दिन पूरे कर चुकी है और आगे की उड़ान भरने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, पिछले दिनों की तुलना में हर दिन आंकड़ों में गिरावट आई है, लेकिन इसका असर फिल्म के कलेक्शन पर नहीं पड़ा। आइए जानते हैं फिल्म की कुल कमाई। सैकनिल्क के मुताबिक, दृश्यम 3 ने रिलीज के 5वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 19 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसने चौथे दिन 21 करोड़, तीसरे दिन 61 करोड़, दूसरे दिन 53.50 करोड़ और पहले दिन 62 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जिससे घरेलू स्तर पर कुल नेट कलेक्शन 216.50 करोड़ रुपये हो गया है। विदेशों में, फिल्म ने 5वें दिन 9.50 करोड़ कमाते हुए कुल 81.50 करोड़ जुटा लिए हैं। इससे वर्ल्डवाइड कलेक्शन 341.30 करोड़ रुपये हो गया है। दृश्यम 3 के साथ अजय ने अपने करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म दी है, जिसने 62 करोड़ की नेट कमाई के साथ सिंघम अगेन (43.50 करोड़) का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। अब उनका अगला लक्ष्य इसके लाइफटाइम कलेक्शन (करीब 268.35 करोड़) को पीछे छोडऩा होगा। वहीं, सबसे बड़ा लक्ष्य तन्हाजीः द अनसंग वॉरियर की कमाई (279.59 करोड़) को पीछे छोडऩा होगा। अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित दृश्यम 3 में तब्बू, जयदीप अहलावत, श्रिया सरन और प्रकाश झा समेत सितारे हैं।

आयुष्मान खुराना के साथ मुपापा में नजर आएंगी अभिनेत्री श्रेया चौधरी

वाईआरएफ लगाएगा बड़ा दांव

अभिनेता आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्म मुपापा को लेकर नया अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेत्री श्रेया चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। श्रेया को बंदिश बैंडिट्स और द मेहता बॉयज जैसे धारावाहिकों के जरिए दर्शकों के बीच पहचान मिली है। अब वह बड़े पर्दे पर आयुष्मान के साथ जोड़ी बनाती दिखाई देंगी। इसी साल जुलाई में आयुष्मान खुराना के मुपापा से जुडऩे की खबर सामने आई थी। फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर कर रहे हैं। यशराज फिल्म्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षय विधानी इसके निर्माता हैं, जबकि फिल्म का निर्देशन समीर सक्सेना कर रहे हैं। श्रेया चौधरी का फिल्म से जुडऩा उनके अभिनय करियर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। डिजिटल मंच पर अपने काम से दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के बाद अब वह यशराज फिल्म्स की आगामी रोमांचक फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी। बताया गया है कि यशराज फिल्म्स की प्रतिभा प्रबंधन शाखा ने श्रेया को विशेष प्रबंधन के लिए अनुबंधित भी किया है। इससे उनके पेशेवर सफर में एक नया अध्याय जुड़ गया है। मुपापा को निर्माताओं ने एक अलग तरह की सिनेमाघर केंद्रित फिल्म बताया है। फिल्म की कहानी और प्रस्तुति को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन निर्माताओं का दावा है कि यह दर्शकों को नया दृश्य अनुभव देगी और कहानी की शुरुआत से अंत तक उन्हें बांधे रखेगी। फिल्म के निर्माण में यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स का साथ आना भी इसे खास बनाता है। आयुष्मान खुराना की फिल्मों में आमतौर पर अलग विषय और कहानी देखने को मिलती है। ऐसे में मुपापा में उनकी भूमिका और श्रेया चौधरी के साथ उनकी जोड़ी को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। निर्माताओं ने मुपापा की प्रदर्शन तिथि भी घोषित कर दी है। यह फिल्म 19 फरवरी 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म की कहानी और कलाकारों से जुड़ी अन्य जानकारियों का खुलासा आने वाले दिनों में किए जाने की उम्मीद है। वहीं, आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्मों में सूरज बडज़ात्या के निर्देशन में बन रही ये प्रेम मोल लिया भी शामिल है। इस फिल्म को लेकर भी अभिनेता के प्रशंसकों में काफी उत्सुकता बनी हुई है।

पालतू डॉग ऑरा को लेकर रश्मिका ने शेयर की मजेदार पोस्ट

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में हाल ही में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने चादर के नीचे गहरी नींद में सो रहे अपने पालतू कुत्ते की एक तस्वीर साझा की। अभिनेत्री ने यह मजेदार पोस्ट तब साझा किया जब वह खुद काम में व्यस्त थीं, जबकि ऑरा आराम से अपना रविवार बिता रहा था। इस तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने अपनी ईर्ष्या व्यक्त करते हुए ऑरा को बेहद भाग्यशाली बताया। रश्मिका ने तस्वीर पर लिखा, "ऑरा का हाल कुछ ऐसा है : मम्मी बिल्कुल सोई नहीं हैं और उन्हें काम पर भी जाना है लेकिन इससे किसी को क्या फर्क पड़ता है? पूरा बिस्तर तो मुझे ही मिल रहा है और मैं बहुत खुश हूं किस्मत वाला।" अभिनेत्री का शेड्यूल इन दिनों काफी व्यस्त है, उनकी कुछ बड़ी फिल्में आने वाली हैं। वह अगली बार एक्शन-ड्रामा फिल्म 'मैसा' में दिखाई देंगी। इस फिल्म का टीजर हाल ही में जारी किया गया था, जो एक दमदार मनोरंजन का वादा करता है। टीजर में पानी के अंदर के शानदार दृश्य दिखाए गए हैं, जिनमें रश्मिका का पानी की तलहटी में हंसिया पकड़े बैठे रहने का दृश्य बेहद प्रभावशाली है। रश्मिका ने इस फिल्म में एक गोंड आदिवासी महिला का किरदार निभाया है, जो एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है जिसके लिए गहन शारीरिक तैयारी और मुश्किल एक्शन दृश्यों की आवश्यकता थी। अनफॉर्मूला फिल्म्स द्वारा निर्मित 'मैसा' का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले ने किया है।

मिर्जापुर द मूवी ने ओवरसीज में रचा इतिहास

बॉर्डर 2 को दी मात, बनाया साल 2026 का इतना बड़ा रिकॉर्ड

पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा सहित कई चर्चित कलाकारों से सजी फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करने के बाद एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर चुकी है। घरेलू बाजार में मजबूत कमाई करने वाली इस अपराध-रोमांच फिल्म का विदेशों में भी प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। फिल्म का विदेशी सिनेमाघरों में प्रदर्शन अब समाप्त हो गया है और इसके साथ ही इसने अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक नया मुकाम हासिल किया है। 'मिर्जापुर द मूवी ने विदेशों में 61 करोड़ रुपये की सकल कमाई की है। इस प्रदर्शन के साथ यह वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्मों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, फिल्म से आगे केवल 'धुरंधर 2 और 'भूत बंगला हैं। 61 करोड़ रुपये की विदेशी कमाई के साथ 'मिर्जापुर द मूवी ने वर्ष 2026 में रिलीज हुई कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इनमें 'बॉर्डर 2, 'कॉकटेल 2, 'हनुमान अंश और 'वेलकम टू द जंगल सहित कुल सात फिल्में शामिल हैं। फिल्म की विदेशी बाजार में सफलता को इसकी लोकप्रियता और 'मिर्जापुर फ्रेंचाइजी के प्रति दर्शकों की मजबूत रुचि से जोड़कर देखा जा रहा है। भारत के साथ-साथ विदेशों में भी फिल्म को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिला। 'मिर्जापुर द मूवी का निर्माण करीब 90 करोड़ रुपये के बजट में किया गया है। फिल्म ने घरेलू बाजार में भी शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में इसकी कुल कमाई 336 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। फिल्म के कारोबार को देखते हुए इसे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी व्यावसायिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। फिल्म ने भारत में ओटीटी से जुड़े चर्चित कथानक और पात्रों को बड़े पर्दे पर लाने वाली फिल्मों के लिए भी एक नया मानदंड स्थापित किया है। फिल्म की 159.02 प्रतिशत वापसी को भी इसकी व्यावसायिक सफलता का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। 'मिर्जापुर द मूवी का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट तथा अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के बैनर तले किया गया है। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, जितेंद्र कुमार, रवि किशन, श्वेता त्रिपाठी और रसिका दुग्गल सहित कई कलाकारों ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। 'मिर्जापुर की लोकप्रिय दुनिया और इसके चर्चित किरदारों को बड़े पर्दे पर देखने के लिए दर्शकों में बनी उत्सुकता का असर फिल्म के घरेलू और विदेशी कारोबार में भी दिखाई दिया।

माँ काली की असीम अनुकंपा और आध्यात्मिक चेतना का महासंगम

जल्द ही सिनेमाघरों में आ रही है फिल्म 'जगतगुरू श्री रामकृष्ण'

मुंबई : सनातन धर्म की अमर पताका को संपूर्ण विश्व में फहराने वाले युगपुरुष स्वामी विवेकानंद के गुरु, माँ काली के अनन्य भक्त और महान संत श्री रामकृष्ण परमहंस की दिव्य जीवन गाथा अब बड़े पर्दे पर जीवंत होने जा रही है। विवेकानंद एजुकेशन सेल फिल्म्स' के बैनर तले निर्मित फिल्म 'जगतगुरू श्री रामकृष्ण' जल्द ही नजदीकी सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। यू (U) सेंसर प्रमाण पत्र प्राप्त यह 96 मिनट की फीचर फिल्म दर्शकों को भक्ति, ज्ञान और अलौकिक आध्यात्मिक यात्रा पर ले जाएगी।

माँ काली की भक्ति और वात्सल्य का रूपः यह फिल्म केवल एक संत की कहानी नहीं है, बल्कि माँ काली के प्रति उस अटूट भक्ति का दर्शन है, जिसने एक साधारण पुजारी को 'जगतगुरू' बना दिया। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे श्री रामकृष्ण परमहंस ने अपनी निश्छल भक्ति से माँ काली के साक्षात दर्शन किए और संसार को यह संदेश दिया कि ईश्वर तक पहुँचने का सबसे सरल मार्ग प्रेम, सत्य और सर्व-धर्म समभाव है।

गुरु-शिष्य परंपरा का अलौकिक रूपः फिल्म का मुख्य आकर्षण श्री रामकृष्ण परमहंस और उनके प्रिय शिष्य स्वामी विवेकानंद (नरेंद्रनाथ) के बीच का पावन संबंध है, जिसने आधुनिक भारत की वैचारिक और आध्यात्मिक नींव रखी। गुरु से प्राप्त ज्ञान और माँ काली के आशीर्वाद के बल पर ही स्वामी विवेकानंद ने आगे चलकर शिकागो के धर्म सम्मेलन से लेकर पूरे विश्व में सनातन धर्म के वास्तविक स्वरूप का परचम लहराया।

फिल्म से जुड़ी मुख्य जानकारी

निर्माता व लेखक : गजानंद पाठक

निर्देशक : डॉ. बिमल कुमार मिश्रा

संगीत निर्देशक : अजय मिश्रा

गीतकार : डॉ. हरे राम पांडेय

छायांकन (DOP) : राहुल पाठक

मुख्य कलाकार : गजानंद पाठक, अमरकांत राय, मुकेश राम प्रजापति, श्रेष्ठा भट्टाचार्य, चांदनी झा, दीपक घोष, चंचला राय, मनोज कुमार पांडेय, अजीत अरोड़ा

इसे हजारीबाग के अभिजीत कुमार सोनू के स्टूडियो में डबिंग की गई है और बैकग्राउंड म्यूजिक तथा सभी गानों की रिकॉर्डिंग अशोक होंडा स्टूडियो मुंबई में की गई है।

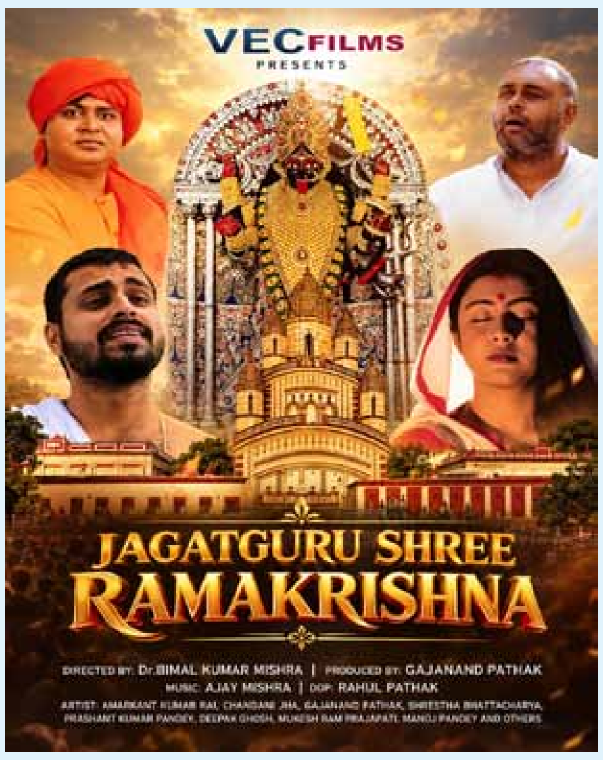

सुरीले भजनों से सजी आध्यात्मिक यात्राः फिल्म के संगीत को भारतीय संगीत जगत की महान हस्तियों ने अपनी मधुर आवाज से सजाया है। अनूप जलोटा, सुरेश वाडकर और महालक्ष्मी अय्यर के गाए भजन दर्शकों को भक्ति रस में सराबोर कर देंगे। यदि आप सनातन संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा और माँ काली के अलौकिक चमत्कारों को करीब से महसूस करना चाहते हैं, तो अपने पूरे परिवार के साथ इस आध्यात्मिक अनुभव का हिस्सा बनें।

द वन का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड, बनी तमन्ना भाटिया के करियर की सेकंड हाइएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म

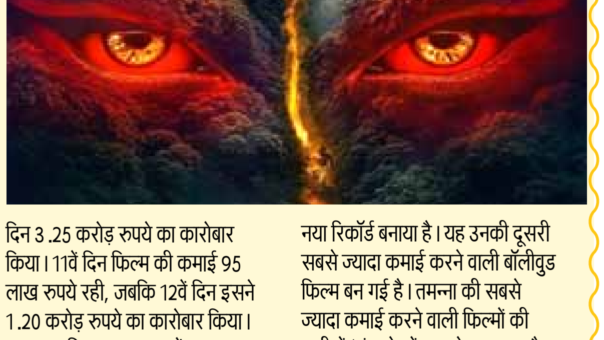

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म 'द वन बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने दूसरे सप्ताह में भी अपनी पकड़ बनाए रखी है। सिद्धार्थ और तमन्ना की जोड़ी और उनकी अभिनय केमिस्ट्री को दर्शकों की ओर से पसंद किया जा रहा है। फिल्म अब तमन्ना भाटिया के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। बॉक्स ऑफिस से जुड़े आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे मंगलवार को करीब 1.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सोमवार की 95 लाख रुपये की कमाई की तुलना में मंगलवार को फिल्म के कारोबार में करीब 26.32 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। 'द वन ने पहले सप्ताह में 54.86 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद आठवें दिन फिल्म ने 3.25 करोड़ रुपये, नौवें दिन 2 करोड़ रुपये और दसवें दिन 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। 11वें दिन फिल्म की कमाई 95 लाख रुपये रही, जबकि 12वें दिन इसने 1.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह फिल्म का भारत में कुल शुद्ध कारोबार 65.51 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म ने घरेलू बाजार में करीब 77.32 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है, जबकि दुनियाभर में इसकी कुल कमाई 84.52 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। 'द वन ने तमन्ना भाटिया के करियर में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह उनकी दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। तमन्ना की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में 'एंटरटेनमेंट पहले स्थान पर है, जिसने 72.02 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। 'द वन 65.51 करोड़ रुपये की कमाई के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। इसके बाद 'हमशक्ल्स 63.72 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ तीसरे स्थान पर है।

साबूदाना खिचड़ी से लेकर राजगीरे की रोटियों तकः सोनी सब के कलाकारों ने साझा किए अपने पसंदीदा नवरात्रि व्यंजन और उत्सव की परंपराएँ

मुंबईः नवरात्रि अपने साथ आस्था, परिवार और परंपराओं का उत्सव लेकर आती है और फलाहार इस उत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। सुकून देने वाली साबूदाना से बनी डिशेज़ और पौष्टिक राजगीरा व्यंजनों से लेकर घर में बनाए जाने वाले व्रत के पसंदीदा पकवानों तक, यह त्यौहार उपवास का पालन करते हुए भी अपने पसंदीदा स्वादों का आनंद लेने के कई अवसर देता है। इस नवरात्रि, सोनी सब के कलाकार तोरल रसपुत्रा, गुलकी जोशी, मनीष वाधवा और करुणा पांडे अपने पसंदीदा व्रत के व्यंजन और त्यौहार के दौरान निभाई जाने वाली खास खानपान की परंपराएँ साझा कर रहे हैं। तोरल रसपुत्रा, जो हस्तिनापुर के वीर में कुंती का किरदार निभा रही हैं, ने साझा किया, "मेरे लिए नवरात्रि, साबूदाना खिचड़ी के बिना अधूरी है। यह सरल, सुकून देने वाली डिश है और व्रत के दिनों में मैं इसका बेसब्री से इंतज़ार करती हूँ। मुझे इसे भुनी हुई मूँगफली और थोड़े से दही के साथ खाना पसंद है, जिससे यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पेट भरने वाली भी बन जाती है। व्रत के पकवानों की जो बात मुझे सबसे अच्छी लगती है, वह यह है कि साधारण सामग्री से भी इतने स्वादिष्ट व्यंजन बन जाते हैं। यह मुझे नवरात्रि के दौरान बचपन से खाए जाने वाले खाने की याद भी दिलाता है, इसलिए इससे एक खूबसूरत अपनापन जुड़ा हुआ है।" गुलकी जोशी, जो यादें में डॉ. सृष्टि अग्रवाल का किरदार निभा रही हैं, ने साझा किया, "राजगीरा नवरात्रि के दौरान मेरे सबसे पसंदीदा व्यंजनों में से एक है, खासकर तब, जब उससे रोटियाँ या साधारण थालीपीठ बनाया जाता है। मुझे इसकी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि यह कितना बहुउपयोगी है और उपवास के दौरान इससे कितनी आसानी से पौष्टिक भोजन तैयार किया जा सकता है। हमारे घर में नवरात्रि का भोजन हमेशा भव्य व्यंजन बनाने के बजाय सरल और ताज़ा चीज़ों पर आधारित रहा है। यही छोटी-छोटी परंपराएँ इस त्यौहार को खास बनाती हैं और मैं हर साल इन्हें निभाना पसंद करती हूँ।" मनीष वाधवा, जो हस्तिनापुर के वीर में भीष्म पितामह का किरदार निभा रहे हैं, ने साझा किया, "नवरात्रि के दौरान मुझे कुट्टू की रोटी और व्रत वाले आलू खाना सबसे ज़्यादा पसंद है। खासकर जब ये घर पर ताज़ा-ताज़ा बनते हैं। दिनभर मैं फल और थोड़े से मेवे खाना भी पसंद करता हूँ। इन परिचित स्वादों में एक अलग ही सुकून होता है और मेरे लिए इन खानपान की परंपराओं का पालन करना त्यौहार के मौसम को और भी खास बना देता है।" करुणा पांडे, जो पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा का किरदार निभा रही हैं, ने साझा किया, "मुझे व्रत वाले आलू बहुत पसंद हैं, खासकर उनका वह सादा रूप, जो सेंधा नमक, हरी मिर्च और थोड़े से जीरे के साथ बनाया जाता है। यह उन व्यंजनों में से एक है, जिन्हें स्वादिष्ट बनने के लिए बहुत ज़्यादा चीज़ों की ज़रूरत नहीं होती। नवरात्रि के दौरान मैं ऐसा भोजन पसंद करती हूँ, जो हल्का, पौष्टिक और घर जैसा महसूस हो। मुझे यह बात भी बहुत अच्छी लगती है कि व्रत की परंपराएँ हमें अपने खानपान के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित करती हैं, साथ ही उन स्वादों और रस्मों का आनंद लेने का अवसर भी देती हैं जो इस त्यौहार को इतना खास बनाती हैं।" सोनी सब पर यादें, हस्तिनापुर के वीर और पुष्पा इम्पॉसिबल देखना न भूलें।

एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में होने जा रही आयोजित एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से पाकिस्तान टीम को बाहर कर बांग्लादेश को शामिल किया गया है। यह फैसला पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के भारत आने से इंकार करने और अपने मुकाबले किसी तटस्थ स्थान पर आयोजित करवाने की मांग को देखते हुए लिया गया है। एशियाई हॉकी संघ (एएचएफ) ने पाक हॉकी मांग को ठुकरा दिया है।

यह महत्वपूर्ण टूर्नामेंट पंजाब के जालंधर और मोहाली शहरों में 27 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच खेला जाएगा। शुरुआत में, 6 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भी शामिल किया गया था, लेकिन पीएचएफ ने बीच में एशियाई हॉकी संघ से अपने मैचों को तटस्थ स्थान पर रखे जाने के कहा था। वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव और एशियन हॉकी फेडरेशन के उपाध्यक्ष भोला नाथ सिंह ने उस वक्त ही यह साफ कर दिया था कि टूर्नामेंट की जगह को लेकर कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इस घटनाक्रम की पुष्टि तब हुई जब हॉकी इंडिया ने टूर्नामेंट में शामिल होने वाली छह टीमों की एक आधिकारिक रिलीज जारी की। इस सूची में पाकिस्तान का नाम नहीं था। टूर्नामेंट में अब भारत के साथ जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी।

रणजी ट्रॉफी के लिए सौराष्ट्र की टीम में शामिल हुए रवींद्र जडेजा

एजेंसी, राजकोट

अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को रणजी ट्रॉफी 2026-27 के पहले मुकाबले के लिए सौराष्ट्र की टीम में शामिल किया गया है। जयदेव उनादकट की कप्तानी में सौराष्ट्र की 16 सदस्यीय टीम 11 अक्टूबर से छत्तीसगढ़ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। जडेजा हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की एकदिवसीय श्रृंखला में खेले थे, जिसमें भारतीय टीम ने 2-1 से जीत दर्ज की। जडेजा दो मैचों में केवल दो विकेट ले सके और उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। रणजी ट्रॉफी में खेलने से उन्हें न्यूजीलैंड के आगामी दो टेस्ट मैचों के दौरे से पहले लाल गेंद के क्रिकेट में लय हासिल करने में मदद मिलेगी। भारत को न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन और दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से एक दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेलना है। रणजी ट्रॉफी का 92वां संस्करण 11 अक्टूबर से शुरू होगा। पूर्व चैंपियन सौराष्ट्र को एलीट ग्रुप बी में आंध्र, असम, छत्तीसगढ़, हैदराबाद, कर्नाटक, पंजाब और त्रिपुरा के साथ रखा गया है। सौराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के बीच मुकाबला राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला जाएगा। उनादकट की कप्तानी में सौराष्ट्र ने 2019-20 और 2022-23 में रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था। टीम ने पिछले सत्र के अपने 14 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। हालांकि, 2025-26 सत्र में सौराष्ट्र की टीम ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी। इस बार टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। उनादकट हाल ही में इंग्लैंड में ससेक्स की ओर से शानदार प्रदर्शन करके लौटे हैं। उन्होंने सात मैचों में 22.21 के औसत से 28 विकेट लिए, जिसमें हैम्पशायर के खिलाफ 32 रन देकर पांच विकेट लेने का प्रदर्शन भी शामिल है। इसके अलावा उन्होंने दो बार एक पारी में चार विकेट हासिल किए।

वनडे में 150 विकेट हासिल करने वाली तीसरी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बनीं मेगन शट

एजेंसी, ब्रिसबेन

ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट ने शुक्रवार को बांग्लादेश महिला टीम के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 150 विकेट पूरे कर लिए। वह महिला वनडे क्रिकेट में इस उपलब्धि तक पहुंचने वाली ऑस्ट्रेलिया की तीसरी गेंदबाज बन गई हैं। एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में 33 वर्षीय शट को 150 विकेट का आंकड़ा छूने के लिए दो विकेट की जरूरत थी। उन्होंने श्रृंखला की पहली ही गेंद पर फरगाना हक को आउट किया और फिर तीसरे ओवर में शर्मिन सुल्ताना का विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल कर ली। शट ने फरगाना को शानदार गेंद पर विकेट के पीछे कैच कराया। गेंद पिच पर पड़ने के बाद अंदर की ओर आई और बल्लेबाज के बल्ले का किनारा लेकर पहली स्लिप में खड़ी फीबी लिचफील्ड के हाथों में चली गई। इसके बाद तीसरे ओवर में शट की अंदर की ओर स्विंग होती गेंद शर्मिन सुल्ताना के बल्ले को चकमा देते हुए उनके पैड पर लगी और अंपायर ने उन्हें पगबाधा आउट करार दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से शट से पहले एलिस पेरी और कैथरीन फिट्जपैट्रिक ही महिला वनडे क्रिकेट में 150 विकेट का आंकड़ा पार कर सकी थीं। फिट्जपैट्रिक 180 विकेट के साथ ऑस्ट्रेलिया की सूची में शीर्ष पर हैं, जबकि पेरी के नाम 166 विकेट हैं।

चीन स्मैश के सेमीफाइनल में हारे मानुष शाह और मानव ठक्कर

एजेंसी, बीजिंग । भारत के मानुष शाह और मानव ठक्कर को शुक्रवार को विश्व टेबल टेनिस स्मैश प्रतियोगिता 2026 के पुरुष युगल सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण कोरिया के लिम जोंगहून और ओह जुनसुंग ने भारतीय जोड़ी को सीधे गेमों में 3-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। शौगांग पार्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण कोरियाई जोड़ी ने 11-8, 11-6, 11-3 से जीत दर्ज की। मुकाबला 20 मिनट से भी कम समय तक चला। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में अच्छी चुनौती पेश की। मानुष और मानव ने अपनी सर्विस तथा प्रतिद्वंद्वी की सर्विस पर चार-चार अंक हासिल किए, लेकिन इसके बाद दक्षिण कोरियाई खिलाड़ियों ने मुकाबले पर पकड़ मजबूत कर ली। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी वापसी नहीं कर सकी। तीसरे गेम में दक्षिण कोरियाई खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया और 9-1 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने 11-3 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप 10 अक्टूबर से झांसी में, 29 टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी, झांसी

हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप-2026 10 अक्टूबर से उत्तर प्रदेश के झांसी में शुरू होगी। 21 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में तीन डिवीजन में कुल 29 टीमें हिस्सा लेंगी। डिवीजन ए का फाइनल प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेला जाएगा। प्रतियोगिता के 16वें संस्करण में डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी के मुकाबले होंगे। टीमों को 2025 के संस्करण में उनकी रैंकिंग के आधार पर तीनों डिवीजन में रखा गया है। यह चैंपियनशिप देशभर की टीमों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय स्तर पर खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देगी। पिछले संस्करण में हॉकी पंजाब ने डिवीजन ए के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश को 4-1 से हराकर 15वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता था। हॉकी उत्तर प्रदेश ने तीसरे स्थान के मुकाबले में मणिपुर हॉकी को 5-1 से हराकर कांस्य स्थान हासिल किया था। डिवीजन ए में 12 टीमों को चार पूल में बांटा गया है। पूल ए में हॉकी पंजाब, हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु और हॉकी बंगाल शामिल हैं। पूल बी में हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी महाराष्ट्र और ले पुडुचेरी हॉकी को रखा गया है। पूल सी में हॉकी उत्तर प्रदेश, हॉकी कर्नाटक और हॉकी चंडीगढ़ हैं, जबकि पूल डी में मणिपुर हॉकी, हॉकी हरियाणा और दिल्ली हॉकी शामिल हैं। डिवीजन ए के मुकाबले 14 अक्टूबर से शुरू होंगे। पूल चरण के बाद 18 अक्टूबर को क्वार्टर फाइनल खेले जाएंगे।

बिजनेस

सोने के भाव में मामूली गिरावट, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,530 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,37,080 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,49,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,230 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,130 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,49,530 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,37,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,49,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,37,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वित्त मंत्री सिंगापुर पहुंचीं, वैश्विक निवेशकों को संबोधित करने सहित अहम बैठकों में होंगी शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर शुक्रवार को सिंगापुर पहुंचीं। वित्त मंत्री 9-11 अक्टूबर तक की इस यात्रा के दौरान सिंगापुर के शीर्ष नेतृत्व, वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ उच्चस्तरीय बैठकें करेंगी। इन बैठकों का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करना है। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण का आज सिंगापुर के चांगी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारत के हाई कमिश्नर शिल्पक अंबुले ने स्वागत किया। निर्मला सीतारमण तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे में सिंगापुर के नेताओं और वैश्विक निवेशकों से मिलेंगी। सीतारमण इस दौरे में सिंगापुर के शीर्ष सरकारी नेतृत्व से मुलाकात करेंगी और बिजनेस एवं निवेशक समुदाय के वरिष्ठ सदस्यों तथा वैश्विक संस्थागत निवेशक के साथ बातचीत करेंगी। मंत्रालय के अनुसार सीतारमण सिंगापुर के राष्ट्रपति थरमन षणमुगरत्नम, प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, उपप्रधानमंत्री गन किम योंग और विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन से मुलाकात करेंगी।

स्टॉक मार्केट में टीएनए सॉल्यूशंस की कमजोर शुरुआत, घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी टीएनए सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार झटका दे दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 56 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद बकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से थोड़ी देर में ही ये शेयर गिर कर 53.20 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में खरीदारों ने लिवाली शुरू कर इसके लोअर सर्किट को ब्रेक कर दिया। बाजार में दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद ये शेयर 58.80 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 11.20 रुपये यानी 16 प्रतिशत के नुकसान में रहे। इस कंपनी का 37.87 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से छह अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 39.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 15.24 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 102.30 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 46.06 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 54,08,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का कंस्ट्रक्शन करने, नई मशीनरी की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। टीएनए सॉल्यूशंस लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.69 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 6.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 9.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 36.32 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बड़ी बढ़त के साथ 84.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

पारामाउंट सिंटेक्स ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए काम करने वाली, विशेष रूप से धागे का उत्पादन करने वाली कंपनी पारामाउंट सिंटेक्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 127 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 9.45 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 115 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरु हो जाने के कारण ये शेयर गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से थोड़ी देर में ही ये शेयर लुढ़क कर 109.25 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 17.75 रुपये यानी 13.98 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस कंपनी का 81.79 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से छह अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 119.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। जबकि नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.09 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली का मामूली दबाव भी बना, लेकिन कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.95 प्रतिशत और निफ्टी 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 183.43 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71,776.67 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने पर इस सूचकांक की चाल में मामूली गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने सरपट चाल में चलना शुरू कर दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 680.47 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ 72,273.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

एक्मे इंडिया इंडस्ट्रीज ने निवेशकों को किया खुश, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रेलवे कंपोनेंट्स और मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज क्षेत्र से जुड़ी कंपनी एक्मे इंडिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 196 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 12.76 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 221 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदीरी के सपोर्ट से कुछ देर में ही ये शेयर उछल कर 232.05 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 36.05 रुपये यानी 18.39 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 121.69 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से छह अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 87.21 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 56.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 196.43 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।